cm k

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस समूह

मध्यप्रदेश ■ राजस्थान ■ हरियाणा ■ छत्तीसगढ़ ■ महाराष्ट्र से प्रकाशित

डाक पंजीयन क्रं. 173/15-17

5 स्टोयनिस ने आईपीएल रन चेज में सबसे बड़ा स्कोर बनाया | सम्पादकीय सेहत सुरक्षा-कवच | भा कोड से भारतीयों के लिए तैयार होंगे फुटवियर 5

वर्ष 11 अंक 59 E-mail: dholpur@hotmail.com जयपुर, गुरूवार 25 अप्रैल 2024 ई-पेपर के लिए लॉगऑन करें -www.hindustanexpress.online मूल्य 2.00 रुपया, पृष्ठ 8

चुनाव नियंत्रित नहीं कर सकते, डेटा के लिए चुनाव आयोग पर भरोसा करना होगा - सुप्रीम कोर्ट

वीवीपैट वेरिफिकेशन पर कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा

आर.एन.एस.

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने वीवीपैट को लेकर बुधवार को हुई सुनवाई के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। कोर्ट ने मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि हम संदेह के आधार पर आदेश जारी नहीं कर सकते हैं। अदालत चुनाव की नियंत्रण अथॉरिटी नहीं है। आपको बता दें कि अदालत ने ईवीएम के मुद्दे पर दो दखल दिया है। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा कि हमारे कुछ सवाल थे। जिनके जवाब दे दिए गए हैं। अभी हमने फैसला सुरक्षित रखा है। कोर्ट ने वीवीपैट को लेकर कहा कि अभी तक गड़बड़ी की एक भी रिपोर्ट सामने नहीं आई है। हम साथ में ये भी देख रहे हैं कि क्या ज्यादा वीवीपैट के मिलान का आदेश दिया जा सकता है।

सुनवाई के दौरान जस्टिस दीपांकर दत्ता ने प्रशांत भूषण से कहा कि क्या हम संदेह के आधार पर कोई आदेश जारी कर सकते हैं? जिस रिपोर्ट पर आप भरोसा कर रहे हैं, उसमें कहा गया है कि अभी तक हैकिंग की कोई घटना नहीं हुई है। हम किसी दूसरे संवैधानिक अथॉरिटी को नियंत्रित नहीं करते है। हम चुनावों को नियंत्रित नहीं कर सकते। सुप्रीम कोर्ट के फैसले में वीवीपैट की बात कही गई थी और उसका पालन किया गया लेकिन इसमें कहां कहा गया है कि सभी पर्चियों का मिलान करें। इसमें 5 प्रतिशत लिखा है, अब देखते हैं कि क्या इन 5 प्रतिशत के अलावा कोई उम्मीदवार कहता है कि दुरुपयोग के मामले आए हैं।

सुनवाई के दौरान जस्टिस संजीव खन्ना ने कहा कि इसलिए हमने चुनाव आयोग से भी यही सवाल पूछा था। आयोग का कहना है कि फ्लैश मेमोरी में कोई दूसरा प्रोग्राम फीड नहीं किया जा सकता। उनका कहना है कि वो फ्लैश मेमोरी में कोई प्रोगाम अपलोड नहीं करते, बल्कि चुनाव चिन्ह अपलोड करते है, जो कि इमेज की शक्ल में होता है। हमे तकनीकी चीजों पर आयोग पर यकीन करना ही होगा।

इसपर प्रशांत भूषण ने दलील दी कि वो चुनाव चिन्ह के साथ साथ कोई ग़लत प्रोगाम तो अपलोड कर सकते हैं। मेरा अंदेशा उस बात को लेकर है। फिर कोर्ट ने कहा कि हम आपकी दलील को समझ गए। हम फैसले में इसका ध्यान रखेंगे।

चुनाव आयोग ने पीएम मोदी के भाषण के खिलाफ जांच शुरू की

बांसवाड़ा में कहा था- कांग्रेस सत्ता में आई तो आपकी संपत्ति मुस्लिमों में बांट देगी

आर.एन.एस.

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बांसवाड़ा में दिए गए बयान की जांच शुरू कर दी है। पीएम मोदी ने राजस्थान के बांसवाड़ा में कहा था कि अगर कांग्रेस सत्ता में आई तो लोगों की संपत्ति को मुस्लिमों में बांट देगी। साथ ही पीएम ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की उस टिप्पणी का भी जिक्र किया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि देश के संसाधनों पर पहला अधिकार अल्पसंख्यकों का है।

पीएम के इस बयान के खिलाफ कांग्रेस और सीपीआई-एम ने चुनाव आयोग में अलग-अलग शिकायतें दर्ज कराई थीं। कांग्रेस ने इलेक्शन कमीशन से अपील की थी कि पीएम मोदी के 'संपत्ति का बंटवारा' वाले बयान पर एक्शन लें। कांग्रेस ने इस बयान को विभाजनकारी, दुर्भावना से भरा और समुदाय विशेष को टारगेट करने वाला बताया था।

वहीं, सीपीआई एम के जनरल सेक्रेटरी सीताराम येचुरी ने भी एक पोस्ट में इलेक्शन कमीशन से अपील की थी कि इस शिकायत पर ध्यान दें और पीएम मोदी और भाजपा के खिलाफ एक्शन लें। उन्होंने इस मामले में स्नढ्ढक्र दर्ज की जाने की भी मांग की थी।

राजस्थान के बांसवाड़ा में रविवार को पीएम मोदी ने कहा- अगर कांग्रेस की सरकार बनेगी तो हरेक की प्रॉपर्टी का सर्वे किया जाएगा। हमारी बहनों के पास सोना कितना है, इसकी जांच की जाएंगी। चांदी का हिसाब लगाया जाएगा। मेरी माताओं-बहनों की जिंदगी में सोना सिर्फ शो करने के लिए नहीं होता है। उसके स्वाभिमान से जुड़ा हुआ है। उसका मंगलसूत्र सोने की कीमत का मुद्दा नहीं है, उसके जीवन के सपनों से जुड़ा है, उसे छीनने की बात कर रहे हो अपने घोषणा-पत्र में।

कांग्रेस विरासत पर भी टैक्स लगाएगी, वे आपकी संपत्ति लूटना चाहते हैं - पीएम मोदी

आर.एन.एस.

अंबिकापुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर में चुनावी सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कहती है कि वो माता-पिता से मिलने वाली विरासत पर भी टैक्स लगाएगी। आप जो अपनी मेहनत से संपत्ति जुटाते हैं, वो आपके बच्चों को नहीं मिलेगी। वो भी कांग्रेस का पंजा आपसे छीन लेगा।

मोदी ने कहा कि कांग्रेस का ये मंत्र आपकी संपत्ति छीन लेगा, आपको लूट लेगा। कांग्रेस का मंत्र है, जिंदगी के साथ भी, जिंदगी के बाद भी। जब तक आप जीवित रहेंगे, कांग्रेस आपको ज्यादा टैक्स से मारेगी। जिन लोगों ने पूरी कांग्रेस पार्टी पैतृक संपत्ति मानकर अपने बच्चों को दे दी, वो नहीं चाहते कि सामान्य भारतीय अपने बच्चों को दें।

उन्होंने कहा, जब मैं विकसित भारत कहता हूं, तो कांग्रेस वालों का और दुनिया की कुछ ताकतों का माथा गरम हो जाता है। अगर भारत शक्तिशाली हो गया तो कुछ ताकतों का खेल ही बिगड़ जाएगा। भारत आत्मनिर्भर बन गया तो कुछ ताकतों की दुकान बंद हो जाएगी। इसलिए वे भारत में कांग्रेस और इंडी गठबंधन की कमजोर सरकार चाहते हैं। कांग्रेस का इतिहास सत्ता के लालच में देश को तबाह करने का रहा है।

25 हजार करोड़ के बैंक घोटाला मामले में मुंबई पुलिस ने उपमुख्यमंत्री अजित पवार और उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार को दी क्लीन चिट

आर.एन.एस.

मुम्बई। मुंबई पुलिस ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार और उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार को 25 हजार करोड़ रुपये के एमएससीबी बैंक घोटाले मामले में क्लीन चिट दे दी है। मुंबई पुलिस की ईओडब्लू ने अपनी क्लोजर रिपोर्ट में कहा है कि इस मामले में जांच के दौरान उन्हें क्रिमिनल एक्ट जैसा कुछ नहीं दिखा है। लिहाजा, हम इस मामले में उपमुख्यमंत्री अजित पवार और उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार और अन्य लोगों को क्लीन चिट दे रहे हैं। ईओडब्लू ने अपनी क्लोजर रिपोर्ट में यह भी कहा है कि कर्जा देने और शुगर मिल को बेचने की प्रक्रिया में बैंक को किसी भी तरह का कोई नुकसान नहीं हुआ है। मुंबई पुलिस ने बताया कि सुनेत्रा पवार ने जय अग्रोटेक के डायरेक्टर पद से साल 2008 में इस्तीफ़ा दिया था। इसके दो साल के बाद जय एग्रोटेक ने जरनदेश्वर सुगर मिल को 20.25 करोड़ रुपये दिये। इसके बाद गुरु कमोडिटी ने जरंदेश्वर को ऑप सुगर मिल को नीलामी में 65.75 करोड़ में ख़रीदा। इसके बाद गुरु कमोडिटी ने जरनदेश्वर को लीज पर दे दिया जिसका डायरेक्टर राजेंद्र घाड़गे और अजीत पवार के रिश्तेदार थे।जरंदेश्वर ने 65.53 करोड़ रुपये गुरु कमोडिटी को किराया दिया था।

कांग्रेस का मेनिफेस्टो देखकर पीएम घबरा गए - राहुल गांधी

आर.एन.एस.

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी के समाजिक न्याय सम्मेलन कार्यक्रम में राहुल गांधी ने कहा- कांग्रेस का मेनिफेस्टो देखकर पीएम घबरा गए हैं। यह कांतिकारी घोषणापत्र है। हमने जाति जनगणना कराने का वादा किया है। भाजपा दलित-ओबीसी की हिस्ट्री को मिटाना चाहती है। आपकी हिस्ट्री की जड़ को एक बार फिर लगाना होगा। जाति जनगणना को कोई शक्ति नहीं रोक सकती है।

मोदी ने 10 साल देश से कहा कि वो ओबीसी हैं। जैसे ही मैंने जाति जनगणना की बात की तो मोदी बोलने लगे की देश में सिर्फ दो जाति हैं अमीर और गरीब। मैं कहता हूं कि गरीबों की लिस्ट निकालिए, उसमें आपको दलित, आदिवासी-ओबीसी मिल जाएंगे, लेकिन अमीरों की लिस्ट में आपको ये तीनों समुदाय के लोग नहीं मिलेंगे। राहुल ने कहा कि अगर आप सुपरपावर बनना चाहते हो 90 परसेंट (ओबीसी, आदिवासी,दलित) की शक्ति का प्रयोग करना होगा। ये लोग अपने आपको देशभक्त कहते हैं, लेकिन एक्सरे यानी जनगणना से डरते है। ये मेरे लिए सामाजिक न्याय एक राजनीतिक मुद्दा नहीं है। ये अब मेरी लाइफ का मिशन है। लाइफ मिशन में कॉम्प्रोमाइज नहीं हो सकता है। मैंने देश की टॉप 200 बड़ी कंपनियों की मालिकों की लिस्ट निकाली। इन 200 कंपनियों में से 25 लोगों को नरेंद्र मोदी ने 16 लाख करोड़ रुपए दिए हैं। इतने पैसे से देश के किसानों की 25 बार कर्जमाफी की जा सकती है। इन 200 कंपनियों में से एक आदिवासी नहीं, एक दलित नहीं, एक ओबीसी नहीं है।

देश की सरकार और राज्य सरकार 45 हजार करोड़ रुपए फसल बीमा योजना के लिए देती है। इसका पैसा 16 कंपनियों को जाता है। इनके मालिकों में एक दलित-ओबीसी नहीं है। फिर जब तूफान आता है तो किसान का खेत खत्म हो जाता है। फिर ये कंपनियां कहती हैं कि आपके खेत में नुकसान नहीं हुआ। यानी गरीबों से जीएसटी के जरिए पैसा लेकर उन लोगों तक पहुंचा जो दलित-ओबीसी नहीं है।

कोर्ट की फटकार के बाद रामदेव-बालकृष्ण ने दूसरा माफीनामा छपवाया

आर.एन.एस.

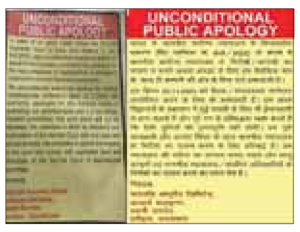

नई दिल्ली। पतंजलि, बाबा रामदेव और बालकृष्ण ने बुधवार को अखबारों में एक और माफीनामा छपवाया। इसमें बिना शर्त कोर्ट से माफी मांगी गई है। पतंजलि पर अखबारों में विज्ञापन देकर एलोपैथी के खिलाफ निगेटिव प्रचार करने का आरोप है। मामले पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है।

पतंजलि ने बुधवार को छपवाए माफीनामे में लिखा- हमसे विज्ञापनों को प्रकाशित करने में हुई गलती के लिए ईमानदारी से बिना शर्त माफी मांगते हैं। ऐसी गलती दोबारा नहीं होगी। हम सावधानी के साथ सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन करने का वचन देते हैं। इससे पहले 22 अप्रैल को भी पतंजलि ने 67 अखबारों में माफीनामा छपवाया था और भविष्य में ऐसी गलती नहीं दोहराने की बात कही थी। पतंजलि ने 23 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस हिमा कोहली और जस्टिस अमानतुल्लाह की बेंच को इसकी जानकारी दी थी। जस्टिस हिमा कोहली ने पतंजलि से पूछा था- आपके विज्ञापन जैसे रहते थे, इस माफीनामे का भी साइज वही था? कृपया इन विज्ञापनों की कटिंग ले लें और हमें भेज दें। इन्हें बड़ा करने की जरूरत नहीं है। हम इसका वास्तविक साइज देखना चाहते हैं। जस्टिस कोहली ने कहा था- जब आप कोई विज्ञापन प्रकाशित करते हैं तो इसका मतलब यह नहीं कि हम उसे माइक्रोस्कोप से देखेंगे। सिर्फ पन्ने पर न हो, पढ़ा भी जाना चाहिए। पतंजलि, बाबा रामदेव और बालकृष्ण अगले दो दिन में ऑन रिकॉर्ड माफीनामा जारी करें, जिसमें लिखा हो कि उन्होंने गलती की। मामले की अगली सुनवाई 30 अप्रैल को होगी।

पश्चिमी मीडिया भारत की आलोचना कर चुनाव पर असर डालने की कोशिश कर रहे - एस जयशंकर

आर.एन.एस.

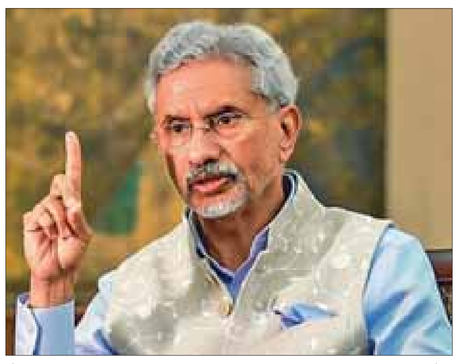

हैदराबाद। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारत की आलोचना करने पर पश्चिमी मीडिया की निंदा की। हैदराबाद में एक कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में जयशंकर ने कहा, पश्चिमी मीडिया भारत के चुनावों में अपने आप को पॉलिटिकल प्लेयर समझती हैं। जयशंकर ने आगे कहा, मैं पश्चिमी मीडिया में भारत के खिलाफ उठने वाली आवाजों से वाकिफ हूं। अगर वो लोकतंत्र की आलोचना करता हैं तो इसकी वजह जानकारी की कमी नहीं है। वे ऐसा करते हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि इसका भारत के चुनाव पर असर पड़ेगा।

जयशंकर ने अपने संबोधन के दौरान विदेशी मीडिया आउटलेट में छपे एक आर्टिकल का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, एक लेख में लिखा था कि भारत में इतनी गर्मी है, वे इस समय चुनाव क्यों करा रहे हैं? इस पर मैं कहना चाहता हूं कि इस गर्मी में भी भारत में जितना मतदान होता है वो आपके सबसे बड़े वोटिंग रिकॉर्ड से भी ज्यादा है। हमारी राजनीति अब वैश्विक स्तर पर पहुंच रही है। विदेशी मीडिया को लगता है कि उन्हें इसमें दखल देने की जरूरत है। अब समय आ गया है कि हम उनका यह भ्रम दूर कर दें। ऐसा सिर्फ आत्मविश्वास के जरिए किया जा सकता है।

ईरान के साथ व्यापार बढ़ाया तो पाक पर प्रतिबंध लगाएंगे - यूएस

आर.एन.एस.

वाशिंगटन। अमेरिका ने पाकिस्तान को ईरान के साथ बिजनेस डील करने को लेकर वॉर्निंग दी है। अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को कहा है कि इसके बदले वो पाकिस्तान पर कई प्रतिबंध लगा सकता है। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता वेदांत पटेल ने कहा, जो भी ईरान के साथ व्यापार करेगा उस पर बैन लगने का खतरा है। हालांकि, पाकिस्तान को अपनी विदेश नीति को लेकर खुद फैसले लेने का हक है।

दरअसल, ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी 22 अप्रैल को 3 दिन के दौरे पर पाकिस्तान पहुंचे थे। पाक पीएम शहबाज शरीफ के साथ बैठक के दौरान दोनों देशों के बीच ट्रेड को 10 अरब डॉलर पहुंचाने पर सहमति बनी थी। इसके अलावा दोनों ने अलग-अलग क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने से जुड़े 8 एमओयू भी साइन किए थे। इससे कुछ दिन पहले अमेरिका ने पाकिस्तान के बैलिस्टिक मिसाइल प्राग्राम के लिए तकनीक और जरूरी सामानों की सप्लाई करने पर चीन की 3 कंपनियों पर बैन लगा दिया था। इसमें बेलारूस की भी एक कंपनी शामिल थी।

मेरी मां का मंगलसूत्र देश पर कुर्बान हुआ पीएम वोट के लिए डरा रहे - प्रियंका गांधी

आर.एन.एस.

बेंगलुरू। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मंगलसूत्र पर बयान पर पलटवार करते हुए कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा, मेरी मां का मंगलसूत्र इस देश को कुर्बान हुआ है। अगर मोदी जी मंगलसूत्र का महत्व समझते तो ऐसी अनैतिक बातें नहीं करते। प्रियंका बेंगलुरु में एक चुनावी जनसभा को संबोधित कर रही थीं। अपने 45 मिनट के भाषण में उन्होंने लॉकडाउन, मणिपुर हिंसा, किसान आंदोलन समेत कई मुद्दों पर सवाल उठाए। प्रधानमंत्री ने राजस्थान की चुनावी रैली में कहा था कि कांग्रेस महिलाओं के गहने और मंगलसूत्र लेकर पैसा ऐसे लोगों में बांट देगी जिनके अधिक बच्चे हैं, जो घुसपैठिए हैं। उन्होंने रविवार (21 अप्रैल) को बासवाड़ा में यह बयान दिया था।

दो दिनों से बहकी-बहकी बातें की जा रही हैं

प्रियंका ने मंगलवार को कर्नाटक में कहा कि पिछले दो दिनों से बहकी-बहकी बातें की जा रही हैं। कहा जा रहा है कि कांग्रेस पार्टी आपका मंगलसूत्र, आपका सोना छीनना चाहती है। 70 सालों से ये देश स्वतंत्र है, 55 साल कांग्रेस की सरकार रही है, क्या किसी ने आपका सोना छीना, आपके मंगलसूत्र छीने। उन्होंने कहा कि जब जंग हुई थी, तब इंदिरा गांधी ने अपना सोना देश को दिया था। मेरी मां का मंगलसूत्र इस देश के लिए कुर्बान हुआ है। मोदी जी अगर मंगलसूत्र का महत्व समझते तो ऐसी अनैतिक बातें नहीं करते। प्रियंका ने कहा कि किसान पर कर्ज चढ़ता है तो उसकी पत्नी अपना मंगलसूत्र गिरवी रखती है। बच्चों की शादी होती है या दवाई की जरूरत होती है तो महिलाएं अपने गहने गिरवी रखती हैं। यह बात ये लोग नहीं समझते।

सैनिक की पत्नी को निर्वस्त्र घुमाया तब मोदीजी चुप थे

प्रियंका ने मणिपुर हिंसा और लॉकडाउन पर कहा, जब मणिपुर में एक सैनिक की पत्नी को निर्वस्त्र करके घुमाया गया तब मोदी जी चुप थे, कुछ नहीं बोले। जब उन्होंने देश में लॉकडाउन लगाया और मजदूर देश भर से यूपी-बिहार और अलग-अलग जगहों के लिए पैदल निकले, जब इन्होंने ट्रेनें-बस बंद कर दीं। जब खाना नहीं मिल रहा था, जब कोई चारा नहीं था, तब महिलाओं ने अपने गहने गिरवी रखे। तब मोदी जी कहां थे?

प्रियंका ने किसान आंदोलन का जिक्र करते हुए कहा, 600 किसान शहीद हुए, उनकी विधवाओं के मंगलसूत्र के बारे में मोदी जी ने नहीं सोचा। आज चुनाव और वोट के लिए महिलाओं को डरा रहे हैं। उनको शर्म आनी चाहिए।

कोटक महिंद्रा बैंक पर नये ग्राहक बनाने पर आरबीआई ने लगाई पाबंदी

डेटा सुरक्षा चिंताओं का दिया हवाला

आर.एन.एस.

नई दिल्ली। डेटा सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए भारतीय रिजर्व बैंक ने कोटक महिंद्रा बैंक को तत्काल प्रभाव से नए ग्राहकों को जोड़ने और नए क्रेडिट कार्ड जारी करने से रोक दिया है। हालांकि, बैंक अपने ग्राहकों को सेवा देना जारी रख सकता है, जिनमें क्रेडिट कार्ड धारक भी शामिल हैं। आरबीआई ने कहा कि यह कार्रवाई वर्ष 2022 और 2023 के लिए रिजर्व बैंक की तरफ से कोटक महिंद्रा बैंक की आईटी जांच से उत्पन्न महत्वपूर्ण चिंताओं और इन चिंताओं को व्यापक और समयबद्ध तरीके से संबोधित करने में कोटक महिंद्रा बैंक की ओर से लगातार विफलता पर आधारित है। आरबीआई की ओर से कहा गया है कि कोटक महिंद्रा बैंक जिस तरह से अपनी आईटी इन्वेंट्री का प्रबंधन करता है और अपने डेटा को सुरक्षित करता है, उसमें गंभीर कमियां थीं। आरबीआई ने कहा, कोटक महिंद्रा बैंक के आईटी इन्वेंट्री प्रबंधन, पैच और परिवर्तन प्रबंधन, उपयोगकर्ता पहुंच प्रबंधन, विक्रेता जोखिम प्रबंधन, डेटा सुरक्षा, डेटा रिसाव रोकथाम रणनीति, व्यापार निरंतरता, आपदा वसूली कठोरता और ड्रिल आदि के क्षेत्रों में गंभीर कमियां और गैर-अनुपालन देखे गए। आरबीआई ने कहा, लगातार दो वर्षों में कोटक महिंद्रा बैंक के आईटी जोखिम और सूचना सुरक्षा प्रशासन में कमी का आकलन किया गया, जो नियामक दिशानिर्देशों के तहत आवश्यकताओं के विपरीत है।

गाजा में मई तक भुखमरी का खतरा, हर घंटे 6 बच्चे जान गंवा रहे - यूएन

आर.एन.एस.

गाजा। इजराइल पर हमास के आतंकी हमले के मंगलवार को 200 दिन हो गए हैं। इजराइल के सैन्य हमलों के बीच गाजा के 23 लाख नागरिकों को हर रोज खाने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। यूएन का कहना है कि गाजा में मई में भुखमरी का खतरा है। सबसे बुरी स्थिति युद्ध के बीच जन्मे बच्चों की है। 17 अप्रैल तक गाजा के अस्पतालों में कुपोषण से 12 साल से कम उम्र के 28 बच्चों की मौत हो गई थी। इनमें एक महीने से कम उम्र वाले 12 बच्चे शामिल थे। इजराइली हमले में अब तक 34 हजार लोगों की मौत हुई है, जबकि 77 हजार से ज्यादा लोग घायल हुए। मृतकों में सबसे ज्यादा 14,500 बच्चे हैं। हर घंटे 15 लोग मारे जा रहे हैं, जिनमें 6 बच्चे शामिल हैं।

7 साल के मुहन्नद अल नज्जर के परिवार को उत्तर गाजा से विस्थापित होकर खान यूनिस में पनाह लेनी पड़ी। रिफ्यूजी कैंप में पैक्ड फूड ही सहारा था। पर्याप्त भोजन नहीं मिलने के कारण वह बीमार हो गया। अब उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसने खाना बंद कर दिया है।

वह दिन में केवल दो कप पानी ही पी पाता है। उसका वजन आधा हो गया है और कंकाल दिखने लगा है। उसकी स्थिति ऐसी है कि उसके हाथ में ड्रिप भी नहीं लगाई जा सकती है, इसलिए पैर की नस के जरिए लिक्विड चढ़ाया जाता है।

भाबरू गांव की पहाड़ियों में लगी आग

3 फायर ब्रिगेड की मदद से पाया काबू, वनस्पति के साथ जीव जंतु झुलसे

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

कोटपूतली । जयपुर दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 48 पर विराटनगर के राजमार्ग के साथ गुजरने वाले भाबरू ग्राम पंचायत में पहाड़ी वन क्षेत्र में अचानक आग लग गई। बुधवार दोपहर बाद 3 बजे के करीब पहाड़ी से धुंआ व आग की लपटें देखकर ग्रामीणों में दहशत का माहौल हो गया। घटना की सूचना वन विभाग एवं प्रशासन को दी गई। घटना की सूचना मिलते ही वनकर्मी मौके पर पहुंचे। घटनास्थल पर नगर पालिका पावटा, विराटनगर और शाहपुरा की फायर ब्रिगेड की गाड़ियां पहुंची। भाबरू वन विभाग के वनपाल धर्मपाल वाल्मीकि ने बताया कि पहाड़ी पर आग लगने के कारण फायर ब्रिगेड कर्मचारी,ग्रामीण एवं वन कर्मियों ने संसाधनों की सहायता से आग बुझाने का प्रयास किया। 1 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद पहाड़ी पर लगी आग पर काबू पाया जा सका। पहाड़ी पर आग लगने के कारण एक हेक्टेयर से अधिक का वन क्षेत्र प्रभावित वहां जहां वनस्पति के साथ जीव जंतु भी झुलस गए। स्थानीय ग्रामीणों ने बार-बार पहाड़ी पर आग लगे की घटना को संदिग्ध मानते हुए प्रशासन द्वारा इसकी जांच करने की भी मांग की है। इस मौके पर सरपंच पति रोशन लाल सैनी,बालाजी सेवा मंडल कोषाध्यक्ष रामकुमार वर्मा,अमरचंद सैनी,सुल्तान सहित ग्रामीण और अग्निशमन विभाग और वन विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे।

पापा से बात करने की जिद कर रही बेटी

कॉन्स्टेबल महिपाल की भाभी बोलीं-अब उसके पिता कहां से आएंगे, कौन बात करवाएगा

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

कोटपूतली । 10 साल की उम्र में पिता का निधन होने के बाद हालातों से संघर्ष किया और राजस्थान पुलिस में कॉन्स्टेबल बने। अब हादसे में उनकी भी मौत हो गई और 10 साल के बेटे के सिर से पिता का साया उठ गया। महिपाल के ड्यूटी पर जाने के बाद 6 साल की बेटी घर में पापा से फोन पर बात करने जिद करती थी। अब वो जिद कर रही है, उसके पापा से कौन बात करवाएगा। उसके पापा कहां से आएंगे।' ये बताते-बताते कॉन्स्टेबल महिपाल के चचेरे भाई की पत्नी उर्मिला रो पड़ी। सीकर के पाटन में 23 अप्रैल को पुलिस की जीप पर पत्थरों से भरा ओवरलोड डंपर पलट गया था। हादसे में जीप में सवार कोटपूतली के गांव सुंदरपुरा के रहने वाले कॉन्स्टेबल महिपाल (38) की मौत हो गई थी। मंगलवार को पैतृक गांव में राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार कर दिया गया। इसी हादसे में हेड कॉन्स्टेबल शीशराम (55) और कॉन्स्टेबल भंवर लाल यादव (52) की भी मौत हो गई थी।

एक दिन पहले छुट्टी लेकर घर आए थे

महिपाल के भतीजे विकास ने बताया कि 21 अप्रैल को एक दिन की छुट्टी लेकर चाचा घर आए थे। उनकी पत्नी ममता देवी के पेट में दर्द की शिकायत थी। ऐसे में 22 अप्रैल की सुबह डॉक्टर के पास जयपुर गए थे तो मुझे साथ में लेकर गए थे। इस दौरान चाचा (महिपाल) ने बेटे की फीस भरने और हॉस्टल में भर्ती कराने को लेकर बात की थी। जयपुर से लौटने के बाद शाम को गांव में दोस्तों से मिलने गए चले गए थे। 23 अप्रैल की सुबह वापस ड्यूटी पर जाते समय बेटे को पढ़ाई करने के लिए बोल कर गए थे। वे बस से रोजाना अप डाउन करते थे।

मासूम को पता ही नहीं पिता लौटकर नहीं आएंगे

महिपाल का बेटा हर्षित पिता को मुखाग्नि देने के बाद भी हादसे बेखबर है। महिपाल की मौत के बाद घर में कोहराम मचा हुआ है। चाचा के घर में चचेरे भाई के साथ बैठे मासूम को पता ही नहीं की उसके पिता अब लौट कर नहीं आएंगे। बेटे हर्षित ने मासूमियत से कहा-पापा सुबह बोल कर गए थे कि स्कूल से आते ही भाई-बहन पहले पूरा होम वर्क करना और धूप कम होने के बाद 6 बजे ही घर से बाहर खेलने के लिए निकलना।

घर में 3 बहनों का इकलौता भाई था महिपाल

महिपाल कसाणा के चचेरे भाई महेंद्र कसाणा ने बताया कि महिपाल तीन बहनों का इकलौता भाई था। उनके पिता लीलाराम का 30 वर्ष पहले बीमारी के कारण निधन हो गया था। घर की जिम्मेदारियों को संभालते हुए बीए तक की पढ़ाई की। 11 साल पहले 2012 में राजस्थान पुलिस में चयनित हुए। महिपाल के परिवार में अब उनकी माता मिश्री देवी, पत्नी ममता देवी सहित बेटा हर्षित (10) और बेटी दिव्यांशी (6) हैं।

22 जनवरी को नए मकान में किया था गृह प्रवेश

महिपाल ने गांव में ही अपने खेत में मकान बनवाया था। राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा वाले दिन ही 22 जनवरी को गृह प्रवेश किया था। सुंदरपुरा गांव से कांसली जाने वाले रास्ते पर स्थित घर के बाहर ही एक मंदिर बना हुआ है, जिसमें उनके दादा की मूर्ति लगी है। यहां राहगीरों के लिए आरओ वाटर कूलर के द्वारा पेयजल की व्यवस्था भी की हुई है।

सैनी विकास संगठन की टीम ने लोकसभा चुनाव प्रचार में लिया भाग

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

कोटपूतली । लोकसभा चुनाव में आदर्श सैनी समाज सैनी विकास संगठन की टीम द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के पुत्र वैभव गहलोत के लोकसभा क्षेत्र सिरोही-जालोर-सांचोर में प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। इस मौके पर सैनी विकास संगठन के अध्यक्ष बबलू बबेरवाल, कुलदीप सैनी, अभय सैनी, पप्पु, संदीप सैनी, गंगाराम सैनी, विक्रम पंवार, अनुभव चंदेल, संदीप सैनी, सीताराम सैनी, अंजली सैनी, मानसिंह सैनी, रामस्वरूप सैनी, मुकेश सैनी, लोकेश वर्मा, प्रदीप यादव, पूनम, रूपेश सैनी, संजय सैनी आदि ने डोर टु डोर जाकर प्रचार किया।

क्षेत्र में घुमने वाले आवारा पशुओं व बंदरों से आमजन की सुरक्षा की मांग

पार्षदों ने नगर परिषद आयुक्त को सौंपा ज्ञापन

कोटपूतली । स्थानीय नगर परिषद के पार्षदों ने क्षेत्र में घुमने वाले आवारा पशुओं व बंदरों से आमजन की सुरक्षा की मांग को लेकर बुधवार को आयुक्त धर्मपाल जाट को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया कि क्षेत्र में घुमने वाले आवारा पशुओं व बंदरों ने आतंक मचा रखा है। इनकी वजह से क्षेत्रवासी शारीरिक रूप से परेशान हो रहे है। वहीं कस्बे के दिल्ली दरवाजा पर कुत्तों का जमावड़ा लगा रहता है, जिनसे भी राहगीरों को परेशानी होती है। इस दौरान पार्षद मनोज गौड़, प्रमोद गुरुजी, लालचंद सैनी, कृष्ण कारोडिया, दीपक कटारिया सहित अन्य मौजूद रहे।

जिला कलक्टर ने किया वन विभाग की साईटों का निरीक्षण

पौधारोपण कर वन्य जीवों के लिए पेयजल उपलब्ध कराने के लिए अधिकारियों को दिये दिशा निर्देश

कोटपूतली । वन विभाग बुचारा वन क्षेत्र को विकसित करने में जुटा हुआ है। पहाड़ों पर प्रस्तावित लेपर्ड सफारी के लिए वन विभाग ग्रेवल सड़कों का कार्य कर रहा है। इस कार्य से वन क्षेत्र विकसित होंगे। जिला कलक्टर कल्पना अग्रवाल द्वारा सभी विभागों की मॉनिटरिंग के तहत वर्ष 2023-24 में कराये गये विकास कार्यों का निरीक्षण किया गया। जिसमें वन विभाग के वन क्षेत्र बुचारा में प्रस्तावित लेपर्ड सफारी बुचारा का निरीक्षण तहसीलदार पावटा प्रवीन सैनी, सहायक वन संरक्षक सुशील चंद्र यादव, क्षेत्रीय वन अधिकारी सतपाल यादव एवं अधीनस्थ वन स्टॉफ के साथ किया गया। वन विभाग द्वारा उक्त क्षेत्र में किये गये वन विकास कार्यों की कलक्टर द्वारा सराहना की गई एवं क्षेत्र में पाये जाने वाले वन्य जीवों को पीने के पानी के बारे में भी चर्चा की गई। क्षेत्र में इस तरह के कार्य करवाये जाये जो भविष्य के लिए अच्छे रहे एवं प्रकृति सन्तुलन बना रहे। इसी के तहत जिला कलक्टर द्वारा पौधारोपण भी किया गया एवं क्षेत्र में विचारित कर रहे वन्य जीवों को निहारा गया।

जिला प्रभारी सचिव शिवप्रसाद नकाते ने जिला कलेक्ट्रेट का किया औचक निरीक्षण

जनता से जुड़े मुद्दों बिजली, पानी, स्वास्थ्य को लेकर दिये विभिन्न दिशा-निर्देश

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

कोटपूतली । कोटपूतली-बहरोड़ जिले के प्रभारी सचिव शिवप्रकाश नकाते ने बुधवार को जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान प्रभारी सचिव ने विभिन्न सैक्शनों में जाकर प्रत्येक सैक्सन के ई फाईलिंग के बारे में विस्तृत जानकारी ली तथा ई-फाईलिंग के डिस्पोजल टाईम को कम करने के निर्देश दिये। उन्होंने जिले में चल रहे विभिन्न मेजर प्रोजेक्ट्स की भौतिक तथा वित्तीय प्रोग्रेस के बारे में जानकारी ली तथा उन्हें तय समय सीमा में पूर्ण करने के लिए दिशा निर्देश दिये।

जिला प्रभारी सचिव शिवप्रसाद नकाते ने जनता से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिये। उन्होंने जिले में पेयजल की वस्तु-स्थिति के बारे में जानकारी ली

तथा जिन ग्राम पंचायतों में टैंकर से पेयजल आपूर्ति के लिए टेंडर नहीं हुए हैं उसके लिए जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव से जिला कलेक्टर द्वारा बात करवाकर वस्तु स्थिति के बारे में जानकारी प्रदान किये जाने तथा जिले में 24 घंटे में एक बार पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने बिजली आपूर्ति को लेकर बिजली की सप्लाई, ट्रिपिंग की समस्या, ट्रांसफार्मर चेंज, घरेलू कनेक्शन, एग्रीकल्चर कनेक्शन इत्यादि के बारे में जानकारी ली तथा बिजली कटौती यदि आवश्यक हो तो अधिकतम 15 से 20 मिनट रात्रि में ही करने के निर्देश दिये। उन्होंने बीडीएम जिला अस्पताल में डायलिसिस मशीन एक सप्ताह में शुरू करवाने, संस्थागत प्रसव की सीएचसी वाईज रिपोर्ट ली तथा प्रगति के लिए निर्देश दिये।

वाहन चालक लाईसेंस व वाहन पंजीयन प्रमाण पत्र स्मार्ट कार्ड के स्थान पर प्रिन्टेबल पीडीएफ फॉरमेट में होगें उपलब्ध

कोटपूतली । परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग द्वारा 01 अप्रैल से वाहन चालक लाईसेंस व वाहन पंजीयन प्रमाण पत्र स्मार्ट कार्ड के स्थान पर प्रिन्टेबल पीडीएफ फॉरमेट में उपलब्ध करवाये जा रहे है। इस कारण 31 मार्च 2024 तक स्मार्ट कार्ड प्रिन्ट करने हेतु विभाग द्वारा ली जा रही 200 रूपये फीस बंद कर दी गई है।

जिला परिवहन अधिकारी अमित शर्मा ने बताया कि जिन आवेदकों द्वारा 01 अप्रैल से पूर्व ड्राईविंग लाईसेंस व वाहन पंजीयन प्रमाण-पत्र के स्मार्ट कार्ड के लिये 200 रूपये फीस राशि ऑनलाईन जमा करवा दी थी एवं आज दिनांक तक उनका आवेदन कार्यालय स्तर पर लम्बित है तो उनको स्मार्ट कार्ड के लिये ली गई 200 रूपये फीस राशि रिफण्ड की जायेगी।

विधिक साक्षरता शिविर में बाल विवाह रोकथाम के संबंध दी जानकारी

हिंदुस्तान एक्सप्रेस

बहरावंडा खुर्द। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर एवं महेंद्र कुमार ढाबी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश सवाई माधोपुर के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर के तत्वावधान में पीएलवी दिनेश कुमार बैरवा के कोसमोस क्लासेस सवाई माधोपुर में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन कर उपस्थित छात्र छात्राओं को बाल विवाह के दुष्परिणाम एवं राष्ट्रीय लोक अदालत के संबंध में जानकारी दी। पीएलवी दिनेश कुमार बैरवा ने बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के तहत 18 वर्ष से कम आयु की लड़की एवं 21 वर्ष से कम आयु के लड़के का विवाह बाल विवाह की श्रेणी में आता है बाल विवाह को सम्पन्न कराने में सहयोग करने एवं उसमें शामिल होने वाले सभी लोग दोषी होते हैं बाल विवाह से कम कम उम्र में मां बनने से जच्चा, बच्चा को जान का खतरा रहता है बच्चे कुपोषण के शिकार हो जाते हैं बाल विवाह कानूनी अपराध होने के साथ साथ सामाजिक बुराई भी है हम सब को अपने आस पड़ोस, रिश्तेदार, परिवार, मोहल्ले, गांव आदि में बाल नही होने देना है एवं होने वाले बाल विवाह की शिकायत कंट्रोल रूम एवं 1098 व 15100 पर सूचित कर बाल विवाह रोकने में अपनी भूमिका निभानी चाहिए। पीएलवी ने आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत दिनांक 11 मई 2024 के बारे में जानकारी देते हुए न्यायालयों में विचाराधीन राजीनामा योग्य मामलों में आपसी समझाइश एवं सहमति से राजीनामा कर प्रकरण का हमेशा के लिए निस्तारण करने हेतु प्रेरित किया गया इस अवसर पर पीएलवी मगनलाल मीणा, संजय बैरवा आदि मौजूद रहें।

अज्ञात बीमारी से 25 बकरियों की मौत, पशुपालकों को सताने लगी चिंता, मुआवजे की मांग की

कोटपूतली । कोटपूतली की लाडाकाबास की ढाणी निमावता वाली में अज्ञात बीमारी से दो दर्जन से अधिक बकरियों की मौत हो गई। क्षेत्र में अचानक बकरियों के मरने की खबर से पशुपालकों को चिंता सताने लगी। गांव के सीताराम मीणा की 25 बकरियों की मौत हो गयी है। बकरियों के मरने की सूचना पर विधायक कुलदीप धनकड़, पूर्व सरपंच मदन यादव, तहसीलदार पावटा प्रवीण सैनी ने मामले की जानकारी ली। वहीं डॉ. नवल पारीक, पशु कंपाउंडर रामसिंह यादव ने मौके पर पहुंचकर पोस्टमॉर्टम किया। पूर्व सरपंच मदन यादव ने पीड़ित पशु पालक को उचित मुआवजा दिलाने की बात कहते हुए कहां कि 25 बकरियां अचानक रात को मर गई। जिससे सीताराम का पूरा बाडा खाली हो गया।

चुनाव प्रक्रिया को सुगमता, निष्पक्षता एवं शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न कराने में दे सहयोग

हिंदुस्तान एक्सप्रेस

सवाई माधोपुर । लोकसभा आम चुनाव 2024 के अन्तर्गत टोंक-सवाई माधोपुर लोकसभा क्षेत्र के लिए 26 अप्रेल को होने वाले मतदान दिवस की प्रक्रिया को निष्पक्षता, स्वतंत्रता, सफलतापूर्वक शांतिपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराने के उद्देश्य से सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय सवाई माधोपुर में बनाए गए एकीकृत चुनाव कन्ट्रोल रूम का सम्भागीय आयुक्त भरतपुर सांवर मल वर्मा एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. खुशाल यादव ने संयुक्त रूप से निरीक्षण किया। सम्भागीय आयुक्त ने कहा कि लोकसभा आम चुनाव को पूर्ण निष्ठा एवं ईमानदारी से सम्पन्न कराने के लिए कटिबद्ध होकर कार्य करें, सभी चुनाव कार्मिक। उन्होंने कहा कि एकीकृत नियंत्रण कक्ष के माध्यम से

मतदान दलों को यथा संभव मार्गदर्शन एवं सहयोग प्रदान करें। उन्होंने कहा कि 25 अप्रेल को मतदान दलों की रवानगी के पश्चात उनके मतदान केन्द्रों पर सुगमता पूर्ण पहुंचने, उनकी आवास, भोजन इत्यादि से संबंधित सभी आवश्यक व्यवस्थाओं की सुनिश्चितता की जाए। अगर किसी मतदान दल को किसी प्रकार की ईवीएम, सुरक्षा, आवास, भोजन, पानी, कानून व्यवस्था के संबंध में समस्या हो तो इसकी तत्काल सूचना एकीकृत कन्ट्रोल रूम के साथ-साथ संबंधित सहायक रिटर्निंग अधिकारी के कन्ट्रोल रूम में दे ताकि उसका तत्काल समाधान कर चुनाव प्रक्रिया को निर्बाध रूप से सम्पन्न कराया जा सकें। उन्होंने कहा कि कन्ट्रोल रूम प्रभारियों को मतदान दलों के दूरभाष पर आने वाले कॉल्स एवं मैसेज का तत्काल जवाब देना सुनिश्चित करें।

इस दौरान सम्भागीय आयुक्त ने सी-विजिल एवं वोटर हैल्पलाईन नंबर 1950 पर प्राप्त होने वाली शिकायतों की जानकारी प्राप्त कर उनके निस्तारण के संबंध में भी अपडेट लिया। इस दौरान मीडिया सेल कार्मिकों को चैनल बदलकर नियमित निगरानी के निर्देश दिए और कहा कि कोई भी सूचना आने पर तुरंत प्रभाव से प्रभारी अधिकारी को सूचित किया जाए।

इस दौरान सहायक कलक्टर यशार्थ शेखर, उप जिला निर्वाचन अधिकारी जगदीश आर्य, एकीकृत नियंत्रण कक्ष प्रभारी अमर सिंह, सहायक प्रभारी लाखन सिंह, उप निदेशक सूचना एवं जनसम्पर्क सवाई माधोपुर हेमन्त सिंह सहित अन्य अधिकारी व प्रकोष्ठो से संबंधित कार्मिक उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की एवं आम सभा हरियाणा स्थित अग्रोहा में 27 एवं 28 अप्रैल को

हिंदुस्तान एक्सप्रेस

सवाई माधोपुर । अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी एवं आम सभा हरियाणा स्थित अग्रोहा में 27 एवं 28 अप्रैल को राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोपाल शरण गर्ग की अध्यक्षता में आयोजित की गई है। बैठक की जानकारी देते हुए अग्रवाल समाज के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अशोक गर्ग ने बताया कि 27 अप्रैल को राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में राष्ट्रीय पदाधिकारी, प्रदेश अध्यक्ष एवं महामंत्री सहित महिला एवं युवा पदाधिकारी एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य सम्मिलित होंगे। 28 अप्रैल को होने वाली आमसभा में अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के सभी आजीवन सदस्य, संरक्षक सदस्य एवं श्री अग्रसेन फाउंडेशन के सभी ट्रस्टी गण को आमंत्रित किया गया है बैठक में अग्रवाल समाज के और अधिक उत्थान एवं भव्य महालक्ष्मी मंदिर के चल रहे हैं।

हनुमान जन्मोत्सव पर निकाली भव्य शोभायात्रा राम- सीता की झाकियां रही मुख्य आकर्षण

जावला। कस्बे में मंगलवार को हनुमान जन्मोत्सव पर सुबह से रात्रि तक बालाजी मंदिरों में पूजा अर्चना ,भजन कीर्तन सहित कई धार्मिक कार्यक्रम हुवे। जावला में बजरंग दल ने शिवालय से लेकर हनुमान धड़ा बालाजी मंदिर तक भव्य शोभायात्रा निकाली शोभायात्रा बस स्टैंड स्थित उमापति महादेव मंदिर से शुरू की गई जो मेहराना मुख्य बाजार से होते हुवे जावला बाजार ,चांडक गली होते हुवे गांव के हर एक गली मोहल्ले होते हुवे हनुमान धड़ा बालाजी मंदिर पहुंची जहा महंत सतीश गिरी महाराज ने शोभायात्रा सहित राम सीता हनुमान की सजी झाकियों की पूजा अर्चना कर स्वागत किया । शोभायात्रा में युवाओं सहित सैकड़ों की तादाद में महिलाओं सहित नन्ही बच्चे -बच्चियां ने भाग लिया ।

चुनाव प्रचार के अंतिम दिन शक्ति प्रदर्शन, सुखबीर सिंह जौनापुरिया के लिए उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी केबिनेट मंत्री किरोड़ी लाल एवं प्रदेश महामंत्री जितेंद्र गोठवाल का भव्य रोड शो

हिंदुस्तान एक्सप्रेस

सवाईमाधोपुर । लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण में प्रचार-प्रसार के अंतिम दिन आज प्रत्याशियों ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। जिला मिडिया प्रभारी सुरेंद्र शर्मा ने बताया की आज सवाईमाधोपुर में उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी केबिनेट मंत्री डा किरोड़ी लाल मीणा, प्रदेश महामंत्री जितेंद्र गोठवाल टोंक सवाई माधोपुर के सांसद सुखबीर सिंह जौनपुरिया भरतपुर संभाग के सह प्रभारी सोमकांत शर्मा, जिला संगठन प्रभारी प्रणवेंद्र शर्मा ,जिला अध्यक्ष सुशील दीक्षित ने मुख्य बाजार में भव्य रोड शो किया। टोंक सवाईमाधोपुर लोकसभा चुनाव में

आज प्रचार के अंतिम दिन डिप्टी सीएम दीया कुमारी सवाईमाधोपुर पहुंची। कार्यक्रम संयोजक देवेंद्र सिंह राठौड़ के अनुसार रोड़ शो के दौरान डिप्टी सीएम दीया ने कहा कि सुखबीर सिंह जौनापुरिया ने पार्टी और लोकसभा क्षेत्र के लिए काफी मेहनत की और उसी के फलस्वरूप उन्हें प्रत्याशी बनाया गया है। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि यहां से जोनापुरिया भारी बहुमत से जीत दर्ज करेंगें। विपक्ष के आरोप पर दीया कुमारी ने कहा कि विपक्ष के पास ना तो कोई एजेंडा है, ना कोई विजन है, ना कोई नीति है, ना कोई नियत है।मोदी का काम और विजन है और उन्होंने गारंटी ली है कि वो भारत को ऊंचे स्तर पर पहुंचाने चाहते है और उस पर काम भी कर रहे है। हमें उम्मीद है कि पिछले बार की तरह इस बार भी टोंक सवाईमाधोपुर से हम भारी मतों से जीत दर्ज करेंगे। कैबिनेट मंत्री डॉ किरोड़ी लाल मीणा ने अपने उत्पादन में कहा कि जिस तरह सवाई माधोपुर की जनता ने मुझे भारी मतों से जीत कर भेजा है उसी तरीके से सुखबीर सिंह जौनपुरिया को 26 तारीख को मतदान करें और डबल इंजन की सरकार बनाने में मदद करें। प्रदेश महामंत्री जितेंद्र गोठवाल ने मोदी की गारंटी और मोदी के कामों को गिनाते हुए जौनपुरिया के लिए वोट मांगे। इस दौरान खंडार कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पूर्व प्रधान गोविंद शुक्ला ने अपने सैकड़ो समर्थकों के साथ भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने उनको पार्टी का दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया।भव्य रोड शो के दौरान सवाई माधोपुर की जनता ने पलक पाँवड़े बिछाते हुए गुलाब के फूलों की पुष्प वर्षा कर सवाई माधोपुर की पूर्व विधायक और वर्तमान उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी जी का ऐतिहासिक स्वागत किया। रोड शो में पूर्व विधायक हंसराज शर्मा, राजस्थान बाल आयोग विभाग की पूर्व अध्यक्ष राज्यमंत्री मनन चतुर्वेदी, प्रधान नरेंद्र चौधरी शशि कला मीणा महामंत्री हरिओम गर्ग चंपालाल मीणा जिला उपाध्यक्ष बालवीर सिंह सतनारायण धाकड़ मीरा सैनी देवेंद्र सिंह राठौड़ जिला मंत्री अलका शर्मा हरिप्रसाद गुप्ता सुरेश जैन कुसतला ,मंडल अध्यक्ष नीलकमल जैन मनीष शर्मा कैलाश मीणा सीताराम गुर्जर श्री चरण महावर महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष आशा शर्मा कमलेश जेलिया बनवारी जाट तनवीर अहमद कपिल जैन सहित भारी संख्या में समर्थक मौजूद रहे।

अचानक जल भवन पहुंचे शासन सचिव, 4 कर्मचारी गायब मिले, सभी को कारण बताओ नोटिस जारी

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। पब्लिक हेल्थ एंड इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट (पीएचईडी) के शासन सचिव डॉ समित शर्मा ने अपने विभाग का दौरा किया। समित शर्मा जयपुर में जलभवन में आज सुबह अचानक औचक निरीक्षण पर पहुंचे। इससे हड़कंप मच गया। इस दौरान 4 कर्मचारी दफ्तर से गायब मिले, जिन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया गया।

दौरे के दौरान शासन सचिव ने सभी चीफ इंजीनियरों और एडिशनल चीफ इंजीनियरों समेत अन्य अधिकारियों के चैम्बर को देखा। यहां उन्हें उच्च स्तर पर अधिकारी उपस्थित मिले। वहीं, जब समित शरमा प्रशासनिक शाखा में पहुंचे तो वहां चार कर्मचारी गायब मिले। उपस्थिति रजिस्टर देखा तो उनके नाम के आगे न तो उपस्थिति दर्ज थी और न ही अनुपस्थिति। इस पर सचिव ने संबंधित शाखा के एचओडी से पूछा कि कर्मचारी आज अवकाश पर है तो एचओडी ने मना कर दिया। इसके बाद सचिव ने सभी गैरमौजूद कर्मचारियों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

तीन दिन पहले 2 इंजीनीयरों को दिए थे 17सीसीए के नोटिस

शासन सचिव डॉ. शर्मा ने तीन दिन पहले शहर के अलग-अलग एरिया में

जाकर पानी की सप्लाई की व्यवस्था का भी औचक निरीक्षण किया था। चारदीवारी के अलावा खो-नागोरियान क्षेत्र में स्थित रामनगर, गोरखनाथ एवं राजहंस कॉलोनियों का दौरा कर वहां पानी की सप्लाई और पानी के प्रेशर की जांच की।

यहां कुछ स्थानीय लोगों ने एईएन-जेईएन की ओर से पानी की पर्याप्त सप्लाई नहीं किए जाने की शिकायत की थी। इस पर डॉ. समित शर्मा ने कार्य में लापरवाही बरतने वाले सहायक अभियंता अभय मीणा और कनिष्ठ अभियंता राशिद खान को 17 सीसीए नियम के तहत नोटिस जारी किए थे।

जयपुर में बस पर पथराव कर शीशे तोड़े, 10 दिन में दूसरी बार किया हमला

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। जयपुर में मंगलवार रात चलती बस पर पथराव कर शीशे तोड़ने का मामला सामने आया है। फ्री टिकट नहीं देने पर 10 दिन में दूसरी बार बस पर हमला किया गया है। हमले में बस कंडक्टर का सिर फूट गया और 4 टांके आए हैं। पीड़ित बस ऑनर ने जालूपुरा थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है। पुलिस वारदातस्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेजों को खंगालने के साथ हमलावरों की तलाश कर रही है।

एएसआई कैलाशचन्द्र ने बताया- सुभाष चौक निवासी विनीत गोयल (45) ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। उन्होंने बताया- वह गोयल ट्रेवल्स के ऑनर है और मोतीलाल अटल रोड पर उनका गोयल ट्रेवल्स के नाम से ऑफिस है। मंगलवार रात करीब 8 बजे उनकी बस राजपूत हॉस्टल के सामने से जा रही थी। इसी दौरान चलती बस पर लड़कों ने अचानक पथराव कर दिया और शीशे तोड़ दिए। पथराव के दौरान एक पत्थर बस कंडक्टर के सिर में आकर लगा। लहूलुहान हालत में कंडक्टर को स्स्स हॉस्पिटल में पहुंचाया, जहां उसके सिर में चार टांके आए हैं।

सिंधी कैंप थाने में हमलावर लड़कों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई गई है।

10 दिन पहले भी तोड़े थे बस के शीशे

पीड़ित ने बताया- 15 अप्रैल को रात करीब 7:30 बजे मोतीलाल अटल रोड स्थित ऑफिस से उनकी बस रवाना हुई थी। गणपति प्लाजा के पास पहुंचते ही करीब 10-12 लड़कों ने चलती बस पर हमला कर दिया। पत्थर फेंक कर बस का सामने और साइड के दो शीशे तोड़ दिए। ड्राइवर-कंडक्टर ने भी बस में छुपकर अपनी जान बचाई थी। विधायकपुरी थाने में हमलावरों के खिलाफ केस दर्ज करवाया गया था।पहली बार बस पर हमला करने से करीब 20 दिन पहले पोलो विक्ट्री स्थित ऑफिस में दो लड़कों ने आकर धमकाया था। वह राजपूत हॉस्टल से है और चित्तौड़ की दो टिकट फ्री देने के लिए धमकी दी थी। टिकट फ्री देने से मना करने पर देख लेने और बस में तोड़फोड़ करने की धमकी देकर चले गए थे।

जैन समाज ने निकाली भगवान महावीर की रथ यात्रा भगवान जिनेंद्र की प्रतिमा का किया जलाभिषेक

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

हिंडौन। श्री महावीर जी के वार्षिक मेले में परंपरा के अनुसार जैन समाज ने भगवान महावीर स्वामी की रथ यात्रा निकाली। जियो और जीने दो के संदेश से विश्व को अहिंसा का पाठ पढ़ा रहे भगवान महावीर के इस दर्शनीय स्थल पर रथ यात्रा में हजारों लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। रथ यात्रा बुधवार दोपहर 2 बजे निकली है।

रथ यात्रा के इस आयोजन में हिंडौन, श्री महावीर जी ही नहीं भारत वर्ष के विभिन्न शहरों से शामिल हुए जैन धर्मावलंबियों ने भाग लिया। रथ यात्रा दिगंबर जैन अतिशय मंदिर से बैंड बाजों के साथ रवाना हुई। जो गंभीर नदी के तट पहुंची। वहां मुकेश जैन शास्त्री ने णमोकार मंत्रों से भगवान महावीर जी की प्रतिमा का जलाभिषेक कराया। भगवान महावीर के जयकारों से क्षेत्र गुंजायमान हो गया। रथ के आगे हवा में लाठियां उछाल कर नाचते ग्रामीण युवाओं की भीड़ से जैन और सर्व समाज के लोग अनूठी परंपरा के साक्षी बने।

श्री महावीर जी के वार्षिक मेले में परंपरा के अनुसार जैन समाज ने भगवान महावीर स्वामी की रथ यात्रा निकाली

रथ यात्रा में हिंडौन एसडीएम हेमराज गुर्जर और मंदिर कमेटी के अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल सारथी के रूप में सवार हुए। रथ यात्रा में इस बार चार जोड़ी बैल मंगवाए गए। मुख्य मंदिर से भगवान महावीर की प्रतिमा का अभिषेक करने के बाद केसरिया वस्त्र पहने,रजत मुकुट लगाए एवं इन्द्रों का रूप धारण किए श्रद्धालु प्रतिमा को मंदिर से पालकी में लेकर आए और सुसज्जित रथ में विराजमान किया।

इस दौरान भगवान महावीर स्वामी की मूर्ति को जमी से निकालने वाले ग्वाले के वर्तमान वंशज का सम्मान किया गया। मुख्य रथ के आगे गज रथ, धर्म चक्र व भट्टारक जी की पालकी चल रही थी। रथ यात्रा में मीना समाज के लोग भगवान को लोक गीतों से रिझाते हुए नाचते गाते रथ के आगे चल रहे थे। इसके बाद गुर्जर समाज के लोग भगवान जिनेंद्र के रथ को मुख्य मंदिर परिसर तक लेकर आए। मुख्य मंदिर में भगवान महावीर स्वामी की मूल नायक प्रतिमा को विराजित करने के बाद रथ यात्रा का समापन हुआ। मंदिर के पंडित मुकेश जैन शास्त्री ने बताया कि मेले के दौरान वैशाख माह की पड़वा को भगवान जिनेंद्र की रथयात्रा में सर्व समाज का सहयोग देखने को मिलता है। यह यात्रा अहिंसा का संदेश देती है। करीब 350 साल पहले बसवा निवासी सेठ अमरचंद बिलाला ने मंदिर का निर्माण करवाया था।

शिक्षा की गुणवत्ता एवं विभागीय योजनाओं की निगरानी के लिए जिला प्रभारी नियुक्त

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। शासन सचिव, स्कूल शिक्षा कृष्ण कुणाल ने आदेश जारी कर शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए संचालित विभिन्न कार्यक्रम एवं महत्वपूर्ण विभागीय योजनाओं की प्रगति तथा शासकीय नीति निर्देशों की क्रियान्विति के सतत् पर्यवेक्षण के लिए प्रशासनिक एवं विभागीय अधिकारियों को जिला प्रभारी नियुक्त किया है। जिला प्रभारी अपने-अपने प्रभारित जिले में प्रतिमाह दो दिवसीय दौरा कर राजकीय विद्यालयों का अवलोकन करेंगे, जिसमें जिले में संचालित एक आवासीय विद्यालय भी शामिल होगा।

विशिष्ट शासन सचिव, स्कूल शिक्षा चित्रा गुप्ता को राजसमन्द, आयुक्त मिड-डे मील विश्व मोहन शर्मा को भरतपुर, निदेशक साक्षरता एवं सतत् शिक्षा विभाग मेघराज रत्नू को झुन्झुनू, संयुक्त शासन सचिव, शिक्षा (ग्रुप-2) मनीष गोयल को जोधपुर, शासन उप सचिव, प्रारम्भिक शिक्षा (संस्थापन) विभाग संजय माथुर को अजमेर, अतिरिक्त राज्य परियोजना निदेशक-प्रथम श्रीमती पूनम प्रसाद सागर को सीकर, अतिरिक्त राज्य परियोजना निदेशक-द्वितीय सुरेश कुमार बुनकर को बांसवाड़ा, अतिरिक्त निदेशक, प्रारम्भिक शिक्षा, आर.एस.चौहान को डूंगरपुर, अतिरिक्त निदेशक, माध्यमिक शिक्षा, प्रतिभा देवठिया को बीकानेर, निदेशक, राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् कविता पाठक को प्रतापगढ़, वित्तीय सलाहकार, राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद् सुशील शर्मा को जैसलमेर, उपायुक्त-राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद् एकता काबरा को बून्दी, उपायुक्त-राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद् श्रीमती निशा को अलवर, उपायुक्त-स्कूल शिक्षा परिषद् सावित्री शर्मा को टोंक, उपायुक्त-स्कूल शिक्षा परिषद् निशु कुमार अग्निहोत्री को बाड़मेर, उपायुक्त-स्कूल शिक्षा परिषद् ओम प्रभा को सवाईमाधोपुर, सचिव, राजस्थान राज्य पाठ्यपुस्तक मण्डल मूलचन्द को जालौर, विशेषाधिकारी, शिक्षा ग्रुप-1 बी.के. गुप्ता को दौसा, अतिरिक्त आयुक्त, मिड डे मील रामस्वरूप मीणा को बारां, मुख्य लेखाधिकारी,

राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् श्रीमती मधु को भीलवाड़ा, उपायुक्त, राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद् रेखा गुर्जर को पाली, अतिरिक्त निदेशक, साक्षरता एवं सतत् शिक्षा स्नेहलता हारित को कोटा, वित्तीय सलाहकार, निदेशालय माध्यमिक शिक्षा राजस्थान बीकानेर संजय धवन को सिरोही, निदेशक, सीमेट, गोनेर रामलाल गुर्जर को झालावाड़ विशेषाधिकारी, माध्यमिक शिक्षा बोर्ड नीतू यादव को नागौर, वरिष्ठ लेखाधिकारी, स्कूल शिक्षा (ग्रुप-5) भावना संतानी को उदयपुर, अनुसंधान अधिकारी, प्रारम्भिक शिक्षा (आयोजना) गिरिराज प्रसाद गुप्ता को चित्तौड़गढ़, ऐसोशिएट प्रोफेसर, सीमेट, गोनेर श्रीमती रचना शर्मा को करौली, ऐसोशिएट प्रोफेसर, सीमैट, गोनेर राधेश्याम शर्मा को चूरू, मुख्य लेखाधिकारी, राजस्थान राज्य पाठ्यपुस्तक मण्डल मनोज गर्वा को धौलपुर, मुख्य लेखाधिकारी, निदेशक प्रारम्भिक शिक्षा राजस्थान कमल कुमार गोयल को श्रीगंगानगर एवं वरिष्ठ लेखाधिकारी, राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद् को हनुमानगढ़ का प्रभारी नियुक्त किया गया है।

जयपुर में दिनदहाड़े अधिकारी से 71 लाख रुपए लूटे, बेसबॉल बैट से सिर और पैर पर किया हमला

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। जयपुर में दिनदहाड़े एक ग्राम विकास अधिकारी (बीडीओ) से 71 लाख रुपए लूट लिए गए। बदमाशों ने बेसबॉल बैट से हमला किया। घटना मुहाना थाना इलाके में मंगलवार शाम करीब छह बजे सुमेर नगर विस्तार के एफ ब्लॉक में अरिहंत रेजिडेंसी के बाहर हुई। जहां ब्लैक स्कॉर्पियो कार में आए 4 बदमाशों ने दूसरी स्कॉर्पियो में सवार पीड़ित देवेन्द्र और उसके भाई राजेश को लूट लिया। बदमाश 71 लाख रुपए से भरे दो बैग लूट ले गए।। पीड़ितों ने 15 मिनट बाद मुहाना पुलिस को घटना की सूचना दी। इसके बाद पुलिस ने शहर व बाहरी इलाकों में नाकाबंदी करवाई। देर रात लूटेरों की कार दूदू के पास हाईवे पर लावारिश हालत में मिली है।

डीसीपी साउथ दिगंत आनंद ने बताया- सीकर निवासी देवेन्द्र जांगिड़ ग्राम विकास अधिकारी हैं। वे अपने छोटे भाई राजेश जांगिड़ के साथ सीकर स्थित 23 बीघा जमीन खरीदने के लिए जयपुर आए थे। दोनों यहां सुमेर नगर निवासी अपने परिचित मनीष जांगिड़ के पास शाम 4 बजे पहुंचे, पर जिन जमीन के खरीदारों से बात चल रही थी, उनसे रेट के इश्यू के कारण सौदा नहीं हो पाया।

सिर पर पैर पर डंडे से किए वार

इसके बाद तीनों ने साथ में सुमेर नगर के आसपास प्रॉपर्टी दलालों से बताचीत कर भूखंड व फ्लैट देखे। प्रॉपर्टी पसंद नहीं आने पर मनीष के घर लौट रहे थे। तभी एफ ब्लॉक सुमेर नगर मंदिर के पास उनकी कार को ब्लैक स्कॉर्पियो में आए बदमाशों ने रोक लिया। उनकी कार पर बेसबॉल बैट से वार कर शीशे तोड़ दिए। घबरा कर देवेंद्र, राजेश व मनीष कार से नीचे उतरे। बदमाशों ने देवेंद्र के पैर और सिर पर डंडे से हमला कर दिया। इसी दौरान दूसरे बदमाश ने देवेंद्र की कार में रखे हुए दोनों बैग अपनी कार में रख लिए। फिर सभी बदमाश भाग गए।

पुलिस का मानना है कि जिन लोगों के साथ प्रॉपर्टी के बारे में बात की गई थी, उन लोगों के साथ डील नहीं होने पर आपसी बहस भी हुई थी। ऐसे में प्रॉपर्टी की डील करने वाले नाराज लोगों ने यह वारदात करवाई होगी। सौदा करने वाली जगह से घटनास्थल महज 500 मीटर की दूरी पर है।

वारदात से पहले काले रंग की स्कार्पियों कार ने सुमेर नगर में 4-5 चक्कर लगाए थे।

एक होटल के सीसीटीवी कैमरे में कार के आगे व पीछे के नंबर अलग-अलग दिखाई दे रहे हैं। पुलिस ने कार के नंबरों को चेक किया तो नंबर ही नहीं मिले। ऐसे में पुलिस का मानना है कि कार पर बदमाशों ने पहले ही दूसरे नंबर लगाए हुए थे। उन्होंने नंबर प्लेट पर लाल पट्टी भी लगा रखी थी। घटनास्थल से 100 मीटर की दूरी पर लोग खड़े थे और वीडियो बना रहे थे, लेकिन बचाव के लिए कोई नहीं आया। डीसीपी साउथ दिगंत आनंद ने बताया- वारदात करने वाली काले रंग की स्कॉर्पियो कार दूदू के पास देर रात मिली। बदमाशों ने कार को हाईवे पर लावारिस छोड़ दिया था। कार के मालिक की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा हैं। जिन लोगों से पीड़ित सौदा करने आए थे उन से भी पूछताछ की जा रही हैं।

हनुमान जी के मंदिर पर भजन संध्या का आयोजन

रूपबास। रूपबास नगर पालिका क्षेत्र के हनुमान जी के मंदिर पर भजन संध्या का आयोजन किया गया। महंत पंडित नैमी चंद शर्मा ने बताया कि रूपबास में हर वर्ष हनुमान जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जाता है और हर वर्ष हनुमान जी की शोभायात्रा निकाली जाती है। लेकिन अबकी बार 23अप्रैल 2024 मंगलवार को ब्याह शादी ज्यादा होने के कारण न तो बैंड बाजे मिल रहे थे और न ही कोई वाहन ही मिल रहे थे इसलिए सभी भक्तजनों द्वारा यह निर्णय किया गया कि अबकी बार शोभायात्रा न निकालकर भजन संध्या का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। हनुमान जी का चोला चढ़ाकर भव्य रूप से मंदिर को सजाया गया तथा छप्पन भोग लगाकर भजन संध्या के बाद प्रसादी वितरण किया गया इस भजन संध्या कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भक्तजन महिला, पुरुष और बच्चों ने भाग लिया तथा भजन संध्या में मंत्रमुग्ध होकर भजनों का आनंद उठाया।

दम्पत्ति ने लगाया मारपीट का आरोप

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

राजाखेड़ा। बुधवार को अम्बरपुर गांव में एक पति पत्नी ने अपने ऊपर हमले का आरोप लगाते हुए राजाखेड़ा थाना में तहरीर दी है। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि बुधवार दोपहर मेरे चाचा की लड़की की शादी थी बारात अम्बरपुर आई थी। मेरे घर लड़की की विदाई कर घर पर सो रहा था। तभी मेरे घर पर राजाखेड़ा से एक ही परिवार के आधा दर्जन से अधिक महिला पुरुष एकत्रित व एकराय होकर आ गए। ये सभी राजाखेड़ा वार्ड नंबर 15 निवासी थे। आते ही मेरे मकान से लूटपाट करना शुरू कर दिया और मारपीट करने के बाद मेरे पिताजी की मारपीट करके घर पर आए रिश्तेदारों के गले की चैन छीन ली। मेरी पत्नी रेशमा बनाम राधेश्याम से सेशन न्यायालय धौलपुर में कैस बिचारा धीन है। उसे लेकर राजीनामा करने के लिए आरोपीगण दबाब बना रहे हैं। ये लोग पुरानी रंजिश के चलते मुझे मारने की धमकीया लगतार दे रहे थे। इन्ही लोगो ने पूर्व में भी राजीनामा का दबाब बनाने के लिए महिला थाना धौलपुर में मुकदमा दर्ज करवाया था जो पुलिस जांच में झूठा पाया गया और अंतिम रिपोर्ट लगा दी गयी। तभी से ये जान से मारने की धमकियां दे रहे है। पुलिस अभी मामले की प्राथमिक जांच कर रही है।

हालात है आपके हाथ

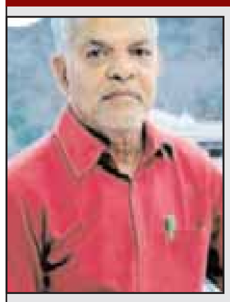

एसकेमंगल

परिस्थितियों को बदलना आपके हाथ की बात नहीं। जो आपके हाथ की बात नहीं है, उसके लिए प्रयत्न करेंगे, तो परेशान होते रहेंगे। घर वालों को आपके आज्ञानुवर्ती बनना चाहिए, यह मतं सोचिए। यह देखिए कि आप उन घरवालों के प्रति अपने कर्तव्यों का पालन कर सकते हैं या नहीं। बस परिस्थितियां आपके अनुकूल बन जाएंगी, यह मत सोचिए। परिस्थितियां कहां बन पाती हैं आदमी की स्थिति के अनुरूप। श्रीकृष्ण भगवान जीवन भर पुरुषार्थ करते रहे, पर परिस्थितियां कहां बनीं उनके साथ में? गृह कलह हुआ और परिवार के सारे लोग मारे गए। अंततः उनको राज-पाट सुदामा के हवाले करना पड़ा। भगवान की परिस्थितियां अनुकूल नहीं हुई और आप देखते हैं कि हमारी मनोकामना पूरी हो जाएगी। बूढ़े से जवान हो जाएं यह आपके हाथ की बात नहीं। यह शरीर प्रकृति का बनाया है और प्रकृति उसकी मालिक है। वह जब चाहती है, पैदा करती है और जब चाहती है, समेट लेती है। आप प्रकृति के मालिक हैं क्या? बुढ़ापे को जवानी में बदल सकते हैं

क्या मौत को जिंदगी में बदल सकते हैं क्या? आदमी की सीमा है। आप उसी सीमा की बात कीजिए, तो पूरा होना संभव है। असीम बातों को सोचेंगे, तो सिवाय परेशानी के आपके पल्ले कुछ पड़ने वाला नहीं। जो संभव है, उसी में हाथ डालें। आपके हाथों में यह संभव है कि अपने मन को बदल दें। अपने सोचने के तरीके को बदल दें, अपने स्वभाव को बदल दें. यह आपके लिए बिल्कुल संभव है। अब तक तो आपकी जिंदगी में दो काम शामिल रहे हैं। एक पेट भरना। दूसरा प्रजनन। शादी कर लेना, ढेरों बच्चे पैदा करना और उनके वजन को कंधे पर उठाना। उस भारी वजन को उठाने के लिए उचित और अनुचित काम करते रहना।

दिन और रात चिंता में डूबे रहना। इन दो कामों के अलावा और आपने क्या काम कर दिया? तीसरा एक और काम अहंकार पूर्ति के लिए किया होगा। ठाठ-बाट बनाने के लिए लोगों की आंखों में चकाचौंध पैदा करने के लिए कुछ ऐसे काम किए हों, जिससे आपको बड़प्पन का आभास होता हो। आंखों में चमक तो कोई भी पैदा कर सकता है। चमक तो तस्वीरें और मूर्तियां भी पैदा कर लेती हैं।

जयपुर के बिल्डर से 50 लाख मांगने वाली गैंग गिरफ्तार, बिजनेस पार्टनर ने ही दी धमकी

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। जयपुर में बिल्डर को वॉट्सऐप कॉल कर 50 लाख रुपए की मांग करने वाली गैंग को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मानसरोवर थाना पुलिस ने गैंग के मुख्य आरोपी ऋषभ शर्मा (27) सहित चार को गिरफ्तार किया है। ऋषभ शर्मा मध्यप्रदेश के गोसलपुरा में फायरिंग का भी आरोपी है। पूछताछ में सामने आया कि ये गैंग फर्जी सिम लेकर जयपुर के बिजनेसमैन की धमकी दे रही थी। ऋषभ शर्मा पीड़ित बिल्डर का पार्टनर भी रही चुका है। एसीपी मानसरोवर संजय शर्मा ने बताया- 15 अप्रैल को बिल्डर योगेश सैनी के मोबाइल पर वॉट्सऐप कॉल आया था। इसमें बदमाशों ने उसे जान से मारने की धमकी दी। 50 लाख रुपए की मांग की थी। इस पर पीड़ित ने मानसरोवर थाने में एफआईआर दर्ज कराई।

ऐसे पकड़े गए आरोपी

घटना की गम्भीरता को देखते हुए साइबर सेल के कॉन्स्टेबल राकेश ने वर्चुअल नंबर के आईपी एड्रेस को ट्रेस किया। वर्चुअल नंबर में जिस आईपी एड्रेस पर उपयोग किया गया। उस मोबाइल की सिम की लोकेशन ट्रेस की गई। जो हिमाचल प्रदेश के शिमला की थी। जिस पर एएसआई रामवीर और उनकी टीम को शिमला रवाना किया गया। यहां आरोपी ऋषभ शर्मा, उसके सहयोगी शिवम जांगिड़ (22), दीपक कुमार आल्हा (21) को पकड़ा गया। वहीं, एक अन्य आरोपी विंकल अरोड़ा को जयपुर से गिरफ्तार किया गया। चारों बदमाशों ने अपना गुनाह कबूल किया।

जयपुर में रह रहा था आरोपी

पूछताछ में सामने आया कि गिरफ्तार आरोपी ऋषभ फायरिंग के मामले फरार है। जो जयपुर में अन्य आरोपी राज सिसोदिया, विंकल अरोड़ा के पास रहकर फरारी काट रहा था। राज सिसोदिया और विकल अरोड़ा ने ही ऋषभ शर्मा को धमकी देकर फिरोती मांगने के लिए कहा था। ऋषभ शर्मा तैयार हो गया। इसके बाद आरोपी ऋषभ शर्मा, राज सिसोदिया, विंकल अरोड़ा ने जयपुर में पैसे वालों को धमकी देने की योजना बनाई। आरोपी विंकल अरोड़ा को जयपुर के पैसे वाले लोगो की जानकारी व नम्बर उपलब्ध करवाने का काम दिया गया। आरोपी राज सिसोदिया व ऋषभ शर्मा ने फर्जी सिम का इंतजाम करने की प्लानिंग की। इसके लिए आरोपी राज सिसोदिया व ऋषभ शर्मा ने अपने जानकार जांगिड़ व दीपक आल्हा से सम्पर्क कर योजना के बारे में बताया। शिवम जांगिड़ ने दीपक आल्हा ने नाम से सिम राज सिसोदिया व ऋषभ शर्मा को उपलब्ध करवा दी। इसके बाद ऋषभ शर्मा विंकल अरोड़ा के प्रोप्टी के ऑफिस में बैठकर पैसे वाले लोगों को धमकी देता था।

समीक्षा बैठक-समग्र शिक्षा, शिक्षा में गुणवत्ता एवं समय सीमा पर करें फोकस - आयुक्त, स्कूल शिक्षा परिषद्

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। राज्य परियोजना निदेशक एवं आयुक्त, राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद् अविचल चतुर्वेदी ने कहा कि शिक्षा में गुणवत्ता एवं कार्यों की समय सीमा का ध्यान रखें तथा शिक्षा निदेशालय सहित अन्य प्रकोष्ठों से समन्वय से कार्य करें। चतुर्वेदी बुधवार को शिक्षा संकुल में समग्र शिक्षा एवं स्टार्स परियोजना के अंतर्गत संचालित विभिन्न गतिविधियों के भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्यों की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने समय पर कार्यालयों में उपस्थित होने तथा ई-फाइल समय पर निस्तारित करने के निर्देश दिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि कोई भी पत्रावली बिना कारण के लम्बित नहीं रहे। विद्यालयों के निरीक्षण के दौरान नवाचार एवं कमजोर पक्ष की भी रिपोर्ट करें। विद्यार्थी डायरी की गुणवत्ता ठीक हो तथा समय पर वितरण सुनिश्चित करें। विद्यालयों में खेल सामग्री की भी खरीद मॉनिटरिंग करें।

शिक्षकों के क्षमता संवर्द्धन व प्रशिक्षण के लिए आर.ई.आई. पार्टनर्स के साथ समन्वय स्थापित कर संसाधन बढ़ाए जाए। विद्यार्थियों की प्रदेश व अन्य प्रदेशों की एक्सपोजर विजिट को प्रभावी एवं रूचिकर बनाने के लिए मार्ग में पड़ने वाले विशेष स्थानों तथा यात्रा स्थल के बारे में विस्तृत जानकारी दी जाए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति का विद्यार्थियों के अक्षर ज्ञान एवं संख्या ज्ञान पर विशेष फोकस है, इसलिए बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान कार्यक्रम के लिए विशेष कार्य योजना बनाकर कार्य किया जाए। बैठक में अतिरिक्त परियोजना निदेशक पूनम प्रसाद सागर, सुरेश कुमार बुनकर सहित उपायुक्त, उप निदेशक एवं सहायक निदेशक उपस्थित रहे।

गांव घाटा में ग्रामीणों ने पानी की समस्या को लेकर लगाया जाम, विधायक के आश्वासन पर खोला जाम

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

रूपवास। गांव घाटा में चंबल के नलों में 8 दिन से पानी नहीं आने पर ग्रामीणों ने विरोध करते हुए सड़क जाम कर दिया।इसके बाद मौके पर पहुंची विधायक डॉ ऋतु बनावत ने ग्रामीणों की समस्या सुनकर चंबल परियोजना के अधिकारियों को फोन कर मौके पर बुलवा लिया। इस दौरान ग्रामीण नारेबाजी करने लग गये। गर्मी में पीने का पानी कुएं ट्यूबवेल से लाने का रोना रोने लगे। इस पर विधायक ने जल्द ही पानी की समस्या का निदान करने की बात कहते हुए मौके पर पहुचे चंबल परियोजना के अधिकारियों को अभी से नल चालू करने की बात कही। इस आश्वासन के बाद ग्रामीणों ने जाम खोला ।

वहीं सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर गहनोली मोड़ थाना पुलिस के हेडकांस्टेबल जितेंद्र सिंह, कांस्टेबल धर्मेंद्र सिंह व नरेंद्र सिंह सहित सरपंच निहाल सिंह मौके पर पहुंचे।

संपादकीय

सेहत सुरक्षा-कवच

भारत जैसे देश में जहां सेवानिवृत्त लोगों व बुजुर्गों के लिये पश्चिमी देशों की तरह चिकित्सा सुविधाओं का कवच नहीं है, वहां लोगों की अंतिम उम्मीद खुद खरीदी गई बीमा पॉलिसियों पर टिक जाती है। लेकिन बीमा कंपनियों के निरंकुश व्यवहार और उपचार के बाद बिलों के भुगतान में किंतु-परंतु के चलते वृद्धों को यह भरोसा नहीं होता कि बीमा कंपनियां उनके उपचार का पूरा पैसा उपलब्ध करा देंगी। बहरहाल, स्वास्थ्य सेवा तंत्र को अधिक समावेशी और सर्वसुलभ बनाने की दिशा में भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण यानी आईआरडीएआई ने स्वास्थ्य बीमा खरीदने वाले व्यक्तियों के लिये 65 वर्ष की आयु सीमा को हटा दिया है। हाल ही में एक अधिसूचना में बीमा नियामक ने बीमाकर्ताओं को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि वे सभी आयु समूहों के लिये उपयोगी स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी पेश करें। अकसर देखा गया है कि बीमा कंपनियां व एजेंट अधिक उम्र वाले लोगों को तब जीवन रक्षक पॉलिसी देने से मना कर देते हैं जब उनको इसकी जरूरत होती है। इतनी ही नहीं कंपनी के हित में बनायी गई पुरानी नीतियों के आधार पर कई दावों को खारिज कर दिया जाता है। बीमा नियामक द्वारा बीमा कंपनियों को पहले से निर्धारित स्थितियों के आधार पर दावों को खारिज करने से रोका गया है। बीमा नियामक ने कहा है कि बीमाकर्ता अब कैंसर, हृदय रोग व गुर्दे के काम न करने पर, एड्स जैसी गंभीर चिकित्सा स्थितियों वाले व्यक्तियों को पॉलिसी जारी करने से इनकार नहीं कर सकते। निश्चित रूप से यह तार्किक स्थिति है कि सेवानिवृत्ति के बाद आय के साधन सिमटने, शरीर द्वारा साथ न देने व अपनों का साथ छूटने से लाचार व्यक्ति को उपचार के लिये अब चिकित्सा बीमा कवच मिल सकेगा। निस्संदेह, इस तरह के कई गंभीर रोगों से ग्रस्त लोग चिकित्सा बीमा न मिल पाने की स्थिति में गरीबी की दलदल में फंस जाते हैं। कोरोना संकट के दौरान कई परिवारों ने गरीबी के दुश्चक्र में फंसने के मामले सामने आए हैं।

निश्चित रूप से बीमा नियामक की यह पहल वक्त की जरूरत के हिसाब से एक कल्याणकारी व्यवस्था की तरफ बढ़ा कदम है। यदि बुजुर्गों को बीमा सुविधा मिलने लगेगी तो वे अप्रत्याशित चिकित्सा खर्चों के झटकों को झेलने के लिये पहले से ही बेहतर तैयारी कर सकते हैं। निश्चित रूप से यह सुविधा उस देश के लिये बदलावकारी हो सकती है जहां कि युवा आबादी बुजुर्ग आबादी की दिशा में बढ़ रही है। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष के अनुसार वर्ष 2050 तक वरिष्ठ नागरिकों की संख्या देश की कुल आबादी की बीस प्रतिशत से अधिक होने का अनुमान है। ऐसे में बेहतर जीवन प्रत्याशा हेतु और महिलाओं की सेहत हेतु स्वास्थ्य बीमा का खासा प्रभाव हो सकता है। लेकिन इस बात में दो राय नहीं कि बीमा उत्पादों को उपभोक्ता-अनुकूल बनाने की सख्त जरूरत है। दरअसल, आम उपभोक्ता शब्दजाल और बीमा पॉलिसियों की जटिलताओं के कारण बीमा उत्पादों को खरीदने से संकोच करते हैं। कई अस्पष्टताएं व किंतु-परंतु पॉलिसीधारक के मन में संदेह और अनिश्चितता उत्पन्न करते हैं। वहीं दूसरी तरफ लाभों व जोखिमों के बारे में गलत सूचना या अपर्याप्त जानकारी उपभोक्ताओं के शोषण व परेशानी का सबब बनती है। इसलिये जरूरी है कि ग्राहकों का विश्वास हासिल करने के लिये पारदर्शी व परेशानी मुक्त दावा निपटान की व्यवस्था हो। इसके साथ ही बीमा भुगतान से जुड़ी धांधलियों पर अंकुश लगाने के लिए मजबूत तंत्र बनाया जाए। वर्ष 2023 में किये गए एक सर्वेक्षण के अनुसार लगभग साठ फीसदी भारतीय बीमा कंपनियों में धोखाधड़ी के मामलों में तेजी से वृद्धि देखी गई है। खासकर जीवन और स्वास्थ्य बीमा के क्षेत्र में। जिसके नियमन के लिये- झूठे दावे करने, प्रदान की गई सेवाओं के लिये शुल्क बढ़ाने और चिकित्सकीय रूप से अनावश्यक सेवाओं के लिये बिलिंग करना जैसी अनियमितताओं पर अंकुश लगाने की जरूरत है। जिसके लिये एक कुशल निगरानी तंत्र बनाना भी आवश्यक है।

जलवायु संकट से जीवन रक्षा का अधिकार

वर्ष 2005 में केंद्रीय सरकार द्वारा प्रदत्त धन से पर्यावरण संबंधित प्रभावों पर एक अध्ययन हुआ था। इसके उद्देश्यों में योजनाएं एवं निवारण कार्यक्रम का सुझाव देने के अलावा जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से बनी स्थिति में राहत उपाय (सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण, वानिकी, चक्रवात शरणस्थली) की शिनाख्त करना और उन पर होने वाले खर्च का अनुमान देना था। इसके निष्कर्ष चौंकाने वाले थे, भारत के सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 1.8 प्रतिशत इस किस्म के कार्यक्रमों के ऊपर खर्च हुआ था, यह व्यय भारत के रक्षा बजट जितना था। हो सकता है बाद में यह मात्रा और बढ़ गई हो।

सर्वोच्च न्यायालय ने हाल ही में संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार) और अनुच्छेद 21 (जीवन एवं आजादी की सुरक्षा) के दायरे को विस्तार देते हुए स्वतंत्रता के अधिकार या जलवायु परिवर्तन के विपरीत प्रभावों से सुरक्षा की आजादी को मान्यता दी है। सर्वप्रथम तो यह स्पष्ट हो कि आखिर 'अधिकार' का अर्थ क्या है। 'अधिकार' किसी व्यक्ति अथवा समूह द्वारा किया वह दावा है (जैसे कि महिला, एलजीबीटीक्यूआईए इत्यादि) जिसकी अहमियत इसकी कीमतों और फायदों से कहीं ऊपर होती है। उदाहरणार्थ, एक पुलिसकर्मी यह दलील नहीं दे सकता कि किसी विधवा के यहां हुई चोरी को सुलझाने में जो वक्त और पैसा लगेगा यदि वह चोरी हुए माल या धन से अधिक है तो उसकी शिकायत पर कार्रवाई करने का क्या औचित्य। दूसरा, अधिकार में सामान्यतः फर्ज भी निहित होता हैङ्क किसी व्यक्ति, संस्थान अथवा सरकार काङ्क ताकि दावा सही लगे।

विभिन्न गैसों के वैश्विक उत्सर्जन, जिसको ग्रीन हाउस गैस भी कहा जाता है, इनकी वजह से जलवायु परिवर्तन हो रहा है। ऐसे प्रभाव का विकासशील मुल्कों के अपने उत्सर्जन से संबंध कम ही है। इनकी सरकारें अपने तौर पर वैश्विक स्तर के ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन को सीमित करने में कुछ अधिक नहीं कर सकतीं। इसके लिए अंतर्राष्ट्रीय सर्वसम्मति की जरूरत है, इस दिशा में अपेक्षित चाल 1992 से ही धीमी है, जब संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेन्शन ऑन क्लाइमेट चेंज (यूएनएफसीसीसी) नामक प्रस्ताव अपनाया गया था।

यूएनएफसीसीसी मानता है कि जलवायु परिवर्तन के कारकों को थामने, उत्सर्जन घटाने और प्रभावों को कम करने में विकसित मुल्कों के पास अधिक क्षमता है, इसे 'सामान्य किंतु अंतर लाने वाली जिम्मेवारी' नामक सिद्धांत के तौर पर जाना जाता है। पेरिस संधि-2015 के ध्येयों पर अमल फिलहाल शोचनीय रूप से बहुत कम है, जिसके अंतर्गत वैश्विक औसत तापमान में बढ़ोतरी स्वीकार्य सीमा 1.5 डिग्री सेल्सियस के भीतर बनाए रखना है। लेकिन यह न होने पर, वास्तविक धरातल पर इसके प्रभाव स्वरूप मौसम में तीव्र बदलाव बढ़ते जा रहे हैं।

इन परिस्थितियों में, क्योंकि पर्यावरणीय बदलाव भारत पर भी प्रभाव पड़ रहे हैं और अधिकांशतः इसके पीछे जिम्मेवार विकसित देशों के कारनामे हैं, क्या एक आम नागरिक इस जलवायु परिवर्तन से आजादी का हक पाने का दावा कर सकता है? तर्क के आधार कर कहें तो समस्या का मुख्य जिम्मेवार विकसित देशों का समूह है।

अब तक, अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण परिवर्तन संधियां विकासशील राष्ट्रों को सुधारक उपाय अपनाने के हेतु बहुत कम धन उपलब्ध करवा पाई हैं। इसलिए, तो क्या सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का अर्थ है कि लागत चाहे कितनी भी हो, भारतीय सरकार को पर्यावरण में सुधार के उपाय करने ही होंगे?

इस अधिकार की अन्य अवधारणा है स्वतंत्रता का अधिकार बनाम भलाई का अधिकार। जीवन का अधिकार, अभिव्यक्ति की आज़ादी इत्यादि स्वतंत्रता के अधिकार में आते हैं। शिक्षा का अधिकार, जलवायु परिवर्तन से निजात के अधिकार सहित साफ-सुथरा पर्यावरण पाने के हक को भलाई अधिकारों में गिना जाता है। स्वतंत्रता अधिकार में केवल जरूरत है अन्य कोई इनका उल्लंघन न करने पाए जबकि भलाई अधिकार वह हैं जिसकी प्राप्ति करने में तदनुरूप कर्तव्यों पर उद्देश्यपूर्ण कार्रवाई की जरूरत होती है। स्वतंत्रता अधिकारों को लागू करने में अधिकांशतः बहुत ज्यादा कीमत नहीं लगती। लेकिन, कल्याण अधिकारों को मूर्त रूप देने में सामान्यतः बहुत बड़े स्तर पर संसाधनों की आवश्यकता पड़ती है। किंतु जब संसाधन पहले से कम पड़ते हों, जैसा कि विकासशील मुल्कों में होता है, तब चुनाव करते वक्त विभिन्न अन्य कल्याण अधिकारों को तरजीह देनी पड़ती है।

अनेक अध्ययन दर्शाते हैं कि जलवायु परिवर्तन के प्रभाव कम करने में बहुत ज्यादा धन की जरूरत पड़ती है। विकसित देशों की ओर से विशाल मात्रा में अंतर्राष्ट्रीय मदद राशि की अनुपस्थिति के मायने हैं कि भारत सरकार को अपने संसाधन जुटाकर इस समस्या का हल निकालना पड़ेगा। अगर सरकार को अन्य विभिन्न कल्याण अधिकार भी सुनिश्चित करने हैं तो सीमित संसाधनों के चलते प्रत्येक मामले में प्राप्ति आंशिक ही होगी। लगातार बदलते अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण परिवर्तन नियमों के तहत पर्यावरण अधिकार की संपूर्ण प्राप्ति को जरूरत है विकसित देशों से नवीन एवं अतिरिक्त संसाधन विकासशील मुल्कों को दिए जाने की। लेकिन इस किस्म के संसाधन मिलने की संभावना बहुत क्षीण है।

वर्ष 2005 में केंद्रीय सरकार द्वारा प्रदत्त धन से पर्यावरण संबंधित प्रभावों पर एक अध्ययन हुआ था। इसके उद्देश्यों में योजनाएं एवं निवारण कार्यक्रम का सुझाव देने के अलावा जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से बनी स्थिति में राहत उपाय (सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण, वानिकी, चक्रवात शरणस्थली) की शिनाख्त करना और उन पर होने वाले खर्च का अनुमान देना था। इसके निष्कर्ष चौंकाने वाले थे, भारत के सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 1.8 प्रतिशत इस किस्म के कार्यक्रमों के ऊपर खर्च हुआ था, यह व्यय भारत के रक्षा बजट जितना था। हो सकता है बाद में यह मात्रा और बढ़ गई हो।

अतएव, क्या जलवायु परिवर्तन से आजादी के अधिकार को मान्यता देने की व्यावहारिकता में काफी उलझने हैं? साफ तौर पर, बाहरी स्त्रोतों का प्रभाव, यदि कोई है, तो वह बहुत कम होगा। जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का जोखिम कम करने में होने वाले खर्च के ऐतिहासिक स्तर के मद्देनज़र लगता नहीं कि जलवायु परिवर्तन अधिकार को मूर्त रूप देने के लिए सकल घरेलू उत्पाद के अंश में बढ़ोतरी करने की गुंजाइश है।

तथापि, जैसा कि देश की अर्थव्यवस्था में वृद्धि हो रही है, समस्त संसाधनों का स्तर भी बढ़ेगा। साथ ही, नागरिकों की आय बढ़ने पर, वे जलवायु प्रभाव के परिणामों से बचने को निजी तौर पर अधिक खर्च कर पाएंगे, मसलन, सुरक्षित आवास, स्वास्थ्य देखभाल पर अधिक खर्च, जल-संचयन और अतिशयी आपदाओं के संदर्भ में बीमा करवाना इत्यादि। कुल मिलाकर, जैसे-जैसे देश की अर्थव्यवस्था में वृद्धि होगी वैसे-वैसे जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से नागरिकों का जोखिम कम होता जाएगा। इस असर से मुक्ति पाने में विकास एक चाबी है। कदाचित सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का मुख्य आशय जलवायु संबंधी जोखिमों से बचाव करने पर खर्च में कटौती की भावी संभावना को खत्म करना है।

सर्वोच्च न्यायालय का फैसला उस याचिका के संदर्भ में आया है जिसमें राजस्थान और गुजरात में संकटग्रस्त ग्रेट इंडियन बस्टर्ड (तिलोर) पक्षी के अभयारण्य स्थल से होकर गुजरने वाली अक्षय ऊर्जा की बिजली तारों को जमीन के नीचे डालने का फैसला देने के खिलाफ अपील लगाई गई थी। ऊंचे खम्भों के माध्यम से लगी बिजली आपूर्ति तारों से टकरा कर बड़ी संख्या में पक्षी मारे जाते हैं। बिजली कंपनियों की दलील है कि इसमें बहुत खर्च आएगा और अक्षय ऊर्जा की दरें प्रतिस्पर्धात्मक नहीं रहेंगी।

आज का इतिहास

- वाइप्रेस शहर पर फ्रांसीसी सेना ने 1678 में कब्जा कर लिया।
- जापान की राजधानी टोक्यो में 1867 में विदेशी व्यापार की अनुमति दी गई।
- दक्षिण अफ्रीका में 1905 को श्वेतों को मताधिकार मिला।
- पॉल वोन हिंडनबर्ग 1925 को जर्मनी के राष्ट्रपति चुने गये।
- बेल लैब्स ने 1954 में न्यूयार्क में पहली बार सोलर बैटरी बनाने की घोषणा की।
- सोडियम परमाणु रिएक्टर 1957 में पहली बार प्रायोगिक तौर पर संचालित किया गया।
- तत्कालीन सोवियत रूस ने 1975 में भूमिगत परमाणु परीक्षण किया।
- जापान के सुरूगा में 1981 में एक परमाणु ऊर्जा संयंत्र में मरम्मत कार्य के दौरान 100 से अधिक मजदूर परमाणु विकिरण का शिकार हो गये।
- दिल्ली में टेलीविजन पर पहली बार रंगीन प्रसारण की 1982 में शुरुआत हुई।
- जर्मन पत्रिका 'स्टर्न' ने 1983 में हिटलर की विवादास्पद डायरी की पहली किस्त छापी थी।
- जापान में 2005 में हुई एक रेल दुर्घटना में तक़रीबन 100 लोगों की जान गई।
- विरला इंस्टीट्यूट आफ़ टेक्नोलॉजी एंड साइंसेज का नया परिसर 2007 में पनामा (बहरीन) में खुला।
- बालीवुड के प्रसिद्ध कलाकार व निर्देशक आमिर खान को 2008 को सिनेमा के क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण योगदान के लिए मास्टर दीनानाथ मंगेशकर स्मृति प्रतिष्ठान का विशेष पुरस्कार प्रदान किया गया।
- दक्षिण अमेरिकी राज्य मिसीसिपी में 2010 में आए तूफान के कारण तीन बच्चों सहित दस लोगों की मौत हो गई।
- भारतीय नौसेना ने 2010 में पुराने हो चुके चेतक हेलीकाप्टरों की जगह नए लाइट यूटिलिटी हेलीकाप्टर (एलयूएच) खरीदने की प्रक्रिया शुरू की।
- ब्रिटेन ने 2013 में सोमालिया में अपना दूतावास 22 वर्षों के अंतराल के बाद पुन- खोला।
- रूस के रामेन्स्की में 2013 में एक अस्पताल में लगी भीषण आग में 38 लोग मारे गए।
- भारत के प्रसिद्ध फ़ुटबॉल खिलाड़ी आई. एम. विजयन का 1969 में जन्म हुआ।
- साहित्यकार चन्द्रबली पाण्डेय का 1904 में जन्म हुआ।
- संयुक्त राष्ट्र के प्रथम महासचिव के चुनाव तक कार्यवाहक महासचिव ग्लेडविन जेब का 1900 में जन्म हुआ।
- दक्षिण अफ्रीका के टेनिस खिलाड़ी जैफ कोएत्ज़ी का 1977 में जन्म हुआ।
- 2005 में भारतीय संत स्वामी रंगनाथनंदा का निधन।
- 2000 में भारतीय हिन्दी फ़िल्मों के सुप्रसिद्ध कथा, पटकथा और कहानी लेखक पण्डित मुखराम शर्मा का निधन।

राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के इर्द-गिर्द घूमता चुनाव प्रचार

आम चुनाव में पहले चरण का मतदान हो चुका है। चुनावी मंचों से मुद्दे गायब हैं। असल में इस चुनाव में राजनीतिक दलों ने कोई मुद्दा तय ही नहीं किया। अलग-अलग क्षेत्रों में राज्यों के साथ ही लोकसभा चुनाव तक में अलग-अलग मुद्दे दिख रहे हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव में मुद्दों का यह बिखराव क्या असर डालेगा? अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग मुद्दे दिखाई दे रहे हैं। असल में इस बार का आम चुनाव वादों और दावों की जगह गारंटी और भरोसे का है। हालांकि पहले चरण का मतदान बेहद सुस्त रहा है। अभी चुनाव के छह चरण बाकी हैं, इसके बावजूद केंद्रीय मुद्दों और प्रभावी नारों के अभाव में चुनाव प्रचार में उफान नहीं दिख रहा। शांत मतदाता न तो गारंटी की ओर भरोसे से देख रहे हैं और न ही भरोसे पर गारंटी देने का संकेत दे रहे हैं। न तो किसी मुद्दा विशेष पर देश में बहस छिड़ी है और न ही कोई ऐसा नारा है, जो लोगों की जुबान पर चढ़ा हो।

2019 का आम चुनाव इस चुनाव से बिल्कुल अलग था। चुनाव की अधिसूचना जारी होने से पूर्व ही सियासी मैदान भ्रष्टाचार बनाम राष्ट्रवाद का रूप ले चुका था। कांग्रेस नेता राहुल गांधी राफेल सौदे में भ्रष्टाचार का आरोप लगा कर चैकीदार चोर है, के नारे लगवा रहे थे, जबकि भाजपा पुलवामा आतंकी हमले के जवाब में पाकिस्तान के खिलाफ हुई एयर स्ट्राइक को मोदी है तो मुमकिन है नारा लगा रही थी। राफेल मामले में पीएम पर व्यक्तिगत हमले को भाजपा गरीब पर हमले से जोड़ रही थी। इन दोनों ही मुद्दों पर तब राष्ट्रव्यापी चर्चा शुरू हो चुकी थी।

असल में इस चुनाव में यह नहीं कहा जा सकता है कि हर जगह एक ही मुद्दा चल रहा है। कहीं जाति की बात हो रही है तो कहीं रोजगार की बात हो रही है। सनातन की बात भी कई मतदाता कर रहे हैं। दक्षिण भारत के मुद्दे कुछ अलग हैं और वहां के मुद्दे अलग ढंग से उठाए गए हैं। इसी तरह नॉर्थ ईस्ट के मुद्दे अलग हैं। महिलाओं की जहां तक बात है तो उन्हें यह चाहिए कि उनके लिए क्या-क्या किया गया यह भी मुद्दा है। मुद्दे बनाना विपक्ष का काम होता है। सरकार ये कहती है कि हमने बहुत अच्छा काम किया, हमने यह बना दिया इतनी सड़कें बना दीं, इतना रोजगार दे दिया हमें वोट दीजिए। अगर विपक्ष की बात करेंगे तो पिछले एक साल में मुद्दा बनाने की जगह विपक्ष गठबंधन बना रहा है नहीं बना रहा इसी पर उलझा रहा।

सरकार की बात करेंगे तो वह कह रही है कि हमने राम मंदिर बनाने की बात कही थी हमने बना दिया। विपक्ष ने जितने मुद्दे उठाए वो सभी चूचू का मुरब्बा निकले। हर चुनाव में विपक्ष ईवीएम का मुद्दा उठाता है। अगर यह इतना बड़ा मुद्दा होता तो विपक्ष चुनाव का बहिष्कार कर देता। देश के राजनीतिक दल विजन से ज्यादा टेलीविजन पर निर्भर हैं। टेलीविजन प्रभावित जो राजनीति हो गई है उसकी वजह से विजन कहीं मिसिंग है। जहां तक घोषणा पत्र की बात है तो भाजपा का घोषणा पत्र अच्छा है और कांग्रेस का भी घोषणा पत्र अच्छा है, लेकिन देश में घोषणा पत्र पर कभी चुनाव नहीं हुए। यह बस औपचारिकता भर रह गया है।

घर-घर गारंटी अभियान की शुरुआत कर चुकी कांग्रेस पहली नौकरी पक्की, भर्ती भरोसा, पेपर लीक मुक्ति, वर्कर सुरक्षा और युवा रोशनी गारंटी के रूप में अलग-अलग वर्गों को साधने की कोशिश की है। इसके अलावा पार्टी ने महिला, किसान, श्रमिक और हिस्सेदारी न्याय के तहत अलग-अलग वर्गों के लिए कई वादे किए हैं। हालांकि पार्टी का घोषणापत्र अब तक जारी नहीं हुआ है। एनडीए के लिए अबकी बार चार सौ पार, तो अपने लिए 370 सीटें जीतने का दावा कर रही भाजपा ने मतदाताओं को साधने के लिए ब्रांड मोदी को हथियार बनाया है। पार्टी युवाओं के विकास, महिलाओं के सशक्तीकरण, किसानों के कल्याण और हाशिये पर पड़े कमजोर लोगों के सशक्तीकरण के लिए मोदी गारंटी दे रही है। जबकि विकसित भारत के निर्माण और देश की तीसरी अर्थव्यवस्था बनाने की गारंटी दे रही है। किसी एक मुद्दे को केंद्र में लाने की सत्तारूढ़ और विपक्षी गठबंधन की तमाम कोशिशें सिरे नहीं चढ़ी हैं। विपक्षी गठबंधन के नेता लालू प्रसाद की पीएम मोदी पर व्यक्तिगत टिप्पणी के खिलाफ भाजपा ने मोदी का परिवार अभियान चलाया। भाजपा इंदिरा सरकार के समय तमिलनाडु से सटे कच्चातिवु द्वीप को श्रीलंका को दिए जाने के मुद्दे पर आक्रामक है। वहीं, विपक्षी गठबंधन कभी केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग, कभी चुनावी बॉन्ड में भ्रष्टाचार, तो कभी केंद्रीय स्तर पर जातिगत जनगणना को मुद्दा बनाने की कोशिश कर रही है। चुनाव प्रचार के उफान पर न आने का सबसे बड़ा कारण मुद्दों को लेकर विपक्ष में निरंतरता प्रदर्शित करने का अभाव है। खासतौर से विपक्षी गठबंधन बनने के बाद भी विपक्ष मैदान में खुलकर उतरने के बदले सीट बंटवारे की गुत्थी सुलझाने में ही उलझा है। भले ही यह गठबंधन दो बार एक मंच पर आने में सफल रहा है, मगर राहुल गांधी, प्रियंका गांधी या कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे मोदी, शाह, नड्डा की तुलना में बहुत कम जनसभाओं को संबोधित कर रहे हैं। इसमें कोई दो राय नहीं है कि चुनाव में आम जनता से संबंधित मुद्दों का सर्वाधिक महत्व होना चाहिए। हालांकि राजनीतिक नूरा-कुश्ती में ऐसा हो नहीं पाता है। लोकसभा चुनाव का पूरा माहौल राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के इर्द-गिर्द सिमटकर रह जाता है।

इस बार भी कमोबेश वैसी ही तस्वीर दिख रही है। पूरे देश के नागरिकों के लिए पांच साल में एक बार यह मौका आता है। इस मौके पर वे अपनी बात और अपने मुद्दे पुरजोर तरीके से अपने होने वाले जनप्रतिनिधियों के सामने रख सकते हैं। राजनीतिक दलों और उनके नेताओं से अतीत में किए गए वादों पर सवाल पूछ सकते हैं। रोजमर्रा की समस्याओं को उठा सकते हैं। देश के आम लोग राजनीतिक जिम्मेदारी और जवाबदेही को लेकर अपने नेताओं को कटघरे में खड़े कर सकते हैं। बेरोजगारी और महंगाई जनता के सामने सबसे बड़ी समस्या है जिसका निदान होना चाहिए। साथ ही पर्यावरण भी चुनावी मुद्दा बनना चाहिए क्योंकि इसके बगैर हमारा जीवन मुश्किल हो सकता है।

मगर गरीबी है कि हटती ही नहीं गरीबी हटाओ का जुमला

गरीबी तो हटती नहीं, पर साल-दर-साल गरीबों का गरीबी में ही जरूर नामोनिशां मिट जाता है। चुनावी समर चल रहा है। अभी तो इन 'गरीबों' की भी पौ बारह है। नेता रोज ही इनकी पूजा-अर्चना व भरपेट खाना पहुंचाने में व्यस्त चल रहे हैं। चुनाव से निपटते ही इन गरीबों को फिर से इन्हीं के हाल छोड़ दिया जाएगा। कुल मिलाकर मुफ्तखोरी की आदत डालकर इन गरीबों को गरीब ही बनाए रखने और सालो-साल इन पर राज करने का सिलसिला बदस्तूर जारी है।

चुनाव आते ही गरीबों के चेहरे कुछ समय के लिए प्रसन्नता से खिल उठते हैं, क्योंकि अंततोगत्वा पांच साल बाद उन्हें याद जरूर कर लिया जाता है। चुनाव के तत्काल बाद ये गरीब राजनीतिक दलों के नेताओं के मानस पटल से हट भी जाते हैं। याद आना अच्छी बात है, पर हैरानी इस बात की भी है कि आजादी के साढ़े सात दशक बाद भी आखिर गरीबी मिट क्यों नहीं रही..? क्यों राजनीतिक दलों ने 'गरीबी हटाओ' नारे को अपना स्थाई जुमला बना रखा है?

गरीबी तो हटती नहीं, पर साल-दर-साल गरीबों का गरीबी में ही जरूर नामोनिशां मिट जाता है। चुनावी समर चल रहा है। अभी तो इन 'गरीबों' की भी पौ बारह है। नेता रोज ही इनकी पूजा-अर्चना व भरपेट खाना पहुंचाने में व्यस्त चल रहे हैं। चुनाव से निपटते ही इन गरीबों को फिर से इन्हीं के हाल छोड़ दिया जाएगा। कुल मिलाकर मुफ्तखोरी की आदत डालकर इन गरीबों को गरीब ही बनाए रखने और सालो-साल इन पर राज करने का सिलसिला बदस्तूर जारी है।

हाल ही में राजनीतिक दलों के घोषणा पत्र जारी हुए हैं। जोर-शोर से आगामी पांच साल में गरीबों के भूखे पेट का उपचार करने की बात की जा रही है। इससे ज्यादा तो कुछ होगा भी नहीं। जब साढ़े सात दशक में भी नहीं हो पाया तो अब क्या उम्मीद की जा सकती है। केवल गरीबी हटाने ही नहीं, हर बार लाखों नौकरियां देने के वादे भी किए जाते रहे हैं। ये बात अलग है कि पांच साल बाद भी हालात जस के तस ही रहते हैं और फिर शुरू हो जाता है जुमलों का दौर। इससे भी दुःखद तो ये है कि आजादी के बाद से लोगों को पानी, बिजली, सड़क, उच्च शिक्षा व बेहतर चिकित्सा जैसी बुनियादी सुविधाएं जुटाने के भी वादे किए जाते रहे हैं।

इसके उलट आजादी के 77 साल बाद भी देश में ऐसे कई शहर व गांव मिल जाएंगे, जहां डामर की सड़क तो छोड़ो, अभी कच्ची सड़क तक नसीब नहीं हुई है। घटिया सीवरेज व्यवस्था के कारण बरसात के दिनों में शहरों में लोग कई-कई दिनों तक पानी से घिरे घरों में कैद रहते हैं। पीने को पर्याप्त पानी नहीं मिलता। कई गांवों में यातायात के साधन तक नहीं पहुंच पाए हैं। देश की सिलिकॉन सिटी बेंगलुरु जैसे प्रमुख शहर के लोग जब पेयजल संकट के भयानक हालात से जूझ रहे हैं तो दूरदराज के गांवों की क्या बात करें।हां, पिछले कुछ सालों में सारे देश में हाई-वे जरूर बने हैं। लिंक रोड से लोगों का आवागमन सुगम हुआ है। पर इसमें भी गरीब तो अभी भी गरीब ही है। उसकी गरीबी का निवारण अभी तक भी नहीं हो पा रहा है। इसमें किसी एक राजनीतिक दल को दोष देने से कुछ होना भी नहीं है। देश में आमूलचूल परिवर्तन की जरूरत है। सालों-साल झूठे वादे करने वालों से बचने की जरूरत है। वैसे भी देश में किसी नागरिक को 'गरीब' कहना किसी गाली से कम नहीं है। गरीब का मतलब केवल निर्धन ही नहीं, बल्कि उन्हें जबरन दरिद्र, कंगाल, दीनहीन, बेचारा, लाचार जैसे शब्दों से नवाजना है। ऐसे में वे जरूरतमंद जरूर हो सकते हैं, पर 'गरीब' तो बिल्कुल नहीं। हमें ये मान लेना चाहिए कि अब देश में जब तक आखिरी इंसान तक रोजगार, पर्याप्त पेयजल, बिजली, जरूरी चिकित्सा व शिक्षा के संसाधन नहीं पहुंच जाते, तब तक विकास की बात करना बेमानी होगी। हमें ये याद रखना चाहिए कि विख्यात सर्वोदयी व सामाजिक कार्यकर्ता तथा महात्मा गांधी के अनुयायी बाबा विनोबा जीवनपर्यन्त 'अन्त्योदय' की बात करते थे। 'अन्त्योदय' यानी अंत तक उदय। देश के आखिरी आदमी तक विकास की बात उनके इस ब्रह्मवाक्य में निहित थी। अन्त्योदय आज देश की अहम जरूरत बन गया है। सरकार जब तक इस 'अन्त्योदय' को नहीं अपनाती, तब तक देश को विकसित राष्ट्र नहीं माना जा सकता। देश में अंतरिक्ष विज्ञान, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, कृषि एवं चिकित्सकीय अनुसंधान के साथ-साथ इस समय प्रत्येक इंसान को आर्थिक, शैक्षिक व शारीरिक रूप से सम्पन्न बनाने पर ध्यान देने की जरूरत है। 'भिखारी मुक्त' नारे के साथ ही सक्षम व सम्पन्न देश के नारे पर ध्यान देने की जरूरत है। तभी भविष्य के चुनावों में गरीबी हटाओ और रोजगार व बुनियादी सुविधाएं जुटाने के झूठे वादों से मुक्ति संभव होगी।

वरुण गांधी का अगला कदम, सियासी बाज़ार गर्म!

भाजपा में अब गूढ़ विचार हो रहा है कि वरुण गांधी को रायबरेली से चुनाव में उतार दिया जाए, जहां से कांग्रेस में धारणा बन रही है, प्रियंका गांधी को उतारे जाने की। इस पर वरुण का कहना है कि भले ही उनकी मां मेनका संजय गांधी छोड़ आई हों वे 10 जनपथ की गलियां, मगर परिवार का तो हिस्सा हैं ही वरुण और प्रियंका।

भारत जैसे विशालकाय देश के लिए चुनाव का वही महत्व है, जो किसी भी मरीज़ के लिए डॉक्टर द्वारा ऑपरेशन किए जाने से पूर्व और यहां डॉक्टर की भूमिका जनता की है! कुछ ऐसा ही केंद्रीय चुनाव में 543 लोकसभा सीटों के बारे में भी कहा जा सकता है, जिन में पीलीभीत, उत्तर प्रदेश की एक सीट भी मौजूद है, जहां से तीन बार के सांसद, वरुण फिरोज़ गांधी का टिकट काट कर जितिन प्रसाद को दे दिया गया। टिकट काटने से पूर्व भाजपा बड़े असमंजस में रही क्योंकि वरुण 543 सांसदों में से बस एक सांसद नहीं, बल्कि मौजूदा भारतीय सियासत का एक भारी भरकम नाम है जो मात्र गांधी परिवार सदस्य नहीं बल्कि एक ऐसा ÷सेल्फ मेड÷ सांसद है जिसका अपने क्षेत्र में सिर्फ़ वर्चस्व ही नहीं, अपितु पूर्ण मान-सम्मान भी है, क्योंकि उन्होंने अपने पद की गरिमा को अंत तक गरमाए रखा।यदि भाजपा को उनका टिकट काटना था तो बहुत पूर्व करना था क्योंकि यहां प्रथम चरण में चुनाव होना था और भाजपा की हिम्मत नहीं हो रही थी वरुण का टिकट काटने की, जिसका कारण है की गांधी परिवार में यदि मोती लाल नेहरू, पण्डित नेहरू और इंदिरा गांधी के दिमागों का मिश्रण करें, तब जाकर वरुण गांधी बनेगा! इतने संकोच और विलय के बाद पीलीभीत के टिकट का ऐलान कर भाजपा ने जितिन प्रसाद की राहें भी दुशवार कर दीं क्योंकि उन्हें भी मतदाताओं से मिलने का समय नहीं मिला। हो सकता है, मोदी के चेहरे पर वे सीट निकाल लें, जो कि इतना सरल नहीं क्योंकि आज भी वरुण एक जीवंत फैक्टर हैं और उनका चेहरा पीलीभीत निवासियों के मन में मौजूद है। अब प्रश्न यह है कि वरुण का टिकट क्यों काटा गया। भाजपा का कहना है कि उनके टिकट कटने का कारण कुछ ÷पार्टी विरोधी÷ कथन थे, मगर लोग समझते हैं कि उनका टिकट इस लिए काटा गया क्योंकि वे सच बोल रहे थे और दबे-कुचले वर्गों, संविदा कर्मियों, किसानों आदि के अतिरिक्त उन बातों पर भी विचार व्यक्त कर रहे थे, जो भाजपा की लाईन से पृथक थे। वैसे पार्टी कोई भी हो, यदि कोई उसकी विचारधारा से अलग चलने लगता है तो उसे सजा तो दी ही जाती है! यदि ऐसा नहीं होता तो आज ईवीएम में उनके नाम में चौथी लोकसभा पर मुहर लग चुकी होती! राजनीति में पार्टी लाईन से भटकने का खामियाजा सब जानते हैं, मगर भाजपा उनका टिकट काट कर बैक फुट पर है, क्योंकि जानती है कि आदमी तो सच्चा है, कहीं और फिट किया जाए! कहीं न कहीं वरुण के टिकट को काट कर वह घबराहट अवश्य है भाजपा में जो मीनाक्षी लेखी, वी के सिंह आदि के टिकट काटने में नहीं देखने में आई। भाजपा में अब गूढ़ विचार हो रहा है कि वरुण गांधी को रायबरेली से चुनाव में उतार दिया जाए, जहां से कांग्रेस में धारणा बन रही है, प्रियंका गांधी को उतारे जाने की। इस पर वरुण का कहना है कि भले ही उनकी मां मेनका संजय गांधी छोड़ आई हों वे 10 जनपथ की गलियां, मगर परिवार का तो हिस्सा हैं ही वरुण और प्रियंका। वैसे भी वरुण और प्रियंका में मधुर संबंध हैं और वरुण के निकट प्रियंका का रिश्ता ÷बडी आपा÷ (बड़ी बहन) का है तो वे केवल एक सांसद अथवा मंत्री बनने के लिए अपने पारिवारिक रिश्तों की आहुति नहीं देने वाले जो उनके अंदर मौजूद इन्सानियत का पता देता है। इसके अ?तरिक्त पीलीभीत में वरुण के चाहने वाले वालों की कमी नहीं, क्योंकि जिससे वह एक बार बात कर लेते, ऐसी गर्मजोशी से वे बात करते हैं कि वह उनका दीवाना हो जाता है। इस मामले में वे अपनी दादी इंदिरा और परनाना, नेहरु से आगे हैं। इसका प्रभाव, पीलीभीत के पास पड़ोस के क्षेत्रों बरेली, मुरादाबाद, आंवला, खेरी आदि में भी है, क्योंकि इन सभी क्षेत्रों में या उनके निवासियों के लिए जब भी उन्होंने कुछ कहा या करा, वे उनके दिलों में बस गए। भाजपा सर्कल में यह तो सभी जानते थे कि वरुण के बयानों के कारण पार्टी से उनका वैमनस्य घर कर रहा है, मगर, बकौल मेनका गांधी, जिनका पूर्ण जीवन संघर्ष पूर्ण रहा है, यदि प्रधानमंत्री मोदीजी उनके बेटे से नाराज़ थे तो कम से कम वरुण को अपना बेटा समझ टिकट काटने से पूर्व, गाल पर एक इधर लगाते, एक उधर और आगे रहने के लिए बोल कर टिकट दे देते! मेनका का कहना है कि जब वरुण तीन वर्ष के थे तो उनकी उंगली पकड़ कर पीलीभीत आए थे और पीलीभीत उसी प्रकार से गांधी परिवार का अटूट अंग है जैसे रायबरेली-अमेठी या अमेठी! वैसे यहां गौर करने की बात यह है कि अगर रायबरेली वरुण बनाम प्रियंका हो गया और वरुण की जीत हुई तो कांग्रेस पार्टी के जो प्रियंका के सहारे पुनर्जीवन के आसार हैं, ऐसा वरुण शायद नहीं चाहते, भले ही भाजपा की ऐसी ही इच्छा हो।

स्टोयनिस ने IPL रन चेज में सबसे बड़ा स्कोर बनाया

LSG ने चेपॉक में सबसे बड़ा चेज किया, गायकवाड दो शतक लगाने वाले तीसरे CSK प्लेयर

नई दिल्ली ● एजेंसी

IPL-2024 में मंगलवार रात लखनऊ सुपर जायंट्स ने चेन्नई सुपर किंग्स को 6 विकेट से हराया। चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में मंगलवार को लखनऊ ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। चेन्नई ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 210 रन बनाए। लखनऊ ने चेपॉक स्टेडियम में IPL का सबसे बड़ा रनचेज किया और जीत का टारगेट 19.3 ओवर में 4 विकेट पर हासिल कर लिया।

मार्कस स्टोयनिस प्लेयर ऑफ द मैच रहे। उन्होंने 63 बॉल पर नाबाद 124 रन की पारी खेली। इसी के साथ IPL के किसी चेज में वे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। CSK से ऋतुराज गायकवाड 60 बॉल पर नाबाद 108 रन की पारी खेली। वे CSK के लिए दो शतक लगाने वाले तीसरे खिलाड़ी बने।

LSG का CSK के खिलाफ दूसरा सबसे बड़ा रन चेज

LSG ने IPL में CSK के खिलाफ दूसरा सबसे बड़ा रन चेज किया है। टीम ने 211 रन का टारगेट हासिल किया। इससे पहले भी टीम ने मुंबई के मैदान पर साल 2022 में CSK के खिलाफ 211 रन चेज किए। CSK के खिलाफ सबसे बड़ा टारगेट MI ने चेज किया है। MI ने साल 2021 में 219 रन का टारगेट दिल्ली के मैदान पर चेज किया था। इस मुकाबले में कीरोन पोलार्ड ने 34 बॉल में नाबाद 84 रन की पारी खेली थी।

LSG का चेपॉक स्टेडियम में सबसे बड़ा चेज

LSG ने IPL इतिहास में चेपॉक स्टेडियम में सबसे बड़ा चेज किया। उन्होंने CSK का रिकॉर्ड तोड़ा। साल 2012 में CSK ने RCB के खिलाफ 206 रन का टारगेट चेज किया था।

LSG का दूसरा सबसे बड़ा सफल रन चेज

रूल ने टीम का दूसरा सबसे बड़ा रन चेज किया है। साल 2023 में टीम ने RCB के खिलाफ बेंगलुरु में 213 रन चेज किए थे। उसके बाद दो बार 211 रन चेज किए। दोनों ही CSK के खिलाफ किए।

IPL रन चेज में सबसे बड़ा इंडिविजुअल स्कोर

IPL रन चेज में सबसे बड़ा इंडिविजुअल स्कोर मार्कस स्टोयनिस ने बनाया। उन्होंने 124 रन की पारी खेली। इसी के साथ स्टॉयनिस ने 13 साल पुराना पंजाब किंग्स के पॉल वॉलथेटी के रिकॉर्ड तोड़ा। पॉल ने साल 2011 में मोहाली के मैदान पर CSK के खिलाफ नाबाद 120 रन की पारी खेलते हुए 189 रन चेज किए और 6 विकेट से पंजाब को मुकाबला जिताया था।

गायकवाड ने CSK के लिए 5वां टॉप स्कोर बनाया

CSK के कप्तान ऋतुराज गायकवाड ने टीम के लिए पांचवा टॉप स्कोर बनाया। टीम के लिए सबसे बड़े स्कोर का रिकॉर्ड मुरली विजय के नाम है। विजय ने साल 2010 में चेपॉक मैदान पर ही राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 127 रन की पारी खेली थी।

Archery World Cup : भारतीय पुरुष, महिला कंपाउंड टीमों की नजरें स्वर्ण पदक पर

शंघाई, एजेंसी। भारतीय पुरुष और महिला कंपाउंड तीरंदाजी टीमों ने बुधवार को यहां सत्र के शुरुआती तीरंदाजी विश्व कप में फाइनल में जगह बनाकर देश का पदक पक्का कर दिया। इसके साथ ही धीरज बोम्मदेवरा ने पुरुषों के रिकर्व क्वालिफिकेशन राउंड में राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ तीसरा स्थान हासिल किया। अनुभवी अभिषेक वर्मा, उभरते हुए तीरंदाज प्रथमेश भालचंद्र फुगे और मौजूदा अंडर-21 विश्व चैंपियन प्रियांश की चौथी वरीयता प्राप्त पुरुष टीम ने फिलीपींस और डेनमार्क को शिकस्त देने के बाद सेमीफाइनल में कोरिया की मजबूत चुनौती को खत्म की।

भारतीय पुरुष टीम के सामने शनिवार को खेले जाने वाले फाइनल में नीदरलैंड की चुनौती होगी। महिला वर्ग में मौजूद विश्व चैम्पियन भारत ने तुर्की और एस्तोनिया को शिकस्त देकर फाइनल का टिकट कटाया। शीर्ष वरीयता प्राप्त भारत के सामने फाइनल में इटली की चुनौती होगी। मौजूदा अंडर-18 और सीनियर चैंपियन अदिति स्वामी, एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता ज्योति सुरेखा वेन्नम और परनीत कौर की तिकड़ी ने अपने शुरुआती दो मैचों में सिर्फ 10 अंक गंवाये। भारतीय पुरुष टीम ने करीबी मुकाबले में कोरिया को 235-233 से हराकर बड़ा उलटफेर किया। इस मुकाबले के शुरुआती दो दौर के बाद दोनों टीमें बराबरी पर थी लेकिन भारत ने 59 के स्कोर के साथ कोरिया को पछाड़ा।

सेमीफाइनल में रोमांचक जीत के बाद अभिषेक ने कहा, '' आज हमारा समन्वय अच्छा था और हमने हवा को अच्छी तरह से भांप कर उसका सही इस्तेमाल किया। उन्होने कहा, ''सेमीफाइनल हमेशा कड़ा मुकाबला होता है। हमने अच्छी तैयारी की थी और इस बात की खुशी है कि हम फाइनल में पहुंचने में सफल रहे।'' एस्टोनिया को 235-230 के अंतर से हराने के बाद अदिति ने कहा, '' मुझे उम्मीद है कि हम पिछले साल पेरिस में विश्व कप की सफलता को दोहरा सकते हैं जहां भारतीय पुरुषों और महिलाओं दोनों ने टीम स्वर्ण पदक जीते थे।''

दक्षिण एशियाई ट्रायथलॉन चैम्पियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करेगा 33 सदस्यीय दल

मुंबई ● एजेंसी

आदर्श मुरलीधरन सिनिमोल और प्रगन्या मोहन की अनुभवी जोड़ी नेपाल के पोखारा में एशिया ट्रायथलॉन कप के साथ 27 अप्रैल से शुरू होने वाली दक्षिण एशियाई ट्रायथलॉन चैम्पियनशिप में 33 सदस्यीय मजबूत भारतीय चुनौती की अगुआई करेगी। प्रगन्या ने पिछले चरण में अपना लगातार तीसरा दक्षिण एशियाई खिताब जीता था जबकि महिलाओं के ओवरआल वर्ग में नौवा स्थान भी हासिल किया था। पिछले साल क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीतने वाली महाराष्ट्र की संजना जोशी और मानसी मोहिते की जोड़ी भी 13 भारतीय महिला एथलीट की टीम का हिस्सा हैं। सेना के सिनिमोल 2022 के विजेता हैं और पिछले साल तीसरे स्थान पर रहे थे। वह 20 सदस्यीय मजबूत भारतीय चुनौती का नेतृत्व करेंगे। टूर्नामेंट में 750 मीटर तैराकी, 20 किमी साइकिलिंग और पांच किमी दौड़ शामिल है।

पुरुषः तेलहेइबा सोरम, क्षेत्रीमयुम कबिदश सिंह, तुषार डेका, अनघ वानखड़े, पार्थ सांखला, अंगद इंगलेकर, अभिषेक मोदनवाल, अंकुर चाहर, पार्थ मिराज, कृषिव पटेल, कौशिक विनायक मलंदकर, साई लोहिताक्ष केडी, देव अंबोकर, राज कुमार पवार, पुस्कर दास , विश्वनाथ यादव, आदर्श मुरलीधरन नायर सिनिमोल, अंकन भट्टाचार्जी, अर्णब भट्टाचार्य, सफा मुस्तफा शेख।

पूर्व पहलवान नरसिंह यादव भारतीय कुश्ती महासंघ एथलीट पैनल के अध्यक्ष चुने गये

वाराणसी ● एजेंसी

राष्ट्रमंडल खेलों के पूर्व स्वर्ण पदक विजेता नरसिंह पंचम यादव बुधवार को यहां भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के एथलीट आयोग का अध्यक्ष चुना गया जिससे खेल की विश्व संचालन संस्था द्वारा अनिवार्य की गयी प्रक्रिया भी पूरी हो गयी। आयोग के सात स्थानों के लिए कुल आठ दावेदार दौड़ में थे और मतदान के बाद सात सदस्यों को चुना गया। इसके बाद उन्होंने आयोग के अध्यक्ष पद के लिए नरसिंह को चुना।

2016 ओलंपिक से पहले टीम के सदस्य नरसिंह सुर्खियों में आ गये थे जब ओलंपिक पदक विजेता सुशील कुमार ने उनके खिलाफ एक ट्रायल मुकाबले का अनुरोध किया था जबकि वह चोट के कारण क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट में नहीं खेल पाये थे। सुशील ने दिल्ली उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया और

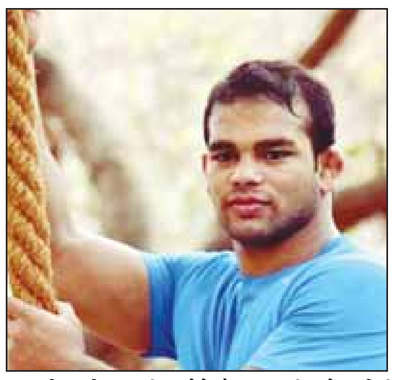

उनकी अपील खारिज होने के बाद पुष्टि हो गयी कि नरसिंह ही रियो ओलंपिक जायेंगे। लेकिन हैरानी की बात रही कि नरसिंह ओलंपिक से पहले करायी गयी दो डोप जांच में विफल हो गये थे जिससे खेल पंचाट ने उन्हें चार साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया था।

हालांकि राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने उन्हें यह कहते हुए पाक साफ करार कर दिया था कि वह साजिश के कारण डोप जांच में पॉजिटिव आये थे। खेल पंचाट का फैसला नरसिंह के शुरूआती मुकाबले से एक दिन पहले ही आया था जिससे वह रियो से बिना खेले ही वापस लौट आये थे। उनका प्रतिबंध जुलाई 2020 को खत्म हुआ और उन्होंने कहा कि था कि यह घटनाक्रम साजिश का हिस्सा था। एथलीट आयोग के लिए चुने गये अन्य सदस्य साहिल (दिल्ली), स्मिता ए एस (केरल), भारतीय भाघेई (उत्तर प्रदेश), खुशबू एस पवार (गुजरात), निक्की (हरियाणा) और श्वेता दुबे (बंगाल) हैं।

खेल की अंतरराष्ट्रीय संस्था यूडब्ल्यूडब्ल्यू ने डब्ल्यूएआई का निलंबन हटाते हुए कहा था कि संजय सिंह की अगुआई वाली राष्ट्रीय महासंघ के लिए पहलवानों की शिकायतों को निपटाने के लिए एथलीट आयोग गठित करना अनिवार्य होगा।

कोहली को टी-20 वर्ल्डकप में ओपनिंग करनी चाहिए:गांगुली ने कहा-विराट 40 गेंदों में 100 रन बना सकते हैं, जून में खेला जाएगा टूर्नामेंट

नई दिल्ली ● एजेंसी

BCCI के पूर्व अध्यक्ष सौरव गांगुली का मानना है कि जून में होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप में विराट कोहली को रोहित शर्मा के साथ ओपनिंग करना चाहिए। IPL में दिल्ली कैपिटल्स के डायरेक्टर गांगुली ने सोमवार को एक मीडिया इवेंट में कहा, इस साल के टी-20 वर्ल्ड कप में भारत के लिए विराट कोहली और रोहित शर्मा को ओपनिंग करनी चाहिए, विराट 40 गेंदों में 100 रन बना सकते हैं।

टी-20 वर्ल्ड कप 2024 जून में अमेरिका और वेस्टइंडीज में खेला

जाएगा। वहीं 1 मई तक इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (ICC) को संभावित खिलाड़ियों की लिस्ट सौंपनी हैं।

मीडिया रिपोर्ट में भी विराट-रोहित के ओपनिंग करने का दावा किया गया था

हाल ही में मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया था कि रोहित शर्मा और विराट कोहली टी-20 वर्ल्ड कप में ओपनिंग करेंगे। लेकिन, खबर के कुछ दिन बाद ही रोहित ने इस खबर का खंडन किया था।

इंटरनेशनल क्रिकेट में ओपनिंग कर चुके हैं कोहली

कोहली ने अपने इंटरनेशनल करियर की शुरुआत 2008 में श्रीलंका के खिलाफ वनडे में बतौर ओपनर बैटर की थी। कुछ समय बाद वे नंबर 3 स्लॉट पर चले गए। कोहली का टी-20 इंटरनेशनल में बतौर ओपनर बैटर रिकॉर्ड काफी अच्छा है। पूर्व कप्तान ने 9 मैचों में 400 रन बनाए हैं।

IPL के मौजूदा सीजन में ओपनिंग करते हुए ऑरेंज कैप होल्डर

कोहली IPL के पिछले कुछ सीजन में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) के लिए ओपनिंग करते रहे हैं। वे इसी सीजन भी ओपनिंग करते हुए 8 मैचों में 150.39 की स्ट्राइक रेट से 379 रन के साथ ऑरेंज कैप होल्डर हैं।

कोटक महिंद्रा बैंक नए क्रेडिट कार्ड जारी नहीं कर सकेगा

ऑनलाइन खाते खोलने पर भी रोक, खामियों को दूर नहीं कर रहा था बैंक

मुंबई ● एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक ने बुधवार को कोटक महिंद्रा बैंक को तत्काल प्रभाव से नए क्रेडिट कार्ड जारी करने से रोकने का निर्देश दिया। इसके साथ ही ऑनलाइन और मोबाइल बैंकिंग चैनलों के माध्यम से नए ग्राहकों को जोड़ने पर रोक लगा दी गई है। बैंक पर ये प्रतिबंध लगाने का कारण बताते हुए RBI ने कहा कि 2022 और 2023 के बीच उसने पर्याप्त आईटी इंफ्रास्टक्चर नहीं होने को लेकर बैंक को अपनी चिंता जताई थी, लेकिन बैंक इन कमियों को दूर करने में लगातार विफल रहा।

बैंकिंग रेगुलेशन एक्ट 1949 के सेक्शन 35 की तहत RBI ने अपनी पावर का इस्तेमाल करते हुए कोटक महिंद्रा बैंक के खिलाफ यह कार्रवाई की है। हालांकि, जो लोग बैंक के पहले से ग्राहक है उन्हें पहले की तरह सभी सर्विसेज मिलती रहेंगी।

RBI ने तीन और बड़ी बातें कही...

RBI को बैंक के आईटी इन्वेंट्री मैनेजमेंट, यूजर एक्सेस मैनेजमेंट, वेंडर रिस्क मैनेजमेंट, डेटा सिक्योरिटी और डेटा लीक प्रिवेंशन स्टैटजी जैसे क्षेत्रों में गंभीर कमियां मिली थी। लगातार दो साल तक ऐसा देखा गया, लेकिन बैंक कोई ठोस कदम नहीं उठा पाया।

मजबूत आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर के अभाव में बैंक के कोर बैंकिंग सिस्टम (CBS) और इसके ऑनलाइन और डिजिटल बैंकिंग चैनल में पिछले दो साल में लगातार आउटेज देखा गया। लेटेस्ट आउटेज 15 अप्रैल को हुआ था, जिससे ग्राहकों को असुविधा हुई।

अब लगाए गए प्रतिबंधों की समीक्षा बैंक के एक्सटर्नल ऑडिट के बाद की जाएगी। इस एक्सटर्नल ऑडिट के लिए बैंक को RBI की पहले से मंजूरी लेनी होगी। बैंक को RBI के इन्सपेक्शन और एक्सटर्नल ऑडिट में बताई गई सभी कमियों को भी दूर करना होगा।

सोना-चांदी के दाम में तेजीः सोना 71,826 रुपए प्रति 10 ग्राम हुआ, चांदी भी 80 हजार पार हुई

सोने और चांदी की कीमतों में आज यानी 24 अप्रैल को बढ़त देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 228 रुपए महंगा होकर 71,826 रुपए हो गया है। वहीं एक किलो चांदी 680 रुपए सस्ती हुई है। ये 80,687 रुपए प्रति किलोग्राम में बिक रही है।

4 महानगरों और भोपाल में सोने की कीमत

* दिल्लीः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 66,750 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 72,800 रुपए है।
* मुंबईः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 66,600 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 72,650 रुपए है।
* कोलकाताः 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 66,600 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 72,650 रुपए है।

* चेन्नईः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 67,300 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 73,420 रुपए है।
* भोपालः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 66,650 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 72,700 रुपए है।

टेस्ला में पहली बार कम हुई बिक्री, अब नौकरियों पर चलेगी तलवार

मुंबई ● एजेंसी

अमेरिकी दिग्गज और इलेक्ट्रॉनिक व्हीकल कंपनी टेस्ला इन दिनों कई परेशानियों से जूझ रही है। यही कारण है कि आने वाले दिनों में टेस्ला कंपनी के हजारों कर्मचारियों को नौकरी से निकाला जा सकता है। कंपनी जल्द ही छंटनी करने की तैयारी में है। कंपनी ने यह ऐलान उसे समय किया है जब उसकी बिक्री भी काफी प्रभावित हुई है। किसी समय में दुनिया की सबसे बड़ी ईवी कंपनी का दर्जा पाने वाली टेस्ला आज यह मुकाम भी खो चुकी है।

जा सकती है हजारों कर्मचारियों की नौकरी

टेस्ला ने मंगलवार को मार्च तिमाही का परिणाम जारी किया है। इसके साथ ही यह जानकारी भी दी गई है कि कंपनी जल्द ही कर्मचारियों की छंटनी करने पर विचार कर रही है। माना जा रहा है कि 6020 कर्मचारियों को नौकरी से निकाला जा सकता है। मूल रूप से यह छंटनी कैलिफोर्निया और टेक्सास में की जा सकती है। कैलिफॉर्निया में 332 लोगों को नौकरी से निकाला जाएगा। वहीं टेक्सास में 2688 लोग बेरोजगार हो सकते है। न्यूयॉर्क स्थित बफेलो प्लांट

से भी 285 कर्मचारियों को नौकरी से निकाला जाएगा।

छंटनी की योजना पर किया जाएगा अमल

बीते सप्ताह ही इलेक्ट्रॉनिक व्हीकल कंपनी टेस्ला यह जानकारी दे चुकी है कि वह जल्द ही छंटनी करने वाली है। कंपनी ने ये भी बताया था कि वो ग्लोबल वर्कफोर्स में कटौती करेगी। अब कंपनी ने बता दिया है कि छंटनी जून से शुरू होगी।

गौरतलब है कि विश्व में कई कंपनियों बीते लंबे समय से कर्मचारियों की छंटनी कर रही थी। इस असर से टेस्ला अब तक अछूती थी। टेस्ला ने अब तक कर्मचारियों की छटनी नहीं की थी। इसके उलट कर्मचारियों की नियुक्ति कंपनी में लगातार की जा रही थी। वर्ष 2021 में टेस्ला के कर्मचारी एक लाख थे जो कि वर्ष 2023 में 1,40,000 से अधिक हो गए थे। अब कंपनी 10 फीसदी तक कर्मचारियों को नौकरी से निकलने की तैयारी में है। आने वाले दिनों में कंपनी और भी कर्मचारियों को नौकरी से निकल सकती है।

टेस्ला का मुनाफा हुआ कम

हाल ही में टेस्ला ने जो आंकड़े जारी किए हैं उसमें काफी निराशाजनक परिणाम सामने आए हैं। बीते चार वर्षों में पहली बार है जब टेस्ला की बिक्री में गिरावट आई है। इसके साथ ही कंपनी का मुनाफा भी काफी कम हो गया है। टेस्ला का मुनाफा 1.13 बिलियन डॉलर रहा जो बीते वर्ष 2.51 बिलियन डॉलर था। यानी 1 साल में कंपनी का मुनाफा 55 फीसदी कम हो गया है। दरअसल इलेक्ट्रॉनिक व्हीकल सेगमेंट में कई नई कंपनियां उतर रही है जो टेस्ला को कड़ी चुनौती दे रही है। चीन की कई कंपनियों इस सेगमेंट में उतरी है। चीन की बीवायईडी कंपनी डिग्री के मामले में टेस्ला को पीछे छोड़ चुकी है।

भारत का औषधि निर्यात 2023-24 में 10 प्रतिशत बढ़कर 27.9 अरब डॉलर पर : वाणिज्य मंत्रालय

नई दिल्ली ● एजेंसी

। देश का औषधि निर्यात वित्त वर्ष 2023-24 में सालाना आधार पर 9.67 प्रतिशत बढ़कर 27.9 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। इससे पूर्व वित्त वर्ष 2022-23 में निर्यात 25.4 अरब डॉलर था। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, मार्च माह में दवा निर्यात 12.73 प्रतिशत बढ़कर 2.8 अरब डॉलर हो गया। वित्त वर्ष 2023-24 में इस क्षेत्र के लिए शीर्ष पांच निर्यात बाजार अमेरिका, ब्रिटेन, नीदरलैंड, ब्रिटेन, दक्षिण अफ्रीका और ब्राजील थे।

भारत के कुल औषधि निर्यात में अमेरिका की हिस्सेदारी 31 प्रतिशत से अधिक रही। एक उद्योग विशेषज्ञ ने कहा कि अमेरिका जैसे देशों में बढ़ते बाजार अवसरों और मांग से निर्यात को मासिक आधार पर वृद्धि दर्ज करने में मदद मिल रही है।

निप्पॉन लाइफ इंडिया एसेट मैनेजमेंट का चौथी तिमाही में शुद्ध लाभ 73 प्रतिशत बढ़कर 343 करोड़ रुपये

नयी दिल्ली । निप्पॉन लाइफ इंडिया एसेट मैनेजमेंट लिमिटेड का जनवरी-मार्च तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 73 प्रतिशत बढ़कर 343 करोड़ रुपये रहा। कंपनी का अभी तक का यह सबसे अधिक मुनाफा है। कंपनी का पिछले साल समान तिमाही में शुद्ध लाभ 198 करोड़ रुपये था। निप्पॉन लाइफ इंडिया एसेट मैनेजमेंट लिमिटेड ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में कंपनी की कुल आय बढ़कर 560.57 करोड़ रुपये हो गई।

वित्त वर्ष 2022-23 की चौथी तिमाही में यह 388.03 करोड़ रुपये थी। इस मजबूत बढ़त के बाद कंपनी के शेयर बीएसई में दिन में कारोबार के दौरान 11 प्रतिशत बढ़कर 623.40 रुपये के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था। निप्पॉन लाइफ इंडिया एसेट मैनेजमेंट निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड का परिसंपत्ति प्रबंधक है। कंपनी की मार्च 2024 तक प्रबंधन अधीन परिसंपत्तियां (एयूएम) 5.24 लाख करोड़ रुपये थी, जिसमें निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड का 4.31 लाख करोड़ रुपये का परिसंपत्ति आधार शामिल है।

वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी का शुद्ध लाभ सालाना अधार पर 53 प्रतिशत बढ़कर 1,107 करोड़ रुपये रहा, जबकि कुल आय सालाना आधार पर 34 प्रतिशत बढ़कर 2,037 करोड़ रुपये पहुंच गई। इस बीच, कंपनी के निदेशक मंडल ने 31 मार्च 2024 को समाप्त वित्त वर्ष के लिए 11 रुपये प्रति शेयर के अंतिम लाभांश की सिफारिश की है। इसके साथ, 2023-24 के लिए कुल लाभांश 16.50 रुपये प्रति शेयर होगा, जिसमें नवंबर 2023 में वितरित 5.50 रुपये का अंतरिम लाभांश भी शामिल है।

भा कोड से भारतीयों के लिए तैयार होंगे फुटवियरः अमेरिकी-यूरोपीय नहीं, अब? भारतीय नंबर के जूते बनेंगे

नई दिल्ली ● एजेंसी

भारत में मिलने वाले जूते-चप्पल अमेरिकी या यूरोपीय नाप के होते हैं। यही वजह है कि वे हमारे देश के लोगों के पैरों में फिट नहीं आते। दरअसल, भारतीयों के पैर अमेरिकियों और यूरोपीयनों से ज्यादा चौड़े होते हैं, लेकिन कंपनियां जूते-चप्पल अमेरिकियों या यूरोपीय लोगों के पैर की लंबाई-चौड़ाई के आधार पर ही तैयार करती हैं। अब यह व्यवस्था बदलने वाली है। अब जूते-चप्पलों के भारतीय मानक तैयार हो रहे हैं। अगले साल यानी 2025 से कंपनियां अलग से भारतीयों के लिए फुटवियर तैयार करेंगी। इसके लिए 'भा' (क्ष्द्ध्) कोड रखा गया है, जिसका मतलब भारत से है। इसके लिए ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड से मान्यता मिलनी बाकी है।

भारतीयों के पैर के साइज को लेकर किया सर्वे

भारतीयों के पैर की आकृति और आकार समझने के लिए काउंसिल ऑफ साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च और सेंट्रल लेदर रिसर्च इंस्टीट्यूट ने पूरे भारत में सर्वे किया। इसमें यह भी पता चला कि महिलाओं के पैरों का आकार 11 साल की उम्र तक बढ़ता है, जबकि पुरुषों में यह 15-16 साल तक बढ़ता रहता है।

50% फुटवियर सही नाप न होने से लौटाए जा रहे

इस बदलाव की सबसे बड़ी वजह भारत का बड़ा बाजार

है। यहां हर भारतीय के पास औसतन 1.5 जूते हैं। ऑनलाइन खरीदे गए 50% फुटवियर सही नाप न होने से लौटा दिए जाते हैं। नई व्यवस्था में अब कंपनियों को 10 की बजाय 8 साइज में ही फुटवियर बनाने होंगे।

साइज को लेकर 1 लाख से ज्यादा लोगों पर किया सर्वे

पैर की आकृति और आकार को समझने के लिए दिसंबर 2021 और मार्च 2022 के बीच एक सर्वे किया गया था। इस सर्वे में पांच भौगोलिक क्षेत्रों में 79 स्थानों पर रहने वाले करीब 1,01,880 लोगों को शामिल किया गया। इतना ही नहीं बल्कि भारतीय पैर के आकार, आयाम और संरचना को समझने के लिए 3डी फुट स्कैनिंग मशीनें तैनात की गई। इसमें पाया गया कि एक औसत भारतीय महिला के पैर के आकार में बदलाव 11 साल की उम्र में चरम पर होता है जबकि एक भारतीय पुरुष के पैर के आकार में बदलाव लगभग 15 या 16 साल में होता है।

गढ़िए खूबसूरती की अपनी परिभाषा

अपनी खूबसूरती को लेकर सजग होना महिलाओं की आम आदत है। यही वजह है कि बाल अचानक टूटने लगें या सफेद होने लगें, त्वचा रूखी हो जाए या चेहरे पर दाने निकल आएं तो वो काफी परेशान भी हो जाती हैं। जबकि यह सभी परेशानियां खूबसूरती से जुड़ी आम समस्याएं हैं। इन छोटी-छोटी समस्याओं से निकलने की छटपटाहट हमें एक और नई मुसीबत में डाल देती है। दरअसल, अक्सर महिलाएं खूबसूरती से जुड़े मामलों में डॉक्टरों और विशेषज्ञ से ज्यादा नुस्खों और मिथकों पर भरोसा कर बैठती हैं और एक नई परेशानी का सामना करने पर मजबूर हो जाती हैं। सौंदर्य विशेषज्ञों की मानें तो जिन बातों का कोई वैज्ञानिक आधार न हो, उन्हें नहीं मानना चाहिए। सौंदर्य भी सेहत का ही हिस्सा है।

मिथक 1: पेट्रोलियम जेली लगाने से आंखों की पलकें लंबी हो जाती हैं।

सच्चाई: लंबी और काली पलकों से खूबसूरती निखरती है, इसमें कोई दोराय नहीं। लेकिन इन्हें लंबा और घना बनाने में पेट्रोलियम जेली कारगर है, यह बात वैज्ञानिक तौर पर कभी साबित नहीं की गई है और न ही विज्ञान इसकी पुष्टि करता है। कुछ लोगों को प्राकृतिक रूप से घनी पलकों की सौगात मिली होती है। इसमें किसी भी तरह की दवा या जेली क्रीमों का कोई योगदान नहीं होता। डॉक्टरों की राय मानें तो इस तरह का दावा करने वाली दवाएं या क्रीम पलकों के आंतरिक हिस्से को बंद कर देती हैं, जिससे गंभीर संक्रामक बीमारियां और एलर्जी हो सकती हैं।

मिथक 2: सौ बार कंघी करने से बाल खूबसूरत और चमकीले बन जाते हैं।

सच्चाई: बालों को उलझने से रोकना अच्छी बात है, लेकिन सौ बार कंघी करने का विचार ठीक नहीं है। इससे बाल को फायदा होने की बजाय नुकसान पहुंच सकता है। जानकारों की मानें तो ज्यादा कंघी करने की वजह से बाल दो मुंहे हो जाते हैं और उनकी छोर पर खिल जाती हैं। इसके अलावा इससे बाल रूखे और बेजान भी हो जाते हैं। बाल को चमकीला और सिल्की बनाना चाहती हैं तो किसी अच्छे हेयर कंडीशनर का इस्तेमाल करें।

मिथक 3: चेहरे पर ऊपर की ओर क्रीम लगाने से झुर्रियां नहीं होतीं।

सच्चाई: चेहरे पर आप क्रीम किस दिशा में लगा रही हैं, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। हां, फर्क इस बात से पड़ता है कि आप कितने दबाव के साथ क्रीम लगा रही हैं। ज्यादा रगड़ने या दबाव के साथ क्रीम लगाने पर चेहरे में जलन हो सकती है।

मिथक 4: रूखी त्वचा पर झुर्रियों की आशंका ज्यादा होती है।

सच्चाई: झुर्रियां, त्वचा के प्रकार की मोहताज नहीं होतीं। उम्र के साथ जब त्वचा के भीतर कोलेजन टूटना शुरू हो जाता है, तब बाहरी त्वचा पर इसका प्रभाव दिखने लगता है। इससे बचने के लिए अच्छी क्वालिटी का सनस्क्रीन लोशन लगाएं।

मिथक 5: सफेद बाल उखाड़ने पर उनकी संख्या दोगुनी हो जाती है।

सच्चाई: सालों से बदस्तूर चली आ रही इस मिथक के पीछे भी आज तक कोई वैज्ञानिक कारण नहीं बताया गया। सफेद बाल उखाड़ने के बाद उनकी संख्या में इजाफे की बात क्यों कही जाती है, इसका पता नहीं चल सका है। लेकिन वैज्ञानिकों की मानें तो यह एक काल्पनिक गाथा और मिथक से ज्यादा कुछ नहीं है। सफेद बालों को काटने या उखाड़ने से उनकी संख्या नहीं बढ़ती। दरअसल, बालों के स फे द होने की प्रक्रिया झुंड में होती है यानी एक साथ कई बाल सफेद होते हैं। हालांकि बाल सफेद हों या काले, किसी भी स्थिति में उन्हें उखाड़ना तर्कसंगत नहीं है।

मिथक 6: जली हुई त्वचा या किसी दाग पर टूथपेस्ट लगाने से मिलता है आराम।

सच्चाई: दांत की सफाई के इस्तेमाल होने वाले टूथपेस्ट में बेकिंग पाउडर, शराब, हाइड्रोजन पेरोक्साइड, मेंथॉल और ट्राइक्लोसन होता है, जो त्वचा को रूखा बना सकते हैं। इसके अलावा टूथपेस्ट में कुछ ऐसे पदार्थ भी होते हैं, जो त्वचा को नुकसान पहुंचा सकते हैं। त्वचा के दाग-धब्बों और जलन से छुटकारा चाहिए तो कोई अच्छा क्रीम आजमाएं या फिर डॉक्टर से परामर्श करें।

मिथक 7: कॉस्मेटिक उत्पादों को फ्रिज में रखने से उनकी ताजगी लंबे समय तक बनी रहती है।

सच्चाई: दवाओं की तरह ही सभी कॉस्मेटिक उत्पादों पर यह लिखा रहता है कि इन्हें ठंडी और सूखी जगह पर रखें। कई महिलाएं इसका गलत अर्थ लगा लेती हैं। वह ठंडी और सूखी जगह का तात्पर्य फ्रिज से लगा लेती हैं। पर, ऐसा करने से उनमें गंध समा जाती है।

अकसर खूबसूरत दिखने के चक्कर में हम मिथकों पर आंख मूंदकर विश्वास कर लेते हैं। अपनी खूबसूरती की खातिर आपको किन–किन मिथकों से दूर रहना चाहिए...

खाना खजाना

मशरूम रोल

सामग्री :

6-7 मशरूम, 12 कप ब्रेड का चूरा, 2 टेबल स्पून कार्नफ्लोर, 2 टेबल स्पून बेसन, 14 टी स्पून लाल मिर्च पाउडर, स्वादानुसार नमक, 1 टी स्पून अदरक पेस्ट, 1 टेबल स्पून हरी धनिया बारीक कटी हुई

विधि :

1. सबसे पहले कॉर्नफ्लोर और बेसन में जरूरत भर पानी डालकर अच्छी तरह घोल लें। ध्यान रहे गुठलियां न बनने पाएं। घोल इतना गाढ़ा होना चाहिए कि मशरू म के ऊपर कोटिंग अच्छी तरह हो जाए।
2. सारे मशरूम को अच्छी तरह गीले कपड़े से पोंछ कर दो हिस्से में काट लें।
3. कड़ाही में तेल गर्म करें। अब एक-एक मशरूम उठाकर घोल में डालें। फिर घोल से मशरूम निकाल कर ब्रेड क्रम्ब्स में लपेटें। किसी प्लेट में रख लें।
4. सारे मशरूम के टुकड़े इसी तरह घोल और ब्रेड के चूरे में लपेटकर प्लेट में लगाकर रख लें।गर्म तेल में एक-एक करके ब्रेड क्रम्ब्स में मशरूम लपेट कर सुनहरा तल लें। गरमागरम क्रिस्पी मशरूम बोंडा तैयार है। ऊपर से चाट मसाला और हरी धनिया की चटनी या टोमैटो सॉस के साथ सर्व करें।

सामग्री :

100 ग्राम अरहर की दाल, 50 ग्राम चने की दाल, 100 ग्राम काली उड़द की दाल, 1 कगो आम की गुठली, जीरा, 1 बड़ा टुकड़ा अदरक कटा हुआ, 3-4 लहसुन की कली, स्वादानुसार नमक, 12 टी स्पून हल्दी पाउडर, चुटकी भर हींग, 2 सूखी लाल मिर्च, 2 टी स्पून देसी घी।

विधि :

1. सभी दालों को एक साथ मिलाकर धो लें।
फिर प्रेशर कुकर में 3-4 कप पानी, हल्दी पाउडर, नमक, दालें, अदरक, लहसुन और आम की गुठली डालकर गला लें।
2. एक बड़े चम्मच में घी डालकर गर्म करें।
अब जीरा, हींग और सूखी लाल मिर्च डालकर चटकाएं और दाल में उड़ेल दें।
गरमागरम सर्व करें।

मूंग दाल हलवा

सामग्री :

2 टी स्पून हरी इलायची, 1-12 कप मूंग दाल (धुली), 2-12 2ोया, 2-12 कप दूध, 1 कप चीनी, 1 कप देसी घी, 2 टी स्पून गेहूं का आटा, 12 कप मेवा।

विधि :

दाल को 3-4 घंटे के लिए भीगने दें। थोड़ा सा पानी डालकर दरदरा पीस लें। एक पतले कपड़े में डालकर 1-2 घंटे के लिए लटका दें जिससे उसका पानी निकल जाये।
एक कड़ाही में घी गर्म करें, गर्म घी में 2 टी स्पून आटा डालकर हल्का ब्राउन होने तक फ्राई करें। अब इसमें पिसी दाल डालकर हल्की आंच 15-20 मिनट तक गोल्डन ब्राउन होने तक फ्राई करे। खोये को हाथ से तोड़ लें और फ्राई की गयी दाल में डालकर दोबारा 10-15 मिनट तक भूने। उबला हुआ दूध, चीनी और सूखी मेवा डालकर भूने जब हलवा घी छोड़ने लगे तो इसमें हरी इलायची पीस कर डाल दें और गर्मागर्म हलवा सर्व करें।

हाथों की सुंदरता बढ़ाना चाहते हैं तो ध्यान में रखें ये नुस्खे

आमतौर पर महिलाएं अपने चेहरे की सुंदरता को ही अधिक महत्व देती हैं और हाथों को सुंदर बनाने के लिए कोई विशेष उपाय नहीं करतीं । काम करने के बाद जल्दी-जल्दी हाथ धोकर दूसरे कामों में व्यस्त हो जाती हैं । उन्हें यह बात ध्यान में रखनी चाहिए कि नाखूनों की खूबसूरती भी हाथों की सुंदरता से ही बनी रह सकती है । अतः उन्हें हाथों की खूबसूरती पर विशेष ध्यान देना चाहिए । पेश हैं इसके लिए कुछ विशेष टिप्सः

- हाथों से कोई भी काम करने के पश्चात उन्हें अच्छी तरह साफ करें । हाथ धोने के लिए आप जिस साबुन का प्रयोग कर रही हैं, वह अच्छी क्वालिटी का हो ।
- गाजर, आलू या साग इत्यादि काटने के पश्चात हाथों पर नींबू रगड़ें । धूल, मिट्टी में कार्य करने के पश्चात हाथों को धोकर उन पर ग्लिसरीन लगाएं ।
- हाथों का खुदरापन दूर करने के लिए बेसन में दही मिला कर हाथों पर मलें । हाथों पर रंगत लाने के लिए सोते समय उन पर ग्लिसरीन या मलाई मलें ।
- उंगलियों को हमेशा साफ रखें । अंगूठियों को भी साफ रखना आवश्यक है वर्ना हाथ भद्दे लगेंगे ।
- नहाते समय हाथों को मल-मल कर धोएं ।
- नाखूनों को ब्रश से साफ करें ।
- नाखूनों की चमक लाने के लिए उन पर तारपीन के तेल की मालिश करें ।
- नाखूनों को सदैव गोलाकार ही काटें ।
-अगर आपका रंग सांवला है तो नाखूनों पर हल्के रंग की नेलपालिश ही लगाएं ।
- यदि नाखून छोटे हों तो उन पर नेलपॉलिश न लगाएं क्योंकि इससे वे अधिक छोटे लगेंगे ।
- नाखूनों पर क्यूटेक्स लगाते समय ध्यान रखें कि इन्हें पूरी तरह लगाएं। क्यूटेक्स रिमूवर भी अपने पास उपयुक्त रखें। अगर क्यूटेक्स का रंग हल्का पड़ जाए तो रिमूवर से नाखूनों की सफाई करने के पश्चात उन पर नींबू का रस लगाकर मालिश करें ।

मांसपेशियों के दर्द से राहत पाने के 7 तरीके

डिलेड ऑनसैट मसल्स सोरनैस (डी.ओ.एम.एस.) यानी मांसपेशियों में पीड़ा की समस्या तब सामने आती है जब कोई व्यक्ति अत्यधिक कसरत करता है । इस तरह का दर्द आम तौर पर खिंचाव भरी कसरतों जैसे हैवी वेट लिफ्टिंग, लम्बी दूरी या बहुत तेजी से की जाने वाली रनिंग, अत्यधिक सघन कसरत या एक्सट्रीम स्ट्रैचेज करने के 24 या 48 घंटे के बाद पैदा होती है । अध्ययनों से पता चला है कि डी.ओ.एम.एस. में खिंचाव भरी कसरत के चलते मांसपेशियों, फाइबर तथा मैम्ब्रेन को नुक्सान पहुंचता है । इसके परिणामस्वरूप मांसपेशी में कैल्शियम का स्राव होता है और सैल्यूलर प्रोटीन टूटता है । इससे मांसपेशियों में सूजन आ जाती है जिसे डी.ओ.एम.एस. कहा जाता है । डी.ओ.एम.एस. से बचने का सबसे बढि?ा तरीका है कि कसरत शुरू करने से पहले हल्का सा स्ट्रैच कर लिया जाए। अपनी फिटनैस रूटीन को इस तरह बदलें कि यह धीरे-धीरे और शांत भाव से आगे बढ़े ।

मांसपेशियों के इस दर्द के लक्षणों में अत्यधिक थकान, बिगड़ा हुआ मूड, गति की कम रेंज, भूख का कम होना, नींद संबंधी व्याधियां और हृदय गति का बढना शामिल हैं । इनके परिणामस्वरूप व्यक्ति की तालमेल पैदा करने की क्षमता गड़बड़ा जाती है । लिगामैंटस तथा टैंडन्स पर दबाव बढ़ जाता है और चोट लगने के अवसर भी बढ़ जाते हैं । मांसपेशियों में दर्द को कम करने के लिए कुछ प्राकृतिक औषधियां बहुत कारगर सिद्ध होती हैं । आइए जानते हैं इनके बारे में :

हाईड्रेशन :ढेर सारा पानी पीएं ताकि आपके शरीर से विषैले तत्व बाहर निकलें और डीहाईड्रेशन को रेका जा सके। डीहाईड्रेशन मांसपेशियों के दर्द को अत्यधिक पीड़ादायक बना देती है।

ब्ल्यूबेरीज :ब्ल्यूबेरीज में मौजूद एंटीआक्सीडैंटस मांसपेशियों की थकान से राहत दिलाने में सहायक होती हैं । ये कसरत के दौरान मांसपेशियों द्वारा निर्मित अतिरिक्त फ्री रैडीकल्स को साफ करके ऐसा करती हैं ।

कॉफी :अपने उत्तेजक गुणों के चलते कॉफी कसरत के परिणामस्वरूप होने वाले दर्द को कम कर सकती है ।

फल :अंगूर, अनार तथा जामुनों में नॉन स्टीरॉयडल एंटी-इन्फलामेटरी गुण होते हैं जो डी.ओ.एम.एस. के दर्द को कम करने में बहुत सहायक होते हैं।

अदरक :अदरक में मौजूद यौगिक जिंजेरेल्स सूजन के विरुद्ध काम करते हैं और मांसपेशियों के दर्द से राहत को बढ़ाते हैं।

पेपर स्ट्रिप से दस मिनट में इबोला, डेंगू की पहचान

शोधकर्ताओं ने एक आसान पेपर स्ट्रिप विकसित किया है। इससे जानलेवाइबोलाके साथ साथडेंगूऔर पीला बुखार जैसे वायरल बुखारों का महज दस मिनट में पता लगाया जा सकता है।

मैसाचुसेटस इंस्टीयूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआइटी) के वैज्ञानिक किम्बर्ले हैमड स्किफर्ली ने कहा, इबोला के हालिया प्रकोप में हमने देखा कि कई बार लोगों में लक्षण दिखा और यह स्पष्ट नहीं हो सका कि उन्हें क्या हुआ है।फिलहाल इबोला का पता लगाने का सिर्फ एक तरीका है जिसमें मरीज के खून के नमूने को प्रयोगशाला में भेजा जाता है। यह एक बेहद सटीक लेकिन काफी समय लेने वाला तरीका है। एमआइटी का नया उपकरण नई तकनीक पर आधारित है। इसका इस्तेमाल गर्भ की जांच में होता है और हाल में स्ट्रेप थ्रोट और दूसरे संमणों की जांच में उपयोग हो चुका है।

कई बीमारियों में कारगर

मौजूदा पेपर स्ट्रिप जांच से केवल एक बीमारी की ही पहचान हो सकती है। जबकि एमआइटी का नया स्ट्रिप कलर-कोडेड है। कई बीमारियों की पहचान करने में इसका इस्तेमाल हो सकता है। शोधकर्ताओं ने लाल, नारंगी और हरे सूक्ष्मकणों को तैयार किया और उन्हें एंटीबॉडीज के साथ जोड़ा है जो इबोला, डेंगू और पीला बुखार की पहचान कर सकते हैं।

रंगों से बीमारी की पहचान

स्किफर्ली ने बताया, जब हम रोगी के नमूने को स्ट्रिप से गुजारते हैं और नारंगी रंग का बैंड दिखाई दे तो रोगी को पीला बुखार है। अगर यह लाल बैंड दिखाता है तो इबोला और हरा दिखाई देता है तो उसे डेंगू हुआ है।

कच्चा दूध पीने का मतलब बीमारियों को न्योता

(आईएएनएस) एक नए शोध में यह बात सामने आई है कि पाश्चुरीकृत दूध की तुलना में कच्चा दूध पीने से खाद्य जनित बीमारियों के होने का खतरा 100 गुना तक बढ़ सकता है। जॉन हॉपकिंस विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर ए लिवेबल फ्यूचर (सीएलएफ) में कार्यरत मुख्य शोधकर्त्ता बेंजामिन डेविस ने कहा, 'पाश्चुरीकृत दूध पीने की तुलना में कच्चा दूध पीने से खाद्य जनित बीमारी होने का खतरा 100 गुना बढ़ जाता है।' हाल के दिनों में कच्चा दूध पीना अधिक लोकप्रिय हो गया है। ऐसा माना जाता है कि पाश्चुरीकृत दूध की तुलना में कच्चे

दूध में अधिक प्राकृतिक एंटीबॉडी, प्रोटीन और जीवाणु होते हैं। पाश्चुरीकत दूध अधिक स्वास्थवर्धक, साफ, स्वादिष्ट और शरीर में लैक्टोस की क्षमता को घटाता है। नए अध्ययन से पता चला है कि आमतौर पर दूध में पाया जाने वाला माइक्रोबियल में एशचेरीचिया कोली ओ157:एच7 के साथ संक्रमणकारी सालमोनेला, कैंपीलोबेक्टर और लिस्टेरिया पाया जाता है। आयुर्वेद के अनुसार दूध पिने के कुछ नियम अध्ययनकर्ताओं ने चेतावनी दी है कि ये जीवाणु मनुष्यों में, विशेष रूप से बगों, गर्भवती महिलाओं और व्यस्कों में खाद्यजनित बीमारियों का कारण बनते हैं। इस अध्ययन के लिए अध्ययनकर्ताओं ने गाय का कच्चा दूध पीने से होने वाले स्वास्थ्य जोखिमों और लाभ को जानने के लिए लगभग 1,000 लेखों और प्रकाशित 81 लेखों का निरीक्षण किया।

तरबूज और संतरे से भी होता है इन रोगों का इलाज

जिन फलों में पानी अधिक होता है, उन्हें गर्मी के मौसम में सेहत के लिए सबसे बेहतरीन माना जाता है। तरबूज और संतर गर्मी के मौसम में ज्यादा आता है। इनका सेवन भी इसी मौसम में अधिक लाभदायक माना जाता है।
गर्मी के ये दोनों ही मौसमी फल शरीर को चुस्त और दुरुस्त रखते हैं। आज हम जिक्र कर रहे हैं। इन दोनो फलों से जुड़े पारंपरिक नुस्खों के बारे में और जानेंगे किस तरह आदिवासी इन दोनों फलों का इस्तेमाल रोगों के उपचार के लिए करते हैं...

1.पातालकोट के हर्बल जानकारों की मानी जाए तो तरबूज के बीजों की गिरी और मिश्री की समान मात्रा (6 ग्राम) एक साथ चबाकर खाने से नपुंसकता दूर होती है। इन बीजों को खाने के बाद दूध जरूर पिएं।

2.तरबूज का रस मिट्टी के बर्तन में रातभर खुले आसमान के नीचे रख दें। सुबह इसमें चीनी मिलाकर पिएं। इससे मूत्र में जलन की समस्या खत्म हो जाती है।

3.संतरा बहुत एनर्जी देने वाला फल है। भोजन करने के बाद अगर आधा गिलास संतरे का रस रोज लिया जाए तो पेट का अल्सर ठीक हो जाता है।

4.छांव में सुखाए संतरे के छिलकों को बारीक पीस लें। इस चूर्ण को घी के साथ बराबर मात्रा में मिलाएं। 1-1 चम्मच दिन में 3 बार लें। बवासीर में आराम मिलेगा।

5.आधुनिक विज्ञान भी तरबूज को वियाग्रा से ज्यादा असरदार मानता है। रोज तरबूज का सेवन करने से सेक्स पावर बढ़ता है। रिसर्च के मुताबिक, तरबूज का जूस सेक्स की इच्छा बढ़ाने वाले हॉर्मोन टेस्टास्टेरॉन के स्तर को बढ़ाता है।

6.तरबूज में बीटा-कैरोटीन और एंटीऑक्सीडेंट अधिक मात्रा में पाए जाते हैं। इसीलिए इसके सेवन से शरीर हमेशा जवान बना रहता है। साथ ही, त्वचा से झुर्रियां हमेशा दूर रहती हैं।

7.100 मिली तरबूज के रस में लगभग 2 ग्राम कालीमिर्च का चूर्ण मिलाकर रख लें। इस जूस को दिन में 2-3 बार पिएं। इससे चोट, मोच या दर्द की सूजन दूर हो जाती है।

8.1 कप तरबूज का रस में 1 चुटकी सेंधा नमक डालकर सेवन करें। इससे हाई ब्लड प्रेशर में काफी फायदा होता है।

9.तरबूज का रस मिट्टी के बर्तन में रातभर खुले आसमान के नीचे रख दें। सुबह इसमें चीनी मिलाकर पिएं। इससे मूत्र में जलन की समस्या खत्म हो जाती है।

10.संतरा बहुत एनर्जी देने वाला फल है। भोजन करने के बाद अगर आधा गिलास संतरे का रस रोज लिया जाए तो पेट का अल्सर ठीक हो जाता है।

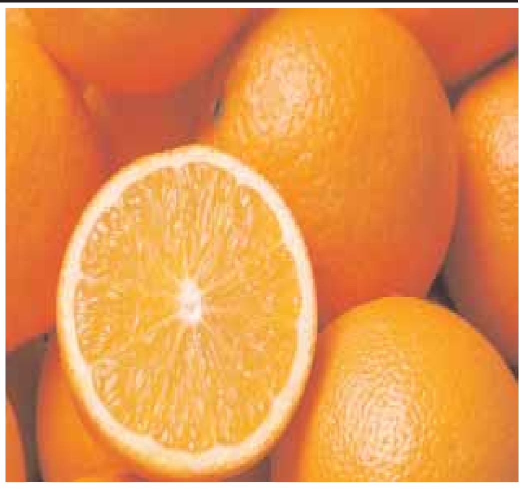

श्री राम कथा के भजनों पर महिलाएं एवं श्रद्धालुओं ने जमकर नृत्य किया

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बूंदी । हनुमान धर्मशाला मैं चल रही श्री राम कथा के पांचवें दिन श्री राम सीता विवाह के प्रसंग पर व्यास पीठ श्री राधे राधे महाराज ने काफी विस्तार से वर्णन किया इस मौके पर भजनों पर महिलाएं एवं श्रद्धालुओं ने जमकर नृत्य किया। कथा आयोजन समिति के संयोजक प्रवीण नामा ने बताया की 20 अप्रैल को भूतेश्वर महादेव से कलश यात्रा प्रारंभ होकर हनुमान धर्मशाला पहुंची उसके पश्चात व्यास पीठ पर विराजमान श्री राधे राधे महाराज ने वैदिक मंत्रोचार के साथ विधि विधान से कथा प्रारंभ की कथा प्रतिदिन दोपहर 12:00 बजे से 4:30 बजे तक नियमित चल रही है जिसका आज पांचवा दिन है आज सीता विवाह पर कथा वाचन किया गया प्रतिदिन अलग-अलग प्रसंग के साथ संगीतमय कथा वाचन किया जा रहा है 23 अप्रैल गुरुवार को हनुमान मंदिर पर छप्पन भोग का भोग लगाकर प्रसाद के रूप में वितरित किया गया श्री राम कथा मंदिर विकास समिति एवं श्रद्धालुओं के जन सहयोग से किया जा रहा है । मंदिर विकास समिति के अध्यक्ष अशोक डिंगल , महामंत्री भंवर सिंह , कोषाध्यक्ष भगवत सिंह कुशवाह,राहुल जैन , सामाजिक कार्यकर्ता पुरुषोत्तम पारीक राम कथा में विशेष सहयोग दे रहे हैं।

आयोजन समिति के संयोजक प्रवीण नामा, उनकी धर्मपत्नी अनीता नामा द्वारा राम कथा में व्यवस्था की जा रही है तथा प्रतिदिन विभिन्न प्रकार से आइसक्रीम, शीतल पेय तथा पंचमेवा सहित मेवा मिष्ठान का प्रसाद वितरित किया जा रहा है तथा दोनों ने बूंदी के सभी भक्त जनों एवं श्रद्धालुओं से अनुरोध किया है कि जनहित एवं बूंदी हित में की जा रही श्री राम कथा में पधार कर पुण्य लाभ कमाए एवं प्रसाद प्राप्त करें ।

एलबीएस स्कूल में शपथ दिलाकर शत प्रतिशत मतदान के प्रति किया जागरूक

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

कोटा। महावीर नगर स्थित स्कूल में स्वीप अभियान के तहत मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके तहत स्कूल के विद्यार्थियों एवं समस्त स्टाफ को शपथ दिलाकर उन्हें शत प्रतिशत मतदान के प्रति जागरूक किया गया। संस्थान के चेयरमैन कुलदीप माथुर ने लोकसभा चुनाव के मद्देनजर आयोजित किए गए मतदाता जागरूकता कार्यक्रम में कहा कि हमें पूर्ण निष्ठा एवं लोकतांत्रिक परम्पराओं की मर्यादा का पालन करना चाहिए। साथ ही हमें लोकसभा चुनाव में निर्वाचन की गरिमा को बनाए रखना होगा। माथुर ने उपस्थित लोगों को अपने मत के बारे में समझाया एवं मतदान के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बालिग व्यक्ति जिसकी उम्र 18 वर्ष से अधिक है उसे अपने मत का उपयोग अवश्य करना चाहिए। ताकि वह देश में लोकतांत्रिक रूप से सरकार के निर्वाचन में अपनी भागीदारी निभा सके और अन्य लोगों को भी मतदान के लिए प्ररित करें की शपथ भी दिलाई ।

डा. वेद प्रकाश गुप्ता लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से मुंबई में सम्मानित

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

कोटा । मिस एण्ड मिसेज - परसोना ऑफ इडिया पीजेन्ट 2024 समारोह के अंतर्गत कोटा के समाजसेवी एवं कोटा कैसर सोसायटी के अध्यक्ष डा. वेद प्रकाश गुप्ता को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड - 2024 से मुंबई रेडीसन ब्ल्यु, इन्टरनेशनल एयरपोर्ट रोड स्थित में पॉच सितारा होटल, में सम्मानित किया गया। जहा डा. वेद प्रकाश गुप्ता के मुख्य आतिथ्य में एक पावर वॉक- टू- डिफीट कैंसर का आयोजन भी किया गया जिसमें बॉलीवुड की प्रसिद्व अभिनेत्री सारा खान, मिस एण्ड मिसेज - परसोना ऑफ इडिया पीजेन्ट 2024 की फाउन्डर एवं चेयरमेन देबाश्री चक्रवती, कोलकाता, पावर वॉक टू डिफीट कैंसर के आयोजन के डायरेक्टर अनिल काला कोटा, डा. शिवम सिंगला, मेडीकल ऑकोलोजिस्ट , एस एल राहेजा होस्पीटल एवं नानावटी होस्पीटल, डा. संदीप एम विप्टे - प्रसिद्व ब्रेस्ट सर्जन, डा. सागर जे अभिचंदानी, मुंबई, कैंसर वारियर्स - वर्षा पोपटानी, नैना डी कानल, शीतल अमोलदेथे, ज्योति अंबेकर एवं ज्योति वाजपेई आदि द्वारा कैसर से जाग्रत करने के लिए रेम्प वॉक की गई। पावर वॉक- टू -डिफीट कैंसर की शो स्टॉपर टीवी एक्ट्रेस मुंस्कान जैन एवं मॉडल इसमाइरल डोंगरे द्वारा कैसर को रोकने के लिए रेम्प वॉक में हिस्सा लिया। डा. शिवम सिंगला एवं डा. संदीप एम विप्टे - प्रसिद्व ब्रेस्ट सर्जन, द्वारा कैसर जैसे खतरनाक बिमारी को रोकने एव जॉच कराने संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी शो में उपस्थित मेहमानों को दी। कार्यक्रम का संचालन अंतर्राष्टीय एंकर सिमरन आहूजा, मुंबई द्वारा किया गया। इस समारोह में विशिष्ट अतिथि के रुप में परफेक्ट वुमन फैशन एण्ड लाइफ स्टाइल मेगजीन की को- फाउंडर एवं एडीटर डा. खुशीगुरुभाई ठक्कर, ब्राइट मीडिया मेनेजमेंट के योगेश लखानी, रेडीसन ब्ल्यु होटल के जीएम हरकरण सेठी, न्यूज चैनल के एडीटर अमित त्यागी, प्रसिद्व टीवी कलाकार सानिया वर्मा, प्रसिद्व मॉडल निकिता राजपुरोहित सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित थे।

भाजपा ने मोदी के नेतृत्व मे 10 साल में विकास की और ऐतिहासिक कदम बढ़ाए

इस शताब्दी की सबसे संबल देने वाली बात यह रही कि बड़ी महामारी कोरोना के समय कुशल नेतृत्व के कारण अन्य देशों के मुकाबले हमारे देश में कम क्षति हुई

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बूंदी । पूर्व भाजपा विधायक अशोक डोगरा एवं भाजपा जिला अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल ने बताया कि मोदी के नेतृत्व में भारत सुरक्षित है। कोरोना की स्वदेशी वैक्सीन बनाकर देश का पैसा बाहर नहीं जाने दिया, वही हमारी प्रतिभा को अन्य देशों में सम्मान भी मिला। पूरे विश्व में हमारे वैज्ञानिकों ओर चिकित्सकों का लोहा माना गया। पिछले 10 सलों में उज्ज्वला योजना के माध्यम से 10 करोड़ माता बहनों को धुएं से मुक्ती मिली। 14 करोड़ परिवारों को नल से जल मिलने लगा, चार करोड़ परिवारों को आवास मिला तीन करोड़ परिवारों को आवास ओर मिलेगा। आयुष्मान भारत योजना के तहत 5 लाख तक का बीमा कवरेज मिला। यह विश्व की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमायोजना है। 10 करोड़ माता बहनों को स्वयं सहायता समूह से जोड़ने का काम हो या एक करोड़ बहनों को लखपति दीदी बनाने का काम या फिर 15000 नमो ड्रोन दीदी के माध्यम से महिलाओं को संबल देने का काम यह सब नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संभव हुआ। 12 करोड़ किसानों को किसान सम्मान निधि के माध्यम से साल में 6000 रूपए सीधा उनके खाते में पहुंच रहे है। राजस्थान में इस साल से यह राशि बढ़ाकर 8000 रुपए सालाना कर दी गई है। मोदीके नेतृत्व में ही 51.74 करोड़ लोगों को बैंक में खाता खोलने की? सुविधा मिली। राजस्थान में भी 3.43 करोड़ लोगों को इसका लाभ मिला। नरेंद्र मोदी के नेतत्व में भगवान श्री राम की जन्म भूमि पर भाव और दिव्य मंदिर का निर्माण सम्भव हुआ। कश्मीर के 370 धारा हटाई गई। जिसके कारण हमारे दलित भाइयों बहनों महिलाओं को को अधिकार मिला है तीन तलाक पर रोक लगादेने से मुस्लिम बहनों को भी सम्मान मिला है। अतं में भाजपा पूर्व विधायक और जिला अध्यक्ष ने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व देश सुरक्षित है। और जिस गति से देश का विकास हुआ वह सब मोदीके नेतृत्व में ही सम्भव है। इसलिए हमारी आमजन से अपील है कि देश के विकास के लिए नरेंद्र मोदी के हाथ मजबूत करें।

पूर्व संचालिका दिवंगत राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी कमला दीदी के तृतीय पुण्यतिथि के निमित्त ' स्नेह सुमनांजली '

हाइपोथैरेपिस्ट मोटीवेटर ब्रह्माकुमारी तुलसी दीदी ने सेल्फ मैनेजमेंट के गुरु सिखाये, कहा स्व प्रबंधन एक कला है जो स्वयं के विचारों को सही दिशा देने से अपनी सोच को बदलने से आती है

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बूंदी । प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के स्थानीय बाहरली बूंदी स्थित सेवा केंद्र की पूर्व संचालिका दिवंगत राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी कमला दीदी के तृतीय पुण्यतिथि के निमित्त ÷ *स्नेह सुमनांजली ÷* सात दिवसीय कार्यक्रमों के अंतर्गत प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया को वापी से पधारी हाइपोथैरेपिस्ट मोटीवेटर ब्रह्माकुमारी तुलसी दीदी ने सेल्फ मैनेजमेंट के गुरु सिखाये। मीडिया से जुड़े सभी प्रतिनिधियों ने आदरणीय कमला दीदी को पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। केंद्र प्रभारी राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी रजनी दीदी ,ब्रह्माकुमारी गीता दीदी , जिला परिवहन अधिकारी प्रमोद लोढ़ा ने कमला दीदी को याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। सेल्फ मैनेजमेंट के गुरु सिखाते हुए ब्रह्माकुमारी तुलसी दीदी ने बताया कि स्व प्रबंधन एक कला है जो स्वयं के विचारों को सही दिशा देने से अपनी सोच को बदलने से आती है। लेकिन जब अहंकार हम पर हावी हो जाता है तो अपमान ,अस्थिरता, अशांति से अंतःकरण भर जाता है। इसलिए जरूरत है अपनी वास्तविक पहचान को अनुभव कर अहंकार से मुक्त होने की। स्वयं का मूल स्वरूप ही शांति है। लेकिन जब हम उसे गहरे रूप में महसूस करते हैं तो मनोस्थिति शांत होना शुरू हो जाती है। जब हम सोच को बदलना शुरू करते हैं तब हमारे व्यवहार पर दूसरों का नियंत्रण नहीं रहता और हम स्थिति को व्यक्ति को सही तरीके से पार कर सकते हैं। स्व प्रबंधन के लिए जरूरी है रोज वास्तविक स्वरूप को महसूस कर आंतरिक शांति, खुशी और स्थिरता को बढ़ाते जाना और इस अनुभूति को हर कार्य में उपयोग करते जाना। हमारे विचारों को हम दो ही दिशा में ले जा सकते हैं या तो सकारात्मक या तो नकारात्मक दिशा में और जिस दिशा में विचार चलाने हैं वैसे ही अनुभूति हो जाती है तो जब हमारे विचारों को किसी भी परिस्थिति में सकारात्मक दिशा में ले जाएंगे तो परस्थिति हमें विचलित नहीं कर सकती। उन परस्थिति में भी कुछ अच्छा देख पाएंगे। जब हम खुद को रोज ज्ञान से भरपूर करते जाएंगे तभी विचारों को भी सही दिशा दे सकेंगे। आंतरिक सशक्तिकरण के लिए निरंतर ज्ञान और राजयोग के अभ्यास से स्वयं पर नियंत्रण अपने आप आ जाता है। ब्रह्माकुमारी रजनी दीदी ब्रह्माकुमारी गीता दीदी ने सभी मीडिया से संबंधित प्रतिनिधियों को बेज पहनाकर पौधा अर्पित किया। मीडिया के प्रतिनिधियों को प्रभु प्रसाद ब्रह्मा भोजन कराया गया। केंद्र प्रभारी ब्रह्माकुमारी रजनी दीदी ने बताया हम सबके आति स्नेही आदरणीय कमला दीदी की तृतीय पुण्यतिथि के अवसर पर दिनांक 25 अप्रैल को डॉक्टर के लिए द सीक्रेट ऑफ़ माइंड पॉवर कार्यक्रम रखा गया है। दिनांक 26 अप्रैल 2024 को व्यापारियों एवं सामाजिक सेवा से जुड़े लोगों के लिए स्ट्रेस मैनेजमेंट कार्यक्रम, दिनांक 27 अप्रैल को सरकारी हॉस्पिटल में पेशेन्टो के बीच फल वितरण कार्यक्रम एवं दिनांक 28 अप्रैल 2024 को रक्तदान शिविर, दिनांक 1मई 2024 मजदूर दिवस पर कार्यक्रम , 2 मई 2024 को भावसुमनांजलि कार्यक्रम रखा जाएगा।

चुनाव आयोग की चुप्पी आश्चर्यजनकः गुंजल

शासन प्रशासन पर लगाए लोगों को डराने धमकाने के आरोप

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

कोटा । कोटा बूंदी लोकसभा से कांग्रेस उम्मीदवार प्रहलाद गुंजल ने बुधवार को कोटा शहर में जन संघर्ष व जन समर्थन यात्रा निकाल कर वोट मांगे। गुंजल ने कहा कि बिरला जी के दस साल के कर्मों की किताब जांच लो मेरी गारंटी है एक वोट नहीं मिलेगा ताकतवर कुर्सी पर बैठने के बाद भी आपने क्षेत्र के साथ कोई न्याय नहीं किया। गुंजल ने कहा कि मैं हमेशा से एक बात का पक्षधर रहा हूं सरकारे सुरक्षा की गारंटी होती है भय का कारण नहीं और जब-जब सरकारे भय का कारण बनी है तो मशाल हाथ में लेकर जनता आई है और सरकारों को सिंहासन से नीचे का रास्ता दिखाया है। इसीलिए आज जनता बिरला जी को जमीन पर लाने का मन बना चुकी है। गुंजल ने अपील करते हुए कहा कि आप हर चुनाव में विश्वास देते हैं मूल्यांकन कीजिए किस व्यक्ति ने आपका विश्वास लेकर आपका कितना जीवन बदल दिया मैं इस बात का आश्वासन देता हूं यदि आपने मुझ पर विश्वास जताया तो मैं आपकी विश्वास को टूटने नहीं दूंगा । गुंजल ने कहा कि यह चुनाव मेरा नहीं है यह आपका चुनाव है। अब यह चुनाव बीजेपी कांग्रेस का नहीं अभिमान वर्सेस स्वाभिमान का चुनाव हो गया है।

मतदान के प्रति अलख जगाने को किया वोट रोड शो का आयोजन

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बूंदी । व्यापक मतदाता जागरूकता गतिविधियों के तहत जैतसागर रोड पर जिला इलेक्शन आइकॉन डॉ सर्वेश तिवारी के नेतृत्व में महिला बाल विकास विभाग व भारत स्काउट गाइड टीम के संयुक्त प्रावधान में आमजन को मतदान के लिए प्रेरित करने हेतु वोट रोड शो का आयोजन किया गया। जिसमे आकर्षक जागरूकता गीत, शपथ और भव्य रंगोली सजाकर राहगीरों में 26 अप्रैल को वोट करने हेतु अलख जगाई। आयोजन में मुख्य अतिथि दिल्ली से आई सामाजिक कार्य प्रबंधन रिसर्चर श्रुति शर्मा रही। दिव्यांग मतदाता सोनिया सोमानी, वरिष्ठ मतदाता सामाजिक कार्यकर्ता रामप्यारी प्रजापत, स्वीप कार्यकर्ता गायत्री पंचोली विशिष्ट वक्ता रही।

आयोजन की प्रभारी सीओ गाइड मधु कुमारी वर्मा के स्कार्फ पहनाकर अतिथियों का स्वागत अभिनंदन से हुई । मुख्य अतिथि सोशल एक्टिविस्ट श्रुति शर्मा ने अपने अनुभव साझा करते हुए मजबूत राष्ट्र के लिए मजबूत लोकतंत्र तथा मतदान के महत्व को बताया। भव्य आयोजन में महिला पर्यवेक्षक उषा शर्मा ने ÷मतदाता की जागरूकता से देश संवर जायेगा÷ गीत की सुमधुर संगीतमय प्रस्तुति से वातावरण को जन चेतना कारी बना दिया। मतदान जागरूकता की शपथ दिलाते हुए इलेक्शन आइकॉन डॉ सर्वेश तिवारी ने मतदान दिवस को अधिकाधिक मतदान के लिए प्रेरित किया। रामप्यारी प्रजापत व सोनिया सोमानी सहित स्काउट गाइड आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने शत प्रतिशत मतदान की अपील की।

लालच पर होगी चोट, सोच समझकर करेंगे वोट थीम पर सतरंगी सप्ताह के अंतिम दिन हुआ दीपदान

जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशन में मनाये जा रहे सतरंगी सप्ताह के अंतिम दिवस पर रंगोली बनाकर दीपदान का भव्य आयोजन किया गया। जैतसागर स्थित गिनती के बालाजी चबूतरे पर खुले प्रांगण में महिलाओं ने आकर्षक मतदान जागरूकता की रंगोली बनाकर उसे दीपों से सजाया । जिला इलेक्शन आइकॉन तिवारी ने ÷लालच पर होगी चोट सोच समझकर करेंगे वोट÷ नारों के साथ दीपदान से मतदान का संकल्प दिलाया। कार्यक्रम का संचालन कैंपस एंबेसडर सिद्धि नामा व अक्षरा गौतम ने किया। महिला पर्यवेक्षक प्रभारी अनीता शर्मा ने सभी का आभार प्रकट किया । आयोजन में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता संगीता खत्री ,सुरमा बोयत, प्रवीन बानो , रुचि शर्मा, आशा राठौर , सोनिया शर्मा , राजेश , भारती , मोनिका , बबली , उषा मीणा , किरण , रेंजर पिंकी रेगर , प्रतिभा वर्मा मोना सैनी, मेनका सोनी , ज्योत्सना कुमावत , सुरेंद्र कुमार शर्मा, मतदाता जागरूकता मित्र तनीषा प्रजापत, रोवर गुलशन ने सक्रिय भूमिका निभाई। इस अवसर पर आम जन सहित आंगनवाड़ी, महिला बाल विकास विभाग, स्वीप टीम के सदस्यों ने सहभागिता की।

शिक्षा विभाग का मतदान हेतु नवाचार लॉन्च, कुछ घंटों में ही तीन हजार से अधिक व्यक्तियों ने लिया संकल्प卐

शिक्षा विभाग द्वारा मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के तहत अभिभावकों व आमजन को मतदान के लिए प्रेरित और संकल्पित करने के लिए डिजिटल मतदान संकल्प नवाचार को लॉन्च किया गया है।

मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी डॉ महावीर कुमार शर्मा वह जिला इलेक्शन आइकॉन डॉ सर्वेश तिवारी द्वारा अधिकाधिक मतदान के लिए निर्मित इस संकल्प को बटन दबाकर शिक्षा विभाग के कर्मचारियों के साथ जारी किया। साथी जिले में शत प्रतिशत मतदान की अपील की गई। जारी होने के कुछ घंटे के अंदर ही डिजिटल संकल्प से जुड़कर तीन हजार तीन सो व्यक्तियों ने वोटिंग करने का संकल्प लिया। राकेश माहेश्वरी ने कहा कि इस डिजिटल लिंक के माध्यम से मतदान संकल्प पर अपनी सहमति बटन दबाकर सबमिट करनी है जो कि स्वीप ग्रुप, शिक्षा विभाग व इलेक्शन आइकॉन के सोशल मीडिया अकाउंट्स पर उपलब्ध है ।

जिला पुलिस अधीक्षक हनुमान प्रसाद मीणा की मतदाताओं से अपील

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बूंदी । जिला पुलिस अधीक्षक हनुमान प्रसाद मीणा ने जिले के मतदाताओं से अपील की है कि लोकसभा चुनाव, 2024 के तहत 26 अप्रेल 2024 को मतदाता भयमुक्त होकर अपने मताधिकार का प्रयोग करें।

सोशल मीडिया पर अवांछित सामग्री नहीं डाले, जिससे किसी की भावना को ठेस पहुचे। उन्होंने कहा कि पुलिस ने मतदान दिवस पर जिलेभर में सुरक्षा के समुचित प्रबंध किए है। मतदाता अधिक से अधिक संख्या में मतदान केन्द्रों पर पहुंचकर मतदान करें और लोकतंत्र की सुदृढ़ करने में अपनी सहभागित निभाएं।

डॉक्टर नरेंद्र सिंह बालापुरा भाजपा में हुए शामिल

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बून्दी । आजाद पार्क में आयोजित सभा में माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी एवं कोटा बून्दी लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी माननीय ओम बिरला जी की उपस्थिति में जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष एवं महामंत्री रहे डॉ0 नरेन्द्र सिंह बालापुरा ने कांग्रेस छोड़कर भाजपा की सदस्यता ग्रहण की है। डॉ0 नरेन्द्र सिंह द्वारा भाजपा ज्वाईन करने पर उनके समर्थकों व भाजपा कार्यकर्ताओं में हर्ष की लहर है। इनके भाजपा में शामिल होने से भाजपा को काफी मजबूती मिलेगी।

बाणगंगा में जानवरों,पक्षियों के लिए पानी की टंकिया

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बूंदी । भीषण गर्मी को देखते हुए बाणगंगा में जानवरों बंदरो एवं पक्षियों को पानी पीने की व्यवस्था नहीं होने से रोटरी क्लब बूंदी द्वारा आज तीन सिमेंट की टंकियां और एक टंकी पक्षियों के लिए पानी पीने की व्यवस्था हेतु कुल चार टंकियां रखी गई। रोटरी अध्यक्ष घनश्याम जोशी ने बताया कि रोटरी के वरिष्ठ पूर्व अध्यक्ष के सी वर्मा के सहयोग से टंकिया बागगंगा में रखी गई है।टंकियों को भरते ही बहुत सारे बंदरों ने पानी पीकर अपनी प्यास बुझाई। इस मौके पर के सी वर्मा,चंद्र प्रकाश सेठी ,पुजारी त्रिलोक पुरी,परमेश्वर, सत्यनारायण, आदि मौजूद रहे ।

लोकसभा चुनाव 2024 की तैयारियों को लेकर जिला निर्वाचन अधिकारी ने ली समीक्षा बैठक

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बूंदी । लोकसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर चुनाव की तैयारियों के संबंध में विभिन्न प्रकोष्ठ प्रभारियों एवं सहायक प्रभारियों के साथ जिला निर्वाचन अधिकारी अक्षय गोदारा की अध्यक्षता में बुधवार को कलेक्ट्रेट कक्ष में समीक्षा बैठक का आयोजन हुआ। इसमें अब तक की गई तैयारियों की समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी ने विभिन्न प्रकोष्ठ प्रभारियों एवं सह प्रभारियों को लोकसभा चुनाव से संबंधित कार्यो के सफल क्रियान्वयन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। इस दौरान उन्होंने समस्त प्रकोष्ठों के तहत किए जा रहे कार्यो तथा तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने मतदान दलों की रवानगी के लिए वाहन व्यवस्था की जानकारी लेते हुए मुख्य कार्यकारी अधिकारी को निर्देश दिए की संबंधित सहायक रिटर्निंग अधिकारियों को उनकी आवश्यकता अनुसार वाहन उपलब्ध करवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने मतदान दलों की रवानगी के लिए राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बूंदी में पार्किंग व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण व्यवस्था, पानी आदि के समुचित प्रबंध करने के निर्देश संबंधित प्रकोष्ठ प्रभारी को दिए। उन्होंने कहा कि सभी प्रकोष्ठ प्रभारी मतदान दल रवानगी स्थल पर अपने-अपने प्रकोष्ठों से संबंधित तैयारियों को जांच लें। जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्देश दिए कि चुनाव में नियुक्त मतदान से शेष रहें कार्मिकों के डाक मतपत्र के माध्यम से मतदान करवाया जावे। उन्होंने मतदान दल रवानगी के दिन मतदान दलों को दिए जाने वाली चुनाव सामग्री के बैग के वितरण की तैयारी सुनिश्चित कर ली जावे। उन्होंने कम मतदान प्रतिशत वाले मतदान केन्द्रों पर अधिक से अधिक मतदान करवाने के लिए कार्ययोजना बनाकर तहसीलदार, पटवारी, गिरदावर, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के माध्यम से मतदाताओं को मतदान करने के लिए प्रेरित करने के निर्देश संबंधित सहायक रिटर्निंग अधिकारियों को दिए। मतदान केंद्रों पर दिव्यांग ,बुजुर्ग मतदाताओं के सहयोग के लिए स्काउट, एनसीसी,गाइड के साथ बेहतर क्रियान्वयन करना सुनिश्चित करें। बैठक में उपजिला निर्वाचन अधिकारी घनश्याम शर्मा, मुख्य कार्यकारी अधिकारी दुर्गाशंकर मीणा, अतिरिक्त जिला पुलिस अधीक्षक उमा शर्मा, हिंडोली उपखंड अधिकारी विनोद मीणा, बूंदी उपखंड अधिकारी दीपक मित्तल, केशवरायपाटन उपखंड अधिकारी दीपक महावर ,एसीबीईओ ऋषिराज शर्मा, सहित विभिन्न प्रकोष्ठों के प्रभारी अधिकारी उपस्थित रहे ।

हनुमान धर्मशाला में चल रही श्री राम कथा में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बूंदी । हनुमान धर्मशाला मैं चल रही श्री राम कथा के पांचवें दिन श्री राम सीता विवाह के प्रसंग पर व्यास पीठ श्री राधे राधे महाराज ने काफी विस्तार से वर्णन किया इस मौके पर भजनों पर महिलाएं एवं श्रद्धालुओं ने जमकर नृत्य किया। कथा आयोजन समिति के संयोजक प्रवीण नामा ने बताया की 20 अप्रैल को भूतेश्वर महादेव से कलश यात्रा प्रारंभ होकर हनुमान धर्मशाला पहुंची उसके पश्चात व्यास पीठ पर विराजमान श्री राधे राधे महाराज ने वैदिक मंत्रोचार के साथ विधि विधान से कथा प्रारंभ की कथा प्रतिदिन दोपहर 12:00 बजे से 4:30 बजे तक नियमित चल रही है जिसका आज पांचवा दिन है आज सीता विवाह पर कथा वाचन किया गया प्रतिदिन अलग-अलग प्रसंग के साथ संगीतमय कथा वाचन किया जा रहा है 23 अप्रैल गुरुवार को हनुमान मंदिर पर छप्पन भोग का भोग लगाकर प्रसाद के रूप में वितरित किया गया श्री राम कथा मंदिर विकास समिति एवं श्रद्धालुओं के जन सहयोग से किया जा रहा है । दिर विकास समिति के अध्यक्ष अशोक डिंगल , महामंत्री भंवर सिंह , कोषाध्यक्ष भगवत सिंह कुशवाह,राहुल जैन , सामाजिक कार्यकर्ता पुरुषोत्तम पारीक राम कथा में विशेष सहयोग दे रहे हैं। आयोजन समिति के संयोजक प्रवीण नामा, उनकी धर्मपत्नी अनीता नामा द्वारा राम कथा में व्यवस्था की जा रही है तथा प्रतिदिन विभिन्न प्रकार से आइसक्रीम, शीतल पेय तथा पंचमेवा सहित मेवा मिष्ठान का प्रसाद वितरित किया जा रहा है तथा दोनों ने बूंदी के सभी भक्त जनों एवं श्रद्धालुओं से अनुरोध किया है कि जनहित एवं बूंदी हित में की जा रही श्री राम कथा में पधार कर पुण्य लाभ कमाए एवं प्रसाद प्राप्त करें ।

जिला एवं सेशन न्यायाधीश सतीशचंद ने किया जिला कारागृह का औचक निरीक्षण

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

» धौलपुर ... जिला कारागृह का औचक निरीक्षण करते जिला एवं सत्र न्यायाधीश सतीश चंद व एडीजे सुनीता मीणा

धौलपुर। बुधवार को अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (जिला एवं सेशन न्यायाधीश) धौलपुर सतीश चंद द्वारा जिला कारागृह धौलपुर का निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान उन्होने बंदियों को कारागृह मे मिलने वाली सुविधाओं जैसे भोजन, नाश्ता, स्वच्छ पेयजल चिकित्सकीय सुविधाओं व रसोईघर, बैरक इत्यादि की साफ- सफाई का जायजा लिया तथा कारागृह के बंदियो से रूबरू होकर उनके प्रकरणों से संबंधित जानकारी ली। जिला न्यायाधीश सतीश चंद ने बंदियों को बताया कि यदि किसी विचाराधीन बंदी का उसके प्रकरण मे पैरवी हेतु कोई अधिवक्ता नही है तो ऐसे बंदी जैल अधीक्षक को अथवा संबंधित न्यायालय के समक्ष उपस्थित होने पर न्यायालय को अवगत करावे तथा उनके माध्यम से नियमानुसार अधिवक्ता नियुक्ति हेतु विधिक सहायता का प्रार्थना पत्र जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, धौलपुर को भिजवावे जिससे ऐसे बंदीगण की ओर से पैरवी हेतु प्राधिकरण द्वारा निःशुल्क अधिवक्ता उपलब्ध करवाया जा सके। इसी प्रकार ऐसे सजायाफ्ता बंदी जिन्होने सजा के खिलाफ अपील नही की है और वह अपील करना चाहता है तो ऐसे बंदी को विधि अनुसार अपील करने का पूर्ण अधिकार है और ऐसे बंदी को भी अपील हेतु विधिक सहायता के माध्यम से निःशुल्क अधिवक्ता उपलब्ध करवाया जावेगा। इस मौके पर सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश) सुनीता मीणा, जिला न्यायालय के पीए मनोज वर्मा, प्राधिकरण के कनिष्ठ लिपिक प्रदीप शर्मा, जेल अधीक्षक सुमन कुमारी, जेलर पूरन सिंह हैडकॉनि. मनोज सहित कारागृह का स्टॉफ एवं बंदीजन मौजूद रहे।

» धौलपुर ... बाड़ी रोड से अतिक्रमण हटाती नगर परिषद की जेसीबी

नगर परिषद ने बाड़ी रोड पर अतिक्रमण हटाया

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर। शहर में जाम की समस्या से लोगों को निजात दिलाने के लिए पुलिस के साथ नगर परिषद ने अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। शहर के गुलाब बाग चौराहे से लेकर जगदीश तिराहे तक अवैध रूप से खड़े हाथ के ठेलों को हटाने के साथ ही नगर परिषद ने दुकानों के सामने अस्थाई अतिक्रमण कर रखे सामान को जब्त कर लिया। कोतवाली थाना प्रभारी प्रमेन्द्र रावत के साथ अतिक्रमण हटाने पहुंचे नगर परिषद आयुक्त अशोक शर्मा ने बताया कि पूर्व में राजस्थान हाईकोर्ट द्वारा अतिक्रमण हटाने के आदेश दिए गए। जिसके साथ ही धौलपुर शहर में अतिक्रमण हटाने के लिए पिछले कुछ दिनों से नगर परिषद के साथ पुलिस की टीम लगातार दुकानदारों से अस्थाई अतिक्रमण हटाने की अपील कर रही थी। नगर परिषद आयुक्त ने बताया कि बरसात के मौसम में अस्थाई अतिक्रमण की वजह से जल भराव की समस्या बनी रहती है। उन्होंने बताया कि जलभराव के साथ जाम की समस्या से लोगों को निजात दिलाने के लिए अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई है।

नगर परिषद आयुक्त ने बताया कि बुधवार को शुरू किया गया अभियान लगातार जारी रहेगा। अभियान के तहत शहर भर के सभी हिस्सों से अतिक्रमण हटाकर जाम के साथ ड्रेनेज सिस्टम को सुधारा जाएगा। शहर में चलाए गए अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान नगर परिषद कर्मचारियों के साथ भारी पुलिस बल मौजूद रहा।

» बाड़ी ... दुर्घटना में घायल अस्पताल में भर्ती

बाड़ी : 24 घंटे में शहर में दो सड़क हादसे

दो महिलाओं सहित चार घायल, दो की हालत गंभीर

बेरा बाबा के सर्शन कर लौट रहे बाइक सवार श्रद्धालुओं को मारी टक्कर

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बाड़ी। शहर के दो अलग-अलग सड़क मार्गो पर पिछले 12 घंटे में दो सड़क हादसे सामने आए हैं। जिसमें दो महिलाओं सहित चार लोग घायल हुए है। सभी घायलों को बाड़ी शहर के सामान्य अस्पताल भर्ती कराया गया है। जहां से एक महिला और एक युवक को गंभीर हालत के चलते जिला अस्पताल धौलपुर रेफर किया गया है।

जानकारी के अनुसार पहला सड़क हादसा शहर के उमरेह रोड पर विशिनगिर बाबा को जाने वाले मोड पर हुआ है। जहां धौलपुर के दिहोली थाना क्षेत्र के पहाड़ी मरैना गांव निवासी दो महिला और एक पुरुष जो बाइक से बेरा बाबा के दर्शन कर वापस लौट रहे थे। तीनों बाइक सवारों को एक दूसरे बाइक सवार ने टक्कर मार दी। उक्त दुर्घटना में दो महिला और एक पुरुष घायल हो गए। जो खुद ही जैसे तैसे सामान्य अस्पताल पहुंचे। जहां उनका उपचार किया जा रहा है। घटना में घायल एक महिला गंभीर है जिसे धौलपुर रेफर किया है।

अस्पताल में भर्ती घायल महिला आशा पत्नी निरंजन ने बताया कि वह अपनी ननद कमलेश और पति निरंजन के साथ विशिनगिर (वेरा) बाबा के दर्शन करने गई थी। जहां से बाइक द्वारा वापस लौट रहे थे। इस दौरान बाड़ी के उमरेह मोड पर अचानक से दूसरी बाइक पर सवार तीन लोगों ने उन्हें टक्कर मार दी। दुर्घटना में दूसरी बाइक पर सवार युवक भी सड़क पर गिरे लेकिन वह उठकर भाग गए। घटना के बाद मौके पर भीड़ जमा हो गई। जिन्होंने उन्हें उठाया और उनके पति निरंजन जैसे-तैसे बाइक को चलाकर बाड़ी अस्पताल लेकर आए। जहां उन्हें भर्ती किया है। घटना में घायल उनकी ननद कमलेश पत्नी रिंकू नाई की हालत खराब है जिसे धौलपुर रेफर किया है।

वही दूसरी सड़क दुर्घटना शहर के धनोरा रोड पर गुरुद्वारे के पास हुई है। जहां एक बाइक सवार को अज्ञात वाहन ने टक्कर मारी है। उक्त दुर्घटना में घायल 25 वर्षीय हमीद पुत्र निसार खां निवासी गुमट बाड़ी को अस्पताल में भर्ती कराया है। जहां से हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल धौलपुर रेफर किया गया है। घायल हमीद रिंग रोड के किसी होटल पर काम करता है। जहां से किसी काम से गया था।

जिले को अनीमिया मुक्त बनाने के लिए मनाया शक्ति दिवस

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर। राजस्थान को अनीमिया मुक्त करने हेतु प्रदेश भर में प्रत्येक मंगलवार को शक्ति दिवस मनाया जाता है इस मंगलवार को जिले में स्थानीय अवकाश होने के कारण बुधवार को सरकारी विद्यालयों, आयुष्मान स्वास्थ्य कल्याण केन्द्र के साथ साथ आंगनबाड़ी केंद्रों शक्ति दिवस का आयोजन किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जयंती लाल मीणा ने बताया कि आज शक्ति दिवस पर बच्चों, किशोर-किशोरियों, गर्भवती महिलाओं तथा धात्री माताओं के लिए अनीमिया मुक्ति से संबंधित गतिविधियां आयोजित की जा रही है। जिसमें अनीमिया की स्क्रीनिंग, जांच, उपचार तथा अनीमिया के प्रति जागरुकता के लिए विभिन्न विभागों की सहभागिता से कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.गौरव मीणा ने बताया जिले में सभी स्वास्थ्य केंद्रों, आंगनबाड़ी केंद्रों तथा सरकारी विद्यालयों में आज शक्ति दिवस का आयोजन किया गया। अभियान के अंतर्गत लक्षित लाभार्थियों में 6 माह के बच्चों से लेकर 59 माह तक के बच्चों, किशोर-किशोरियां, 20 24 वर्ष की विवाहित महिलाएं, गर्भवती महिलाएं व धात्री माताओं को शामिल किया गया है। प्रत्येक मंगलवार को आयोजित शक्ति दिवस के दौरान आशा सहयोगिनियों द्वारा 6 माह से 59 माह तक के बच्चों को, 5 से 9 वर्ष के विद्यालय नहीं जाने वाले बच्चों को, 10 से 19 वर्ष की विद्यालय नहीं जाने वाली समस्त किशोरी बालिकाओं को 20 से 24 वर्ष की विवाहित महिलाओं को एवं गर्भवती महिलाओं को एवं धात्री माताओं को आँगनबाडी केन्द्र पर मोबिलाईज किया गया। आशाओं द्वारा 6 माह से 59 माह तक के बच्चों को 1द्वद्य आईएफए सिरप पिलाई तथा, 5 से 9 वर्ष के विद्यालय नहीं जाने वाले बच्चों को आईएफए की गुलाबी गोली खिलाने का कार्य किया गया। अभियान में 10 से 19 वर्ष की विद्यालय नहीं जाने वाली समस्त किशोरी बालिकाओं को आईएफए की नीली गोली खिलाई गई। 6 माह से 59 माह तक के बच्चों की 5 से 9 वर्ष के विद्यालय नहीं जाने वाले बच्चों की 10 से 19 वर्ष की विद्यालय नहीं जाने वाली समस्त किशोरी बालिकाओं, 20 से 24 वर्ष की विवाहित महिलाओं, गर्भवती महिलाओं एवं धात्री माताओं की अनीमिया हेतु स्क्रीनिंग शारीरिक लक्षणों के आधार पर करने का कार्य अभियान के दौरान किया गया।उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के दिशा-निर्देशानुसार 10 से 19 वर्ष तक की विद्यालय नहीं जाने वाली किशोरी बालिकाओं को आंगनबाड़ी कार्यकर्ता द्वारा आईएफए की नीली गोली खिलाने का कार्य किया जा रहा है।जिले को अनीमिया मुक्त बनाने की दिशा मे यह अभी राज्य सरकार के निर्देशानुसार इस अभियान का लगातार आयोजन किया जा रहा है।

अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन की राष्ट्रीय आमसभा अग्रोहा शक्ति पीठ में धौलपुर से शामिल होंगे सैकड़ो अग्रबंधु

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर। अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन की राष्ट्रीय आम सभा 28 अप्रैल 2024 को अग्रोहा शक्ति पीठ हिसार में आयोजित की जा रही है। जिला अग्रवाल महासमिति धौलपुर के महामंत्री राजेश गर्ग ने बताया कि सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल शरण गर्ग एवं पूर्वी राज. प्रदेश अध्यक्ष गिरीश गर्ग नें सम्मेलन के सभी सदस्यों को आम सभा में सादर निमंत्रण दिया है इसी संदर्भ में महासमिति के जिला अध्यक्ष ऋषि मित्तल एवं कार्यकारिणी नें धौलपुर जिले के सम्मेलन के सभी सदस्यों ब अग्रबन्धुओं को अग्रबंश की जन्मस्थली पावन तपोभूमि अग्रोहा धाम की यात्रा लें जाने का निर्णय लिया। ये यात्रा बसों द्वारा बाड़ी एवं धौलपुर से दिनांक 27 अप्रैल शनिवार को रात्रि 8 बजे रवाना होंगी यात्रा में जाने बाले अग्रबंधू जिलाध्यक्ष ऋषि मित्तल जिलामहामंत्री राजेश गर्ग युवा जिलाध्यक्ष डॉ. प्रखर मंगल एवं ईकाइयों के अध्यक्ष ब मंत्री से संपर्क कर यात्रा की पूरी जानकारी प्राप्त कर सकते है एवं अपनी बुकिंग करा सकते है।

डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की भव्य शोभायात्रा निकाली

» मनियां ... अम्बेडकर शोभायात्रा के दौरान उपस्थित समाज के लोग

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर। बुधवार को डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के 133 वें जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में मनियां कस्बे में भारत रत्न डॉक्टर भीम राव अंबेडकर की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभा यात्रा का शुभारंभ देवेश कुमार थानाधिकारी मनिया एवम श्रीपति ठेकेदार अध्यक्ष शोभा यात्रा समिति के द्वारा फीता काटकर पुलिस स्टेशन के पास से किया गया। शोभायात्रा में 15 झांकियां एवम 7 बैंड शामिल हुए। शोभायात्रा जीटी रोड से होते हुए मांगरोल रोड, मैन बाजार से निकाली गई। जिसका समापन अंबेडकर पार्क मैन बाजार मनिया पर किया गया। शोभा यात्रा से पहले सभी गणमान्य नागरिकों का पंचशील का साफा पहनकर स्वागत किया गया और स्मृति चिन्ह भेंट किए गए। शोभा यात्रा का जगह-जगह सर्व समाज के लोंगों द्वारा स्वागत सत्कार किया। रात्रि काल में मिशनरी कलाकारों द्वारा रात्रि जागरण कार्यक्रम हाट मैदान में आयोजित हुआ। शोभायात्रा में डॉ आंबेडकर अनुसूचित जाति अधिकारी कर्मचारी संगठन के पदाधिकारियों ने पूर्ण सहयोग किया शोभायात्रा में डंडोली, दुवाटी, दुर्गपुरा, बराबठ, फूलपुर, जयेरा, टांडा कासगंज, महूरी, जलालपुर, आदि गांव के लोग शामिल हुए। कार्यक्रम के संयोजक अशोक कोठारी उपप्राचार्य, मानसिंह भास्कर, करुआ राम जाटव, श्यामचंद अध्यापक, हरदयाल सिंह अध्यापक, सुरेश चंद अध्यापक, रंजीत सिंह अध्यापक, धर्मवीर अध्यापक, महेश चंद, वीनेश, राजू, विजेंद्र सिंह, जसवंत सिंह, मोहन सिंह, मोहनलाल, मुन्नालाल नेता, रामसिंह नेता, बहादुर सिंह अध्यापक, अजय सोनी, पोखन सिंह बाबू, श्रीपति लाल ठेकेदार, विनोद कुमार, गोपी चंद, संजय, बच्चू सिंह अध्यापक, पातीराम सचिव, रामवीर सिंह शारीरिक शिक्षक डॉक्टर विजय सिंह, भूपसिंह अध्यापक आदि ने शोभायात्रा के दौरान महती भूमिका प्रदान की।

» धौलपुर ... तीर्थराज मचकुण्ड में भागवत सप्ताह के लिये कलश यात्रा निकालते भक्तजन

कलश यात्रा के साथ तीर्थराज मचकुंड पर भागवत सप्ताह शुरू

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर। अवधूत संत श्री श्री 1008 श्री पागल बाबा के सानिध्य में रानी गुरु मंदिर तीर्थराज मचकुंड धौलपुर पर बुधवार को सुबह विष्णु महायज्ञ एवं दोपहर में भागवत सप्ताह का शुभारंभ किया गया। इससे पहले सुबह कलश यात्रा निकाली गई। संत पागल बाबा ने बताया कि बुधवार सुबह रानी गुरु मंदिर से गाजे बाजे के साथ कलश यात्रा शुरू की गई। जो तीर्थराज मचकुंड की परिक्रमा करते हुए कथा स्थल पर पहुंची। इसके बाद विष्णु महायज्ञ का शुभारंभ किया गया। जिसमें विद्वान पंडित आचार्य सुनील कृष्ण पाठक ने विधि विधान से पूजा अर्चना कराई और यज्ञ प्रारंभ करवाया। जिसमें पहले दिन अग्नि स्थापना, देवताओं की स्थापना और अग्नि आहुति का कार्यक्रम किया गया। इसके बाद भागवत सप्ताह शुरू की गई। भागवत कथा वाचक आचार्य सुनील कृष्ण पाठक विहारी वालों ने पहले दिन गोकर्ण, भागवत महिमा आदि की कथा सुनाई। इस दौरान कथा वाचक सुनील कृष्ण पाठक ने कहा कि भागवत सप्ताह सुनने से मोक्ष की प्राप्ति होती है। जीवन में भक्ति बेहद जरूरी है। भक्ति के बिना किसी को भी मोक्ष की प्राप्ति नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि जीवन को आनंदमय बनाना है तो प्रभु की शरण में पहुंचे और प्रभु की भक्ति में लग जाएं। मोह माया सब क्षणिक भर हैं, असली आनंद प्रभु की भक्ति में ही है। शाम को सामूहिक रूप से आरती की गई। कथा वाचक ने बताया कि प्रतिदिन सुबह 7 बजे से 11 बजे तक यज्ञ होगा तथा दोपहर 12 बजे से शाम 5 बजे बजे तक भागवत कथा का आयोजन किया जाएगा। संत पागल बाबा ने सभी भक्तगणों से यज्ञ एवं भागवत सप्ताह में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है।

परोपकार का जीवंत स्वरूप दर्शाता - मानव एकता दिवस

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर। निरंकार प्रभु ने हमें यह जो मानव जीवन दिया है इसका प्रत्येक पल मानवता के प्रति समर्पित हो सके, परोपकार का ऐसा सुंदर भाव जब हमारे हृदय में उत्पन्न हो जाता है तब वास्तविक रूप में समूची मानवता हमें अपनी प्रतीत होने लगती है। फिर सबके भले की कामना ही हमारे जीवन का लक्ष्य बन जाता है। उक्त उद्गार सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज ने 'मानव एकता दिवस' के अवसर पर समस्त श्रद्धालु भक्तों को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किये। संत निरंकारी मंडल जिला धौलपुर द्वारा सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज के पावन आशीर्वाद से मानव एकता दिवस समागम के अंतर गत ज्ञान प्रचार महात्मा मोहनलाल जी के सानिध्य एवं सेवादल संचालक सिव सिंह जी की देख रेख में स्थानीय सागर पड़ा राधा विहार कॉलोनी धौलपुर में मनाया गया। मानव एकता दिवस का पावन अवसर बाबा गुरबचन सिंह जी की मानवता के प्रति की गयी उनकी सच्ची सेवाओ को समर्पित है जिससे निरंकारी जगत का प्रत्येक भक्त प्रेरणा लेकर अपने जीवन का कल्याण कर रहा है।

» बाड़ी ... महाराज बाग सर्किल पर नाला अवरुद्ध होने से भरा सड़क पर गंदा पानी

बाड़ी : महाराज बाग सर्किल पर नाला अवरुद्ध होने से सड़क पर भरा गंदा पानी

दुकानदारों का आरोप समस्या पर नहीं दे रही नगर पालिका ध्यान

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बाड़ी। शहर के मुख्य चौराहा में शामिल महाराज बाग सर्किल पर नाला अवरुद्ध होने से पानी भराव की समस्या बनी हुई है। जिसके चलते न केवल आमजन बल्कि आसपास के दुकानदार भी परेशान है। दुकानदारों का आरोप है कि नगर पालिका प्रशासन उक्त मामले को लेकर संवेदनशील नहीं है। ऐसे में आए-दिन समस्या का सामना करना पड़ रहा है। महाराज बाग सर्किल पर पानी भराव की उक्त समस्या को लेकर लोगों का आरोप है कि नाले का गंदा पानी सड़क के उस पार नहीं निकल पाता है। गंदगी के चलते नाला अवरुद्ध है और गंदा पानी मुख्य चौराहे पर भर रहा है। इसी के चलते जब वाटर सप्लाई होती है तो यह पूरा स्थान एक तालाब सा नजर आता है। जिसमें से होकर राहगीरों को गुजरना पड़ता है और दोपहिया वाहन चालक चोटिल होते हैं साथ में दुकानदारों की दुकानदारी भी प्रभावित हो जाती है। महाराज बाग सर्किल पर हलवाई की दुकान चलाने वाले हलवाई पातीराम और दुकानदार राम भरत का आरोप है कि नगर पालिका में उक्त समस्या को लेकर कई बार शिकायत की है लेकिन नगर पालिका प्रशासन समस्या के प्रति संवेदनशील नहीं है। जब नाला अवरुद्ध होता है और पानी सड़क पर भर जाता है तो एक दो सफाई कर्मचारी आकर युक्त पानी को निकल जाते हैं। इसके बाद समस्या जस की तस नजर आती है। और जैसे ही नाले में पानी का फ्लो बढ़ता है फिर से गंदा पानी सड़क पर भर जाता है।

नाले के अंडरपास के लिए बड़ा पाइप जरूरी -

नगर पालिका की सफाई निरीक्षक सीताराम शर्मा का कहना है कि महाराज बाग सर्किल पर जो नाले का अंडरपास बना है वह काफी सकरा है। जिसमें से होकर कम पानी ही निकल पाता है। ऐसे में नाले में जब पानी का फ्लो बढ़ता है तो पानी सड़क पर आ जाता है। इसको लेकर नगर पालिका के उच्च अधिकारियों को अवगत कराया है। जल्द ही सड़क के दोनों तरफ बड़ा पाइप डालकर समस्या का समाधान किया जाएगा।

जागो जनमत जगमग जयपुर में छात्रों ने लिया जयपुर को सुंदर और स्वच्छ बनाने का प्रण

हेरिटेज नगर निगम ने महावीर इंटरनेशनल एनजीओ के सहयोग से किया जागरूकता कार्यक्रम

जयपुर। हेरिटेज नगर निगम जयपुर के स्वच्छता प्रहरियों ने बुधवार को जनता कालोनी स्थित आदर्श विद्या मंदिर विद्यालय में छात्र छात्राओं से संवाद कर जागरूक किया। इस दौरान महावीर इंटरनेशनल एनजीओ के सहयोग से नुक्कड़ नाटक के जरिए विद्यार्थियों और समस्त विद्यालय स्टाफ को गीला और सूखा कचरे को अलग अलग कचरा पात्र में रखने का संदेश दिया। साथ ही प्लास्टिक पॉलिथीन के उपयोग नहीं करने के लिए जागरूक किया। इस दौरान आदर्श नगर जोन उपायुक्त युगांतर शर्मा ने घर पर ही वेस्ट सामग्री से खाद बनाने को विधि बताई और जयपुर शहर को स्वच्छ रखने के संकल्प दिलाया।

पेयजल संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए कंट्रोल रूम स्थापित

धौलपुर। जिले में पेयजल की सुचारू व्यवस्था सुनिश्चित करने एवं पेयजल संबंधी समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए जिला स्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। जिसके नंबर 05642-220715 है। अतिरिक्त जिला कलक्टर ब्रह्मलाल जाट ने बताया कि जिला स्तरीय कंट्रोल रूम प्रातः 6 बजे से रात्रि 10 बजे तक संचालित रहेगा। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिशाषी अभियंता रामप्रकाश गुप्ता को कंट्रोल रूम का प्रभारी नियुक्त किया गया है जिनके मो.नं 9414712645 है। आमजन पेयजल संबंधी किसी भी समस्या के समाधान के लिए कंट्रोल रूम के दूरभाष नंबर पर संपर्क कर सकते हैं अथवा जरिए व्हाट्सएप मैसेज भी अपनी शिकायत दर्ज करवा सकते हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक – चन्द्रप्रकाश शिवहरे के लिए आकाशदीप प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स, सेक्टर 11 अग्रवाल फार्म, जयपुर (राज.) राजस्थान से मुद्रित एवं जी-१, गंगासागर अपार्टमेंट, बी-192, गंगासागर कॉलोनी, आम्रपाली मेन रोड, वैशाली नगर जयपुर (राज.) से प्रकाशित आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2013/48948
प्रधान सम्पादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे मोबा. 9425126060 । स्थानीय संपादक गौतम गोस्वामी मोबा. 9772455444, प्रबंध संपादक बेनी प्रकाश खोरानिया मोबा. 9549977995 : पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए स्थानीय सम्पादक जिम्मेवार। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर न्यायालय होगा।